सुप्रभात
रांची, मंगलवार
08.08.2023
* नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक
खबर मन्त्र
सबकी बात सबके साथ

भारत की आज़ादी का अमृत महोत्सव

khabarmantra.net श्रावण (मलमास), कृष्ण पक्ष, सप्तमी/ अष्टमी, संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 29
06 मौलिक अधिकार से वंचित आदिवासी समाज

SURJABASHA

न्यूज डायरी

भाजपा सांसद कठेरिया को भी मिली राहत

आगरा। एमपी एमएलए कोर्ट ने इटावा के सांसद डॉ रामशंकर कठेरिया को दो साल की सजा सुनायी थी, जिससे उनकी संसद सदस्यता पर खतरा मंडरा रहा था। उन्होंने सोमवार सुबह जिला जज की अदालत में इसके खिलाफ अपील की थी। इसपर कोर्ट ने सजा के फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी है। इससे उनकी सांसदी जाने का खतरा टल गया है।

13 से राजधानी एक्स लोहरदगा में रुकेगी

रांची। नयी दिल्ली-रांची राजधानी एक्सप्रेस आगामी 13 अगस्त से लोहरदगा रेलवे स्टेशन पर भी रुकेगी। रेलवे ने इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। लोहरदगा और रांची के बीच 1913 में रेल सेवा की शुरुआत हुई थी। अब राजधानी एक्सप्रेस के ठहराव के बीच लोहरदगा में रेल ने 110 साल का सफर तय किया है।

राज्यसभा से भी दिल्ली सेवा बिल को मिली मंजूरी

नयी दिल्ली। राज्यसभा ने आज लंबी बहस के बाद दिल्ली सेवा बिल पास कर दिया। इस तरह इसे संसद की मंजूरी मिल गयी। लोकसभा ने इसे पहले ही पास कर दिया था। राज्यसभा में सोमवार इस बिल के समर्थन में 131 वोट और विरोध में 102 मत मिले।

मणिपुर हिंसा की जांच के लिए बनायी कमेटी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर में महिलाओं के साथ बर्बरता से जुड़े मामलों की जांच के लिए हाई कोर्ट की तीन रिटायर्ड महिला जजों की एक कमेटी गठित की है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने सीबीआई जांच की निगरानी के लिए पूर्व आईपीएस अधिकारी दत्तात्रेय पडसालगिकर को नियुक्त किया है।

दिल्ली के एम्स में लगी आग, सुरक्षित निकाला

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में सोमवार को आग लगने के बाद अस्पताल के कर्मचारियों और मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अस्पताल के आपातकालीन वार्ड से आग लगने की सूचना मिली।

लोकसभा में निजी डाटा संरक्षण विधेयक पारित

नयी दिल्ली। लोकसभा ने मणिपुर मुद्दे पर विपक्षी दलों के हंगामे के बीच आम लोगों के डाटा को जरूरत के मुताबिक हासिल कर सुरक्षित और संरक्षित रूप से इस्तेमाल करने की इजाजत देने वाले डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक 2023 को सोमवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	56,200 रु./10 ग्राम
चांदी	74,000 रु./प्रति किलो

136 दिन बाद संसद पहुंचे योग्य राहुल

सांसदों ने किया स्वागत, आज करेंगे अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत!

एजेंसी

नयी दिल्ली। मोदी सरनेम मामले में दोष सिद्धि पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाये जाने के तीन दिन बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता सोमवार को बहाल कर दी गयी। करीब 136 दिनों के बाद सोमवार को राहुल संसद पहुंचे। सदन में कांग्रेस सांसदों ने मेज थपथपा कर उनका भव्य स्वागत किया। संसद में धमाकेदार एंट्री के बाद राहुल गांधी मोदी सरकार के खिलाफ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव पर मंगलवार को अपनी बात भी रखने वाले हैं।

सदस्यता बहाली के बाद सोमवार को करीब 12 बजे संसद भवन पहुंचे राहुल लोकसभा की कार्यवाही में शामिल हुए। संसद भवन पहुंचने के बाद राहुल गांधी ने सबसे पहले महात्मा गांधी की प्रतिमा को नमन किया और फिर सदन में गये। लोकसभा सचिवालय की ओर से उनकी सदस्यता बहाल करने की सूचना के बाद राहुल गांधी सदन में भी उपस्थित हुए। उसके बाद राहुल ने अपने आधिकारिक बायो में भी 'अयोग्य सांसद' की जगह 'योग्य सांसद' शब्द लिखा। (शेष पेज 11 पर)

मीडिया से बोले- आप लोग खुश दिख रहे हैं...

इधर, सदस्यता बहाल होने के बाद जब राहुल गांधी लोकसभा से निकल रहे थे, तब पत्रकारों ने उनसे प्रतिक्रिया मांगी, तो उन्होंने तंज कसते हुए कहा- आप सब भी खुश लग रहे हैं, ये क्या हो रहा है? मालूम हो राहुल गांधी मीडिया पर भी मोदी सरकार के साथ मिले होने का लगातार आरोप लगाते रहे हैं।

ट्विटर प्रोफाइल बदला : राहुल गांधी ने अपने ट्विटर प्रोफाइल का ब्यौरा बदला और संसद सदस्य लिखा। अयोग्य ठहराये जाने के बाद उन्होंने डिस्क्वालीफाइड एमपी (अयोग्य ठहराये गये सांसद) लिखा था।

आदिवासी कला-संस्कृति को बढ़ाने में सरकार प्रयासरत

ऐतिहासिक होगा झारखंड आदिवासी महोत्सव : सीएम

केंद्रीय सरना समिति ने दिया सीएम को न्यौता

सीएम को महोत्सव में शामिल होने का न्यौता देते केंद्रीय सरना समिति के लोग।

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड आदिवासी महोत्सव 2023 को इस बार एक अलग पहचान मिलेगी। देशव्यापी प्रचार-प्रसार के कारण देश-दुनिया से इस महोत्सव में शामिल होने के लिए लोग आ रहे हैं। यह बहुत ही खुशी की बात है। आदिवासी परंपरा, कला-संस्कृति, रहन-सहन, आदिवासी उत्पाद और गीत-संगीत-नृत्य को संरक्षित और आगे बढ़ाने की दिशा में उनकी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, आदिवासी कला-संस्कृति को संरक्षित और आगे बढ़ाने में झारखंड आदिवासी महोत्सव मील का पत्थर साबित होगा। सीएम ने केंद्रीय सरना समिति के प्रतिनिधिमंडल से ये बात कही। सरना समित का प्रतिनिधमंडल सोमवार को सीएम से मिला और उन्हें 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने के निमंत्रण दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने आभार जताया : प्रतिनिधि मंडल ने राज्य सरकार द्वारा वृहत पैमाने पर पूरी भव्यता के साथ झारखंड आदिवासी महोत्सव का आयोजन करने के लिए सीएम का आभार जताया। (शेष पेज 11 पर)

बोकारो में बोले सीएम हेमंत- झारखंड को सशक्त और विकसित राज्य बना कर रहेंगे

जगरनाथ महतो के नाम बनेगा मेडिकल कॉलेज

11186 लाभुकों के बीच 116 करोड़ 90 लाख 66 हजार की परिसंपत्तियां बांटी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बोकारो में आयोजित एक कार्यक्रम में सीएम हेमंत सोरेन केंद्र सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने केंद्र सरकार पर मंहगाई, गरीबी और मणिपुर के मुद्दे पर जमकर हमला बोला। इस दौरान सीएम ने कहा कि बोकारो में दिवंगत जगरनाथ महतो के नाम से बनेगा मेडिकल कॉलेज खुलेगा। डुमरी विधानसभा क्षेत्र में नेतरहाट आवासीय विद्यालय की तर्ज पर स्कूल खुलेगा। पूरे राज्य में खुलेंगे 5000 मॉडल स्कूल खोले जायेंगे। उनकी सरकार झारखंड को सशक्त और विकसित राज्य बनाने में लगी हुई है और इसे पूरा भी करेंगे। श्री सोरेन सोमवार को बोकारो के चंद्रपुरा प्रखंड स्थित तारानारी में योजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास और लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों के वितरण समारोह में बोल रहे थे।

युवा पीढ़ी को दे रहे हैं संबल : सीएम ने कहा कि आने वाली पीढ़ी शिक्षित हो व अपने पैरों पर खड़ा हो, इसके लिए उन्हें विभिन्न योजनाओं के माध्यम से संबल देने का काम सरकार कर रही है। झारखंड देश का पहला राज्य है, जो विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को शत- प्रतिशत स्कॉलरशिप दे रही है। पढ़ाई से लेकर प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारियों और मेडिकल, इंजीनियरिंग और लॉ जैसे कोर्सेज के लिए सरकार सारा खर्च देगी। झारखंड में बदलाव का यह सिलसिला तब तक जारी रहेगा, जब तक कि झारखंड विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा नहीं हो जाता है। (शेष पेज 11 पर)

केंद्र और भाजपा पर जमकर बरसे

सीएम ने कहा कि यहां विपक्ष रोज सरकार गिराने का काम करते हैं। सरकार को काम नहीं करने देने का निरंतर उपाय चलता रहता है। केंद्र सरकार लगातार सरकारी संपत्तियों को बेच रही है। उसके पास पेंशन तक देने के पैसे नहीं हैं, लेकिन बड़े पूंजीपति देश की जनता की गाढ़ी कमाई लूट कर भाग जा रहे हैं। कोरोनाकाल में भी केंद्र सरकार ने हमें मदद नहीं की। देश में लगातार महंगाई बढ़ रही है। दाल, चावल, आटा, किताब-कॉपी सभी चीजें महंगी हो रही हैं। केंद्र सरकार ने हर चीज पर टैक्स लगा दिया। हमारी केंद्र की सरकार में इतने कामकाजी लोग हैं, जिन्होंने दूध-दही तक पर भी टैक्स लगा दिया है। भाजपा के लोगों ने यही काम 1932 आधारित खतियान को लेकर भी किया। सरना कोड को लेकर भी इन लोगों ने यही काम किया है। हालांकि हमारी कई नजर इन लोगों पर है और बहुत जल्द ऐसा समय आयेगा जब इस तरह से विरोध करने वाले लोगों को झारखंड से बेदखल किया जायेगा।

विष्णु अग्रवाल की रिमांड अवधि बढ़ी

रांची। जमीन घोटाले मामले में गिरफ्तार व्यवसायी विष्णु अग्रवाल की रिमांड अवधि समाप्त होने पर ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत में पेश किया गया।

इस दौरान ईडी की ओर से और पूछताछ की आवश्यकता बताते हुए विष्णु अग्रवाल को फिर से सात दिनों की रिमांड दिए जाने का कोर्ट से आग्रह किया गया। ईडी के रिमांड मांगे जाने का विष्णु अग्रवाल के अधिवक्ता ने विरोध किया। लेकिन ईडी की ओर से मौजूद विशेष लोक अभियोजक रमित सत्येंद्र ने अदालत को बताया कि जमीन घोटाले में विष्णु अग्रवाल भी शामिल हैं।

झारखंड में मानसून ने पकड़ी रफ्तार, अभी और होगी बारिश

- सात दिनों के अंदर हुई दो माह से अधिक रोपनी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्य में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बारिश के कारण राज्यभर में पूरे जोर-शोर से धान की खेती की जाने लगी है। परिणाम है कि पूरे जून-जुलाई में राज्य में जितनी धान की खेती नहीं हुई थी, बीते सात दिनों में उससे ज्यादा रोपनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में राजधानी में 6.1 एमएम बारिश रिकॉर्ड किया गया। सबसे अधिक वर्षा 73 मिमी लोहरदगा के कुडू में दर्ज की गयी। सिमडेगा 50 एमएम बारिश हुई। वहीं, रांची में 24 मिमी, जमशेदपुर में 6 मिमी बारिश दर्ज की गयी। (शेष पेज 11 पर)

किसानों ने रोपा तेज किया : पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश से किसानों को थोड़ी राहत मिली है। राज्यभर में पूरे जोर-शोर से धान की खेती की जाने लगी है। परिणाम है कि पूरे जून-जुलाई में राज्य में जितनी धान की खेती नहीं हुई थी, बीते सात दिनों में उससे ज्यादा रोपनी हुई है। राज्य में अब तक करीब 318 मिमी बारिश हो गयी है। मानसून के रफ्तार पकड़ने से किसानों ने राहत की सांस ली है।

रांची से बाबाधाम तक उमड़े श्रद्धालु

खबर मन्त्र संवाददाता

पांचवीं सोमवारी

रांची। सावन मास की पांचवीं सोमवारी को लेकर देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर से लेकर रांची पहाड़ी मंदिर सहित रांची के सभी शिवालयों और मंदिरों में सोमवार सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। बाबाधाम में करीब आठ किलोमीटर तक भक्तों की लंबी कतार लग गयी। करीब डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धलुओं ने बाबा पर जलार्पण किया। रांची का पहाड़ी मंदिर में बोल बम का नारा है बाबा एक सहारा है, ओम नमः शिवाय और हर हर महादेव से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा।

रांची के कांके, कोकर, बूटी मोड, बरियातू, हिनू, चुटिया के सुरेश्वर धाम, हरमू, किशोरगंज, लालपुर सहित अन्य शिवालयों में भक्त भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना सुबह से कर रहे हैं।

सावन माह के सोमवार को भगवान शिव की उपासना करने से सुख-समृद्धि और सौभाग्य के साथ साथ संकटों से भी मुक्ति मिलती है। सोमवारी में भगवान शिव का चंद्रशेखर स्तोत्र का पाठ करना शुभ माना गया है। इस पाठ के करने से चंद्र दोष से मुक्ति मिलती है। साथ ही चंद्र ग्रह मजबूत होता है। वहीं दूसरी ओर मिली जानकारी के अनुसार देवघर के बाबा बैजनाथ धाम, दुमका के बासुकी नाथ धाम, खूंटी के अमरेश्वर धाम में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने को लेकर भक्तों में काफी उत्साह रहा। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। सभी मंदिरों में पुलिस बल की तैनाती थी।

सॉफ्ट लैंडिंग चुनौती, पर हम सफल होंगे : इसरो

चंद्रयान-3 अच्छी हालत में, कक्षा निर्धारण प्रक्रिया सर्वाधिक अहम

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने सोमवार को कहा कि चंद्रयान-3 अच्छी हालत में है। इसका सर्वाधिक महत्वपूर्ण चरण कक्षा निर्धारण प्रक्रिया होगी, जब अंतरिक्षयान 100 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा से चंद्रमा के करीब जाना शुरू करेगा। चंद्रयान चंद्रमा की 4,313 किलोमीटर (किमी) दीर्घवृत्ताकार कक्षा में मौजूद है और इसे 100 किमी की वृत्ताकार कक्षा में ले जाने के लिए नौ से 17 अगस्त के बीच सिलसिलेवार प्रक्रियाएं किये जाने की जरूरत है। विक्रम लैंडर के चंद्रमा पर 23 अगस्त को उतरने की उम्मीद है। (शेष पेज 11 पर)

शानदार नतीजे मिल रहे हैं

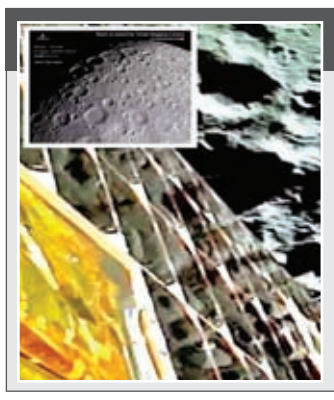

सोमनाथ ने कहा कि 100 किमी तक हम कोई कठिनाई नहीं देख रहे हैं। समस्या केवल पृथ्वी से लैंडर की स्थिति का अनुमान लगाने में है। यह माप एक बहुत महत्वपूर्ण माप है, हम इसे कक्षा निर्धारण प्रक्रिया कह सकते हैं, यदि यह सही है तो शेष प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। इसरो अध्यक्ष ने कहा कि हम इस बार इसे बहुत सही तरीके से नीचे उतारने में सक्षम हैं। योजना के अनुसार कक्षा में बदलाव किया जा रहा है। इसमें कोई भटकाव नहीं है, इसलिए यह शानदार नतीजे दे रहा है और हमें उम्मीद है कि सब कुछ ठीक रहेगा।

खबर एक नजर में

भवन निर्माण विभाग के 56 ईई बदले

रांची। भवन निर्माण विभाग ने आज 56 कार्यपालक अभियंता स्तर के पदाधिकारियों का स्थानांतरण पदस्थापन किया है। विभाग ने सोमवार को इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है।

गोपनीय शाखा प्रभारी बने डीएसपी अरविंद

रांची। डीएसपी अरविंद कुमार सिंह डीजीपी के गोपनीय शाखा प्रभारी बनाए गए है। अरविंद कुमार सिंह वर्तमान में डीएसपी स्पेशल ब्रांच के पद पर पदस्थापित हैं। इससे पहले वे स्पेशल ब्रांच डीएसपी के पद पर थे। बीते तीन चार अगस्त को उनका स्पेशल ब्रांच डीएसपी के पद पर तबादला हुआ था।

स्पेशल ब्रांच का प्रशिक्षण आज

रांची। डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल और लुक आउट सर्कुलर को लेकर स्पेशल ब्रांच प्रशिक्षण मंगलवार को होगा। इस संबंध में स्पेशल ब्रांच के द्वारा जिले के एसएसपी, एसपी को पत्र लिखा गया है। इसमें कहा गया है कि राज्य के 24 जिलों में डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल और लुक आउट सर्कुलर के सूचारू रूप से कार्य करने को लेकर एक दिवसीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगा। स्पेशल ब्रांच की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि राज्य के प्रत्येक जिलों के स्पेशल ब्रांच शाखा से एक योग्य पदाधिकारी और एक कर्मी (कंप्यूटर ऑपरेटर) अपने जिले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस प्रशिक्षण में भाग लेना सुनिश्चित करेंगे।

लालू से मिला राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा का दल

रांची। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद से मिलकर झारखंड राज्य में मिल रहे ओबीसी आरक्षण से अवगत कराया। उन्हें बताया कि झारखंड के सात जिले में ओबीसी का आरक्षण शून्य कर दिया गया है। मौके पर उन्होंने कहा कि वह इस संबंध में झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री से बात करेंगे। राष्ट्रीय संयोजक नितिन माधव चौधरी ने लालू प्रसाद को जातिगत जनगणना के लिए एक सम्मान पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन माधव चौधरी, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष और बिहार प्रभारी राजेश कुमार गुप्ता, मध्य प्रदेश अध्यक्ष जगदीश सिंह यादव, तुषार पेंढाकर, असलम खातमी बिहार प्रदेश अध्यक्ष अजय शंकर गुप्ता उपस्थित थे।

पार्टी के नेता बाबूलाल से मिले

रांची। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रदेश महासचिव संजय कुमार सिंह, रांची जिला अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, महानगर अध्यक्ष सुशील केसरी सोमवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से मिले और उन्हें बधाई दी। बधाई देनेवालों में अंबर शर्मा, मनोज गोप, चेतन कुमार एवं सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे। नेताओं ने बाबूलाल मरांडी से मिलकर राज्य में एनडीए को एकजुट होकर कैसे बढ़ाया जाए, इस पर विचार-विमर्श किया।

अमित महतो की जमानत पर सुनवाई 16 को

रांची। अपर न्यायायुक्त एसएम शहजाद की अदालत में सोमवार को विधानसभा घेराव मामले में जेल में बंद पूर्व विधायक सह खातियानी पार्टी के नेता अमित महतो की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले में लगे आरोप की केस डायरी तलब की। साथ ही याचिका पर आगे की सुनवाई के लिए 16 अगस्त की तारीख निर्धारित की। सीजेएम कोर्ट से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद अमित महतो ने न्यायायुक्त की अदालत में चार अगस्त को याचिका दाखिल की है। सीजेएम कोर्ट ने 17 जुलाई को जमानत देने से इनकार किया था। वह सोनाहातू सीओ के साथ मारपीट में सजायाफ्ता एवं विधानसभा घेराव मामले में 27 जून को सरेंडर किया था। तब से जेल में हैं। पिछले साल विधानसभा घेराव कार्यक्रम के बाद धुर्वा थाना में अमित महतो समेत अन्य के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने, बिना अनुमति सड़क जाम करने समेत कई आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

सागर कुमार बने झारखंड जदयू के प्रदेश प्रवक्ता

रांची। झारखंड में जनता दल यूनाइटेड अपनी राजनीतिक विस्तार को लेकर लगातार कार्यक्रम कर रहा है। वहीं पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को आए दिन नई नई जिम्मेदारियां मिल रही हैं। इसी कड़ी में प्रदेश कार्यकारिणी के विस्तार के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने सागर कुमार को फिर से प्रदेश प्रवक्ता बनाया है। इस संबंध में जदयू के प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने कहा कि संगठन को मजबूत एवं विस्तार करने की दिशा में पार्टी लगी हुई है।

आरक्षण पर विचार करे सरकार : जगदीश

रांची। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जगदीश साहू ने कहा है कि झारखंड में पिछड़ों का आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत, दलितों का आरक्षण 11 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत और आदिवासियों का 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत विधानसभा से पास करके राज्यपाल के पास भेजा गया था लेकिन राज्यपाल ने उसे अस्वीकृत कर वापस भेज दिया। इस स्थिति में उन्होंने सरकार से मांग की है कि वह अपने स्तर से त्रुटियों को दूर कर पुनः राज्यपाल को भेजें जिससे उपरोक्त वर्गों को आरक्षण मिल सके। जगदीश साहू ने कहा कि चुनाव से पूर्व जेएमएम एवं कांग्रेस के घोषणा पत्र में संयुक्त घोषणा पत्र में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की गई थी। बावजूद अभी तक इस समुदाय को आरक्षण का लाभ नहीं मिल सका है।

18 को होगी झारखंड मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना स्कॉलरशिप परीक्षा

5 हजार विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना के तहत मिलने वाले स्कॉलरशिप की चयन परीक्षा 18 अगस्त को होगी। जैक की ओर से इसकी तैयारी पूरी कर ली गयी है। इस परीक्षा के बाद राज्य के विभिन्न जिलों से 5 हजार विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। इस परीक्षा का संचालन जैक कर रहा है। इस योजना का लाभ सभी जिलों के विद्यार्थियों को मिलेगा। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस परीक्षा के माध्यम से प्रत्येक जिले से 400 विद्यार्थियों को चयनित करने का प्रावधान किया है।

60 हजार विद्यार्थियों ने किया रजिस्ट्रेशन : शिक्षा विभाग ने इस साल के चयन परीक्षा में राज्यभर के सरकारी स्कूलों के एक लाख बच्चों को शामिल कराने के लिए रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य रखा था। लेकिन जैक के द्वारा तीन बार आवेदन भरने की तारीख बढ़ाए जाने के बावजूद भी लक्ष्य के अनुरूप रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका। तीन बार आवेदन की तारीख बढ़ाने के बावजूद 60 हजार विद्यार्थियों ने ही रजिस्ट्रेशन किया।

क्या है मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना

मुख्यमंत्री हेमंत सरकार ने इस योजना के द्वारा वैसे छात्र जो आर्थिक तंगी की वजह से पढाई छोड़ देते हैं, उन्हें स्कॉलरशिप देने की कोशिश की है। इस योजना के तहत 9वीं से 12वीं तक के चयनित बच्चों को साल में 12,000 रुपये मिलेंगे। मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृति योजना हेमंत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत जो भी बच्चे नौवीं कक्षा में पढ़ रहे हैं और आठवीं में जिनके 60 प्रतिशत से अधिक अंक हैं। वे इस स्कॉलरशिप के लिए आयोजित होने वाले चयन परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। विद्यार्थी किसी भी स्कूल या सीबीएसई, आईसीएसई या जैक बोर्ड के हो सकते हैं। कक्षा 9वीं से ग्यारहवीं तक आयोजित होने वाली प्रत्येक वार्षिक परीक्षा में इन्हें 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना होगा। योजना के तहत सरकारी स्कूल के आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को छात्रवृत्ति की 50 प्रतिशत की राशि मिलेगी।

एशियन बैंक, विश्व बैंक और अमृत-2 योजना से हर घर नल जल योजना पर क्रियान्वयन शुरू

राज्य के 15 निकायों के 1.6 लाख घरों के पेयजल पर खर्च होंगे ₹1447 करोड़

1395 किमी बिछेगी वितरण पाइप लाइन, 8 लाख 17 हजार लोग होंगे लाभान्वित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री के निर्देश और नगर विकास विभाग की पहल पर राज्य के 15 शहरी निकायों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का प्रक्रिया आरंभ हो गयी है। इसके तहत कुल 163393 आवासों को निःशुल्क वाटर कनेक्शन दिया जायेगा। जिससे लगभग 8.17 लाख लोग लाभांवित होंगे। इस पर कुल 1447 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह राशि एशियन डेवलपमेंट बैंक, विश्व बैंक तथा अमृत योजना से खर्च की जायेगी। इसके लिए कल जुडको सभागार में परियोजना निदेशक की अध्यक्षता में कंपनियों की बिडर्स कांफ्रेंस बुलाई गयी।

झुमरीतिलैया: यहां की पेयजलापूर्ति योजना पर 146.73 करोड़ खर्च किये जायेंगे। कुल 25043 घरों को वाटर कनेक्शन दिया जायेगा। 4 जलमीनार बनेंगे। 50 किलोमीटर वितरण पाईपलाइन बिछायी जायेगी। 8.7 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा।

मेदिनीनगर: मेदिनीनगर के लिए 165.76 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। कुल 24711 आवासों को वाटर कनेक्शन दिया जायेगा। 212 किलोमीटर वितरण पाईपलाइन बिछेगी। 4 जलमीनार बनेंगे। 17 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा। दोनों योजनाएं एडीबी की हैं।

लोहरदगा: लोहरदगा पेयजलापूर्ति योजना पर 127.47 करोड़ रुपये खर्च होंगे, 14300 आवासों को वाटर कनेक्शन से जोड़ा जायेगा। 4 जलमीनार बनेंगे। कुल 171.16 किमी पाईपलाइन बिछेगा। 16.5 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा।

गुमला: यहां की जलापूर्ति योजना पर 97.69 करोड़ लागत आयेगी। 4 जलमीनार बनेंगे। 15 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा। 73.33 किमी वितरण पाईपलाइन बिछेगा। कुल 12687 घरों को शुद्ध पेयजल मिलेगा।

कपाली निकाय: कपाली पेयजलापूर्ति योजना परद 63.38 करोड़ रुपये खर्च होंगे। 2 जलमीनार बनेगा। 14110 आवासों को जल नल से जोड़ा जायेगा। 13.5 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा। 93.11 किमी वितरण पाईपलाइन बिछेगा।

बड़कीसरैया: यहां की योजना पर 38.20 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। एक जलमीनार बनेगा। कुल 4913 आवासों को वाटर कनेक्शन दिया जायेगा। 4.5 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा। 79.06 किमी वितरण पाईपलाइन बिछेगी।

रेहला-विश्रामपुर: इस निकाय की जलापूर्ति योजना पर 103.73 करोड़ रुपये लागत आयेंगे। 3 जलमीनार बनेगा। 21 एमएलडी क्षमता का जलशोधन संयंत्र बनेगा। 10271 घरों को वाटर कनेक्शन दिया जायेगा। वितरण पाईपलाइन 130 किमी बिछेगी।

महागामा निकाय: महागामा में पानी के लिए 72.85 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। यहां 11 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा, 79.86 किमी पाईपलाइन बिछायी जायेगी। 3 जलमीनार बनेंगे। कुल 8206 घरों को जल नल से जोड़ा जायेगा।

धनवार शहर: धनवार जलापूर्ति योजना पर 63.89 करोड़ रुपये खर्च होंगे। 2 जलमीनार बनेगा। 30.93 किमी पाईपलाइन बिछायी जायेगी। 8 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा। 5597 आवासों को वाटर कनेक्शन दिया जायेगा।

डोमचांच निकाय: यहां की जलापूर्ति योजना पर 81.32 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। 2 जलमीनार बनेगा। 10 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा। कुल 7161 आवासों को वाटर कनेक्शन दिया जायेगा। 45.86 किमी वितरण पाईपलाइन बिछेगी।

जामताड़ा निकाय: जामताड़ा की योजना पर कुल 110.06 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। 3 जलमीनार बनेंगे। 8.5 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा। 7860 आवासों को वाटर कनेक्शन दिया जायेगा। 98.77 किमी वितरण पाईप बिछायी जायेगी।

हरिहरगंज: यहां की योजना पर 82.41 करोड़ रुपये खर्च होंगे। 2 जलमीनार बनेगा। 7.28 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा। कुल 5006 घरों को वाटर कनेक्शन दिया जायेगा। 73.67 किमी वितरण पाईपलाइन बिछायी जायेगी।

बड़हरवा: बड़हरवा में पेयजलापूर्ति पर 63.25 करोड़ रुपये खर्च होंगे। 2 जलमीनार बनेगा। 10 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा। कुल 7094 घरों को जल नल से जोड़ा जायेगा। 50 किलोमीटर पाईपलाइन बिछायी जायेगी।

वंशीधर नगर : इस निकाय में पेयजलापूर्ति पर 125.83 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। 2 जलमीनार बनेगा। 11.56 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा। कुल 8549 आवासों को वाटर कनेक्शन दिया जायेगा। 104.22 किमी वितरण पाईपाइन बिछेगी।

छतरपुर शहर: छतरपुर में पेयजल के 105.95 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। यहां के 7825 घरों को जल संबंधन दिया जायेगा। 2 जलमीनार बनेंगे। 10.52 एमएलडी का जलशोधन संयंत्र बनेगा। 103 किमी वितरण पाईपलाइन बिछेगा।

सभी 10 योजनाएं अमृत -2 से होंगी संचालित

बिडर्स कांफ्रेंस को पीडीटी गोपालजी एवं पीडी एडमिन अरविंद कुमार मिश्र ने संबोधित करते हुये कहा कि राज्य के शहरी निकायों में पेयजलापूर्ति उपलब्ध कराने के लिए कंपनियों को आगे आना चाहिए। उप महाप्रबंधक आलोक मंडल ने कंपनियों की शंकाओं का समाधान किया। उप परियोजना निदेशक उत्कर्ष मिश्र ने एडीबी और विश्वबैंक के अधिकारियों के साथ विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एजेंसियो की सवालों का जवाब दिलवाया। धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक जलापूर्ति एसएस सेनगुप्ता ने किया जबकि मंच संचालन सामाजिक विशेषज्ञ रामाशीष रजक ने किया। कांफ्रेंस में देश की 40 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

जबरन जमीन कब्जा करनेवाले भू-माफियाओं पर पुलिस हर हाल में कसें नकेल : गृह सचिव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के गृह सचिव अविनाश कुमार ने सोमवार को रांची के डीसी, एसएसपी, सीओ और थानेदारों के साथ अपराध नियंत्रण को लेकर समीक्षा बैठक की। प्रोजेक्ट भवन में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान गृह सचिव ने जमीन पर कब्जा करनेवाले भू- माफियाओं की सूची बनाकर उनपर नकेल कसने का निर्देश दिया। जरूरत हो तो विवादित जमीन के मामले में नियम सम्मत कार्रवाई करने से भी परहेज नहीं करें। उन्होंने कहा कि प्रायः यह देखा जा रहा है कि राजधानी रांची में जितनी भी हत्या हो रही है, उन हत्या के कारणों के पीछे जमीन विवाद मुख्य वजह उभर कर सामने आ रही है। ऐसे में

अपराध की रोकथाम, विधि-व्यवस्था आदि पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इससे सरकार और पुलिस प्रशासन की छवि भी धूमिल हो रही है। टॉस्क फोर्स बनाकर जमीन दलालों के विरूद्ध कार्रवाई करें।

बैठक में उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, एसएसपी किशोर कौशल, सिटी एसपी शुभ्रांशु जैन, शहर और ग्रामीण क्षेत्र के सीओ, विभिन्न थानों के थानेदार उपस्थित थे। गृह सचिव ने सभी को जमीन विवाद में हो रही हत्याकांड की रोकथाम के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया।

संपत्ति और निवेश का ब्योरा जुटा रही पुलिस

बढ़ती घटनाओं को देखते हुए रांची पुलिस इन भू-माफियाओं के अलावा उनके दोस्तों और परिजनों की संपत्ति और निवेश का ब्योरा जुटा रही है। पुलिस दर्ज मामलों के सत्यापन करने के साथ-साथ फाइल भी तैयार कर रही है, ताकि केंद्रीय एजेंसी से बड़े भू-माफिया की संपत्ति की जांच की अनुशंसा की जा सके। इधर पुलिस मुख्यालय से आदेश मिलने के बाद सूची में शामिल किये गये जमीन कारोबारियों की कुंडली को खंगाला जा रहा है।

गतिविधि पर नजर रखेगी पुलिस

गृह सचिव ने कहा कि जमीन कारोबारियों की गतिविधियों को संदिग्ध मानते हुए यह जानकारी जुटाने का प्रयास करें, कि कहीं हथियारों के बल पर तो जमीन कब्जे में लेकर खरीद-बिक्री तो नहीं की जा रही है। जमीन कारोबारियों के इलाके को चिन्हित करें, कौन किस इलाके में काम कर रहा है, वहीं किनके के बीच जमीन विवाद चल रहा है। जमीन कारोबार में मदद करने वालों की गतिविधि पर भी नजर रखने का निर्देश दिया गया है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट और मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद पुलिस मुख्यालय ने भू-माफियाओं और जमीन दलालों की सूची तैयार की है। इसमें 49 भू-माफिया पुलिस की टॉपलिस्ट में हैं। इनके खिलाफ थानों में 2 से 7 तक मामले दर्ज हैं। भू-माफिया और जमीन दलाल जमीन कब्जाने, हत्या और घर बनाने वालों से वसूली कर रहे हैं।

रिम्स में नियुक्ति मामले की अदालत करेगी मॉनिटरिंग

कोविड-19 के परिप्रेक्ष्य में रिम्स की कार्यप्रणाली में सुधार संबंधि जनहित याचिका निष्पादित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रिम्स की कार्यप्रणाली में सुधार सहित राज्य में कोविड 19 की जांच में तेजी को लेकर दायर विभिन्न जनहित याचिकाओं की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में सोमवार को हुई। मामले में कोर्ट ने कहा कि यह जनहित याचिका कोविड-19 की पृष्ठभूमि में शुरू हुई थी, अब कोविड-19 समाप्त हो चुका है, ऐसे में इस जनहित याचिका पर सुनवाई का कोई औचित्य नहीं है। कोर्ट ने रिम्स के अधिवक्ता एके सिंह की दलील सुनने के बाद कोविड-19 से संबंधित जनहित याचिका एवं इसके साथ संलग्न 4 अन्य जनहित याचिका को निष्पादित कर दिया।

इससे पहले रिम्स की ओर से कोर्ट को बताया गया कि रिम्स में स्वीकृत पदों को भरने के लिए कोर्ट के आदेश के आलोक में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। रिम्स में दवा सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं को दुरुस्त रखने का काम सतत जारी रहने वाली प्रक्रिया है। ऐसे में रिम्स में अगर किसी तरह की कोई कमी दिखती है तो प्रार्थी चाहे तो फिर से जनहित याचिका दायर कर सकता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि कोविड-19 से संबंधित जनहित याचिका निष्पादित की जाती है लेकिन रिम्स में नियुक्ति से संबंधित एक अन्य याचिका पर सुनवाई जारी रहेगी, कोर्ट इसकी मॉनिटरिंग करता रहेगा।

भाजपा सांसद दीपक प्रकाश ने राज्यसभा में पूछा सवाल, मिला जवाब

झारखंड में लौह अयस्क और मैंगनीज खनिज के 15 खनन पट्टे, जिसमें सात ही हैं कार्यशील

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश ने राज्यसभा में कोयला एवं खान मंत्रालय से झारखंड में बंद पड़ी लौह अयस्क खदानों को पुनः खोले जाने से सम्बंधित जानकारी अपनी अतारांकित प्रश्न के माध्यम से मांगी। श्री प्रकाश ने जानना चाहा कि झारखंड में बंद पड़ी लौह अयस्क खदानों को पुनः खोलने के लिए सरकार के पास कोई योजना है तो वह क्या है।इसके जवाब में खान, कोयला एवं संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि झारखंड सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार

लौह अयस्क, मैंगनीज खनिज के 15 खनन पट्टे हैं। जिनमें से 7 खानें कार्यशील हैं। 8 खानें गैर-कार्यशील हैं। उन्होंने अपने जबाब में कहा कि झारखंड सरकार ने यह भी सूचित किया है कि मैक्लेलोन, बुढ़ाबुरू, अजीताबुरु, अंकुआ आर, सुक्रिलुटुरबुरु, भानगांव में पट्टों के लिए वैधानिक मंजूरियां लंबित हैं । क्योंकि ये पट्टे पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी सिंहभूम जिला, सारंडा और चाईबासा में सतत खनन प्रबंधन योजना में यथा निरूपित गैर खनन क्षेत्र में आंशिक रूप से आते हैं। उन्होंने आगे कहा कि झारखंड सरकार ने सूचित किया है कि एमपीएसएम की सिफारिशों के कारण उन्हें समाप्त खनन पट्टों की नीलामी में कठिनाई आ रही है। राज्य सरकार ने पश्चिम सिंहभूम जिला, सारंडा और चाईबासा वन प्रभाग में एमपीएसएम पर रिपोर्ट में संशोधन या सुधार के लिए पुनर्मूल्यांकन अध्ययन के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ इस मामले को उठाया है।

डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेई ने रांची में टेक्सटाइल पार्क को लेकर पूछा सवाल

झारखंड से टेक्सटाइल पार्क संबंधी प्रस्ताव मंत्रालय को प्राप्त नहीं : दर्शाना जरदोश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय राज्य मंत्री दर्शाना जरदोश ने कहा है कि झारखंड से टेक्सटाइल्स पार्क की कोई प्रस्ताव नहीं प्राप्त है। वह सोमवार को राज्यसभा में डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी के सवाल का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों से प्राप्त 54 परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। जिसमें 30 पूरी हो चुकी हैं। 24 परियोजनाओं के कार्य प्रगति पर है।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार वस्त्र इकाइयों की स्थापना एवं वस्त्र उद्योग को अत्याधुनिक

ढांचा प्रदान करने के लिये एकीकृत वस्त्र पार्क योजना क्रियान्वित कर रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत झारखंड सरकार ने कोई प्रस्ताव मंत्रालय को अनुमोदन के लिये नहीं भेजा है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के अतिरिक्त भारत सरकार ने वर्ष 2027.28 तक सात वर्षों की अवधि के लिए 4,445 करोड़ रूपये के परिव्यय से प्लग एंड प्ले सुविधा सहित विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ ग्रीन फील्ड ब्राउन फील्ड साइटों में 7 पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल पार्कों की स्थापना को मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि पीएम मित्र पार्क स्थापित करने के लिये 13 राज्य सरकारों से 18 प्रस्ताव प्राप्त हुये। लेकिन झारखंड सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ।

आरोप : अपराध करने वालों को लूट में छूट देने का काम कर रही है सरकार

राज्य की विधि-व्यवस्था चौपट : डॉ देव शरण भगत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्य में न विधि है न व्यवस्था। सरकार ने अपराधियों के लिए प्रदेश में अनुकूल माहौल बनाया है। आज राज्य में अपराधी सरकारी संरक्षण में फल फूल रहे हैं। सरकार अपराध करने वालों को लूट में छूट देने का काम कर रही है। उक्त बातें पार्टी के मुख्य केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देव शरण भगत ने हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में कही। मौके पर पलामू और गढ़वा विस क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दलों के कई नेताओं और सैकड़ों समाजसेवियों ने ली पार्टी की सदस्यता। पार्टी में शामिल हुए सभी लोगों का शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। पार्टी में शामिल हुए सभी नेताओं का स्वागत करते हुए डॉ देव शरण भगत ने कहा कि आप सब के साथ मिलकर हम झारखंड

को संवारने का काम करेंगे। हमारी पार्टी ने राज्य निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि राज्य बन गया लेकिन हमारे सपनों का झारखंड अब तक नहीं बन पाया इसके लिए हम सभी को मिल कर काम करेंगे। आजसू जनादेश का सम्मान करना जानती है।

उन्होंने जानकारी दी कि अक्टूबर में पार्टी राज्य स्तरीय अधिवेशन का आयोजन करेगी। इसका उद्देश्य है कि राज्य के सभी 32 हजार गांव के प्रतिनिधि शामिल होकर अपनी समस्या और विचारों का आदान प्रदान करें।

पूर्व न्यायाधीश पंकज श्रीवास्तव ने कहा कि हम सभी को संगठित होकर आजसू पार्टी के विचारों और सिद्धांतों को जन जन तक पहुंचाने का काम करना है। साथ ही राज्य सरकार की विफलताओं के बारे में जनता को बताना है।

पूर्व सांसद शम्भू चरण गोडसोर की पुत्री डॉ रीना गोडसोर ने पार्टी की सदयस्ता लेते हुए कहा कि आजसू पार्टी की सकारात्मक सोच से प्रभावित हो कर पार्टी में शामिल हो रही हूं। स्त्री रोग विशेषज्ञ होने के नाते महिलाओं का इलाज करते आ रही हूं, राजनीति में आने के बाद व्यवस्था में व्याप्त बीमारी के इलाज करने का प्रयास करूंगी।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति सह बुद्धिजीवी मंच के संस्थापक डॉ सुरेश प्रसाद सिंह ने कहा कि जहां जवानी का जोश होता है जमाना वहीं आता है। सिर्फ आजसू ही वो पार्टी है जो झारखंड का दिल से विकास करना चाहती है। पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो के पास वो विजन है जिससे इस राज्य का सही विकास हो सकता है।

आजसू नेता बबन सिंह ने कहा कि हमारी पार्टी हमेशा युवाओं और

इन्होंने पार्टी की सदस्यता ली

अधिरंजन तिवारी के नेतृत्व में आरजेडी के बीस सूत्री सदस्य रामाधार ठाकुर, पूर्व युवा कांग्रेस सचिव अनुराग तिवारी, बीएसपी के पूर्व कार्यकारणी सदस्य, जेएमएम नेता मो. सैफ व मो. सकलैन, मोहर्रम इंतेजामिया कमिटी सदर विक्की कुरेशी, रोशन सिंह, मनीष सिंह, प्रकाश साव, उपेंद्र पासवान, अभिमन्यु सिंह, अमित पांडे, रोशन सिंह, सतीश सिंह,मंटू सिंह, राहुल सिंह, चंद्र शेखर कुमार आदि।

छात्रों की आवाज रही है। झारखंड को सवारने की छटपटाहट युवाओं में साफ दिख रही है। मौजूदा सरकार बिल के माध्यम से भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का काम कर रही है। वोट की चोट देंगे हम। राज्य के विकास के लिए हम कोई भी बलिदान देने के लिए तैयार है।

ट्रेनों का तेलो स्टेशन पर प्रयोगिक ठहराव

रांची। रेल मंत्रालय ने ट्रेन संख्या 13319/13320 दुमका - रांची-दुमका एक्सप्रेस एवं ट्रेन संख्या 18625/18626 पूर्णियाकोर्ट - हटिया- पुर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस ट्रेन का धनबाद मंडल के तेलो स्टेशन पर प्रयोगिक तौर पर ठहराव सुनिश्चित किया गया है। ट्रेन संख्या 13319 दुमका - रांची एक्सप्रेस ट्रेन यात्रा प्रारम्भ दिनांक 06/08/2023 से तेलो स्टेशन पर आगमन 09:42 बजे एवं प्रस्थान 09:44 बजे होगा। वहीं ट्रेन संख्या 13320 रांची-दुमका एक्सप्रेस ट्रेन यात्रा प्रारम्भ दिनांक 06/08/2023 से तेलो स्टेशन पर आगमन 16:23 बजे एवं प्रस्थान 16:25 बजे होगा। ट्रेन संख्या 18625 पूर्णियाकोर्ट - हटिया एक्सप्रेस ट्रेन यात्रा प्रारम्भ दिनांक 06/08/2023 से तेलो स्टेशन पर आगमन 17:17 बजे एवं प्रस्थान 17:19 बजे होगा।

पांचवीं सोमवारी को शिवालय में उमड़ी भीड़

रांची। सावन माह की पांचवी सोमवारी पर पहाड़ी मंदिर में सुबह से ही शिव भक्तों का भीड़ देखी गयी। सुबह प्रात: 3:30 बजे सरकारी पूजा-अर्चना के बाद पट खोल दिया गया। वहीं शाम 5:00 बजे के बाद बाबा का श्रृंगार किया गया। श्रृंगार आरती के बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। राजधानी के अन्य शिवालयों में भी भक्तों की भीड़ देखी गई।

चेक बाउंस मामला : अभिनेत्री अमीषा पटेल की ओर से मांगा गया समय

रांची। चेक बाउंस में आरोपी अभिनेत्री अमीषा पटेल से जुड़े मामले में सोमवार को न्यायिक दंडाधिकारी डीएन शुक्ला की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान उनके अधिवक्ता ने प्रार्थी के गवाह की जिरह के लिए समय की मांग की। प्रार्थी के अधिवक्ता बिजय लक्ष्मी श्रीवास्तव ने कहा गवाह दो निर्धारित तारीख से आ रहा है। गवाह को डिस्चार्ज किया जाये। अदालत ने प्रार्थी के अधिवक्ता का अनुरोध को स्वीकार करते हुए गवाह को डिस्चार्ज कर दिया। मामले की अगली सुनवाई की तारीख 28 अगस्त निर्धारित की। अगली निर्धारित तारीख को प्रार्थी की ओर से गवाह नंबर दो को प्रस्तुत किया जायेगा।

एरिया कमांडर लंबू फिर से चकमा देकर हुआ फरार

खूंटी पुलिस ने पीएलएफआइ के पांच नक्सलियों को धर दबोचा

खबर मन्त्र ब्यूरो

नक्सलियों की गिरफ्तारी की जानकारी देती पुलिस।

रांची/खूंटी। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे झारखंड पुलिस के सर्च अभियान में खूंटी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सीआरपीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने मुरहू के जाते जंगल से हथियार के साथ पीएलएफआई के पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलियों में बोयार सिंह पूर्ति, सामू मुंडा, गोपाल बोडोदिंयार, कानू हेब्रम और मिखाइल हपदगडा शामिल हैं।

क्या- क्या किया बरामद : पुलिस ने मौके से एक देसी कट्टा, पांच गोली, पीएलएफआई का पांच पर्चा, दो चंदा रसीद, लेवी के दस हजार रुपये, छह मोबाइल फोन एवं तीन मोटरसाइकिल भी बरामद किया है। गिरफ्तार गोपाल बोडोदिंयार के खिलाफ नक्सली हिंसा के कई मामले मुरहू व बंदगांव थाने में दर्ज हैं।

खूंटी एसपी अमन कुमार ने कहा कि चाईबासा जिले के बंदगांव का एरिया कमांडर दीपा बोदरा उर्फ राडुंग बोदरा उर्फ लंबू लगातार मुरहू सायको और अड़की इलाके में आतंक मचाए हुए था। लंबू मुरहू इलाके में घुसकर संवेदकों और व्यापारियों से लेवी वसूलने का कार्य कर रहा था।

खदेड़ कर किया गिरफ्तार: पुलिस कप्तान ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि लंबू सदस्यों के साथ दोबारा मुरहू इलाके में आया है। इस बार डीएसपी अमित कुमार व सीआरपीएफ के सहायक समादेष्टा राजेन्द्र सिंह के अलावा मुरहू व सायको पुलिस की एक टीम के द्वारा जंगल में अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लंबू पुलिस को देखते ही भाग निकला लेकिन उसके दस्ते के सदस्यों को पुलिस ने खदेड़ कर गिरफ्तार कर लिया।

एसपी ने कहा कि लंबू ठेकेदारों और बाजार हाट करने वाले सभी व्यवसायियों से लेवी वसूली कर संगठन को मजबूत करने में लगा हुआ है। उन्होंने बताया कि संगठन के खिलाफ अभियान जारी है। कप्तान ने कहा कि जल्द ही लंबू पुलिस की गिरफ्त में होगा।

छापेमारी टीम में खूंटी डीएसपी अमित कुमार, सीआरपीएफ 94 बटालियन के सहायक समादेष्टा बीराजेन्द्र सिंह, मुरहू थाना प्रभारी चुडामणि टुडू, सायको थाना प्रभारी रितेश कुमार महतो, पुअनि दिगम्बर पाण्डेय, विष्णु कुमार, सुशांत सुण्डी, हवलदार लखी कुजूर, 212 कुंवर मुण्डा, सशस्त्र बल मुरहू व सायको थाना के जवान शामिल थे।

खबर एक नजर में

मनी लांड्रिंग : पशुपति यादव पर आरोप तय

रांची। लाउंड्रिंग करने के आरोप में जेल में बंद पंकज मिश्रा के फरार सहयोगी आरोपी राजेश यादव उर्फ दाहू यादव के पिता पशुपति यादव पर सोमवार को आरोप तय कर दिया गया। सोमवार को ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में आरोप गठन के बिंदु पर सुनवाई हुई। अदालत ने पूछा कि आप पर अपने बेटे दाहू यादव की अवैध कमाई को खपाने का आरोप है। यह कमाई अवैध खनन से होता था। इस पर आरोपी ने कहा कि यह गलत आरोप है। मामले में निर्दोष है। इसके बाद अदालत ने आरोप गठित किया। साथ ही, मामले में ईडी को सबूत पेश करने का निर्देश दिया। इसके लिए अदालत ने 21 अगस्त की तारीख निर्धारित की है।

ऊर्जा विभाग के मुख्य अभियंता बने अगम प्रसाद

रांची। अदम प्रसाद ने उर्जा विभाग के मुख्य अभियंता सह विद्युत निरीक्षक का पदभार सोमवार को प्रोजेक्ट भवन स्थित ऊर्जा विभाग में संभाल लिया। वहीं प्रमोद कुमार डोरंडा नेपाल हाउस परिसर में विद्युत अधीक्षण अभियंता, विद्युत कार्यप्रमंडल रांची में पदभार ग्रहण किया। इन दोनों अफसरों को प्रमोशन मिला था जबकि जयकांत कुमार ने विद्युत निरीक्षक का अतिरिक्त प्रभार डोरंडा नेपाल हाउस में ग्रहण किया।

रणविजय सिंह को एटीएस ने किया गिरफ्तार

रांची। झारखंड एटीएस ने रांची पुलिस के सहयोग से बिट्टू खान हत्याकांड में शामिल अपराधी रणविजय सिंह को गिरफ्तार किया है। धनबाद के रहने वाले रणविजय सिंह को एटीएस ने रांची के लालपुर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार रणविजय, लवकुश शर्मा गिरोह के सदस्य बिट्टू खान उर्फ तनवीर की मोरहाबादी में हुई हत्या में शामिल था। साथ ही धनबाद के बरवड्डा थाना क्षेत्र में गोली चलाने का भी आरोपी था।

भाजपा ने बुनकरों को किया सम्मानित

रांची। भाजपा महिला मोर्चा ने सोमवार को तिरिल आश्रम के खादी ग्राम उद्योग के बुनकरों को सम्मानित किया। दरअसल, सोमवार को पूरे देश में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी नीति को सफल बनाने के लिए तथा भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए महिला मोर्चा ने बुनकरों को सम्मान प्रदान किया। खादी ग्राम उद्योग के बुनकरों को सम्मान कार्यक्रम प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष आरती कुजूर के नेतृत्व में किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक रेणुका मुर्मू के सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया गया। कार्यक्रम में मंजू लता दुबे, डॉक्टर सीमा सिंह, रेणु तिर्की, रीता शर्मा, नीलम चौधरी,रंजीता सिंह, सुचिता सिंह, लवली गुप्ता, बबीता वर्मा, रेखा महतो, अमिता भाटिया, रीता छेत्री, रागनी सिन्हा, पुनीता राय, जयश्री इंदवार, मंजू सिंह, माधुरी, मालती सिंह, अनु राय, अरुणा, सुलेखा, नीलम चौबे, किरण, डॉली जयसवाल थी।

राहुल गांधी को लेकर कांग्रेस ने बांटी मिठाई

रांची। राहुल गांधी की संसद सदस्यता फिर से बहाल होने की खुशी में झारखंड कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आतिशबाजी के साथ एक-दूसरे को मिठाइयां खिला कर शुभकामनाएं दी। राजेश ठाकुर ने कहा कि जिस तरह से देश की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ राहुल गांधी मुखर हुए थे उससे आहत होकर साजिश के तहत उनकी लोस सदस्यता समाप्त कराई गई थी। उन्होंने कहा कि सत्य की जीत हुई है और असत्य और अहंकार की हार हुई है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय से राहुल गांधी को न्याय मिला है। जनहित के मुद्दे पर फिर शेर रूपी राहुल की दहाड़ लोकसभा में गूंजेगी।

न्यूक्लियस मॉल मामले में विष्णु अग्रवाल के केस की क्या है वर्तमान स्थिति : हाइकोर्ट

रांची। लालपुर स्थित न्यूक्लियस मॉल का प्लान गलत ढंग से स्वीकृत किए जाने, पार्किंग स्पेस की कमी, सिनेमा हॉल एवं विमेंस कॉलेज से 200 यार्ड से कम की दूरी रहने आदि को लेकर दाखिल पंकज कुमार यादव की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में सोमवार को हुई। मामले में कोर्ट ने ईडी से न्यूक्लियस मॉल के मालिक विष्णु अग्रवाल के खिलाफ ईडी में चल रहे मामले की वर्तमान स्थिति (स्टेटस रिपोर्ट) मांगी है। इसके अलावा सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान प्रतिवादी संख्या 9 यानी विष्णु अग्रवाल की पत्नी की ओर से वकालतनामा दाखिल करने के लिए समय की मांग की गई। कोर्ट ने मामले में सुनवाई की अगली तिथि 11 सितंबर निर्धारित की है। दरअसल, प्रार्थी की ओर से याचिका दाखिल कर कहा गया है कि लालपुर में जो न्यूक्लियस मॉल बना है वह गलत ढंग से बना है। न्यूक्लियस मॉल जिस जमीन पर बनी है उसमें कुछ सरकारी जमीन का कब्जा कर उसका व्यवसायिक उपयोग हो रहा है। न्यूक्लियस मॉल नियमों के अनुकूल नहीं बना है।

नये वोटर्स को लेकर होगा हाउस टू हाउस सर्वे

रांची। नये मतदाताओं को चिन्हित करने के लिए जिला प्रशासन कि ओर से अब हाउस टू हाउस सर्वे शुरू किया जाएगा। डीसी रांची राहुल कुमार सिन्हा ने सभी बीएलओ घर-घर मतदाता सूची का सत्यापन का कार्य सात दिन के अंदर पूरा करने को कहा है। नए मतदाता जिनकी आयु 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही हैं। मतदाता सूची में अपना नाम प्रपत्र-6 के माध्यम से पंजीकरण कराने को कहा। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रांची ने बैठक कर सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी बूथ लेबल ऑफिसर द्वारा घर-घर जा कर सत्यापन पर तेजी लाएं जिसकी क्लोज मॉनिटरिंग संबंधित सभी पदाधिकारी करें एवं हाउस सर्वे का कार्य जल्द से जल्द पूरा करें।

बनहोरा मैदान में कल प्रदेश कांग्रेस की जनसभा

रांची। विश्व आदिवासी दिवस मनाने की तैयारी को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमिटी की बैठक सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के दिन राजधानी रांची स्थित पंडरा बनहोरा मैदान में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में जनसभा का आयोजन किया जाएगा। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने तमाम लोगों को निर्देश दिया कि अपने-अपने स्तर से तमाम पदाधिकारी एवं जिलाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि कार्यक्रम की व्यापकता और उसकी भव्यता हो। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने बताया कि इसके साथ ही साथ 9 अगस्त को आरक्षित विधानसभा क्षेत्रों में संरक्षण प्रतिभा, मशाल मार्च, राष्ट्र के इतिहास और विकास में आदिवासी नेताओं का योगदान को सम्मान देने के लिए श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया जाएगा। बैठक में प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा, अमुल्य नीरज खलखो, मदन मोहन शर्मा, अजय नाथ शाहदेव, रमा खलखो, सतीश पॉल मुंजनी, नेली नाथन, बेलस तिर्की, डॉ कुमार राजा, निरंजन पासवान, जगदीश साहु, सुन्दरी तिर्की, संजय कुमार, अजय सिंह, शहनाज खातून, जमील अख्तर, मीनू सिंह, अजय साहू, किशोर नायक, गौरव सिंह, अमन, साहबिर लोहरा, रश्मि पिंगुवा समेत कई नेता थे।

झारखंड आदिवासी महोत्सव की तैयारी अंतिम दौर में, डीडीसी ने किया निरीक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची में विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित किए जाने वाले आदिवासी महोत्सव-2023 को लेकर तैयारी अंतिम दौर में है। सोमवार को उप विकास आयुक्त, रांची दिनेश यादव ने कार्यक्रम स्थल जेल चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान संग्रहालय पहुंचकर जायजा लिया। इस दौरान अपर सचिव आदिवासी कल्याण अजयनाथ झा, निदेशक आईटीडीए सुधीर बाड़ा, जिला कल्याण पदाधिकारी रांची संगीता शरण, जिला पंचायती राज पदाधिकारी वीरेंद्र चौबे, इवेंट मैनेजमेंट टीम के सदस्य एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। उप विकास आयुक्त दिनेश यादव ने अधिकारियों को तैयारी से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जनजातीय वाद्ययंत्रों की मधुर धुन पर थिरकेगा झारखंड

रांची। जहां चलना नृत्य और बोलना संगीत हो। उस धरा में 32 जनजातीय के वाद्ययंत्रों की अविस्मरणीय गूंज के हम सभी साक्षी बनेंगे। रीझ रंग रसिका रैली में जब पारंपरिक वेशभूषा में मांदर की थाप पर कदम थिरकेंगे, तब पूरा झारखंड थिरकेगा। वाद्ययंत्रों का संगम झारखंड आदिवासी महोत्सव का आगाज करेगा। झारखंड आदिवासी महोत्सव में रीझ रंग रसिका रैली मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा। 09 अगस्त को 12 बजे अपराह्न रैली धुमकुड़िया भवन, करमटोली चौक से बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान के लिए प्रस्थान करेगी। रैली में झारखंड के 32 विभिन्न जनजातीय वाद्ययंत्रों के संगम होगा।

नौ साल के बच्चे को सरायकेला से अपहरण कर रांची में बनाया था बंधक, धुर्वा से अपहर्ता धराये

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची/सरायकेला। सरायकेला पुलिस ने रांची पुलिस की मदद से नौ वर्षीय बच्चे के अपहरण के मामले पुलिस ने धुर्वा इलाके के मौसीबाड़ी से आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मनपुरन मलार है। पुलिस ने नाबालिग को भी बरामद कर लिया है। आरोपी ने ईचागढ़ इलाके के मिलन चौक से 25 जुलाई 2023 को नौ साल के बच्चे का अपहरण कर लिया था। इस पूरे मामले की पुष्टि चांडिल अनुमंडल के एसडीपीओ संजय कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एसडीपीओ संजय कुमार सिंह ने कहा कि 25 जुलाई 2023 को यह घटना हुई थी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ईचागढ़ थाना प्रभारी गौरव कुमार मिश्रा के नेतृत्व में एक जांच टीम का गठन किया गया था।

बच्चे को किया गया बरामद : उन्होंने बताया कि टीम ने जांच करते हुए तकनीकी पहलुओं की मदद से अपहरण करने वाले व्यक्ति मनपूरन मलार को ढूंढ निकाला। उसकी निशानदेही पर बालक को रांची में उसके घर से सकुशल बरामद कर लिया गया। पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार अभियुक्त ने अपना दोष स्वीकार कर लिया है। पुलिस को अपराधी ने बताया कि उसने 25 जुलाई 2023 को दोपहर में बालक को अपने टेंपू में बैठाकर अगवा कर लिया था। पुलिस ने इस कांड में इस्तेमाल किए गए टेंपू को भी बरामद कर लिया है।

एनआइए टेरर फंडिंग मामले में आनंद पासवान से करेगी पूछताछ

रांची। झारखंड में टेरर फंडिंग मामले की जांच कर रही एनआईए माओवादियों के मगध जोन के प्रमुख रहे 25 लाख के इनामी पूर्व में गिरफ्तार प्रद्युमन शर्मा के खास सहयोगी आनंद पासवान से पूछताछ करेगी। अदालत की अनुमति के बाद एनआईए ने दोनों को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार से पूछताछ के लिए अपने कब्जे में ले लिया है। यह पूछताछ 10 अगस्त तक की जायेगी। आनंद पासवान से एनआईए पूर्व में भी पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ कर चुकी है। जबकि, विजय कुमार आर्य को एनआईए ने दो अगस्त को पटना के बेऊर जेल से ट्रांसजिट रिमांड पर लेकर आई है। वर्तमान में वह बीएमसी होटवार में बंद है। आनंद पासवान बिहार के अरवल जिले के किंजर थाना क्षेत्र के निरखपुर का रहनेवाला है।

सेना की मुश्किलें, जब्त जमीन के लिए फिर से पेश करना होगा दावा

भानु ने इडी को बताया- रांची के कई जमीन माफिया और नेता को कारोबार में की मदद

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बरियातू रोड स्थित सेना की जमीन अवैध तरीके से खरीद बिक्री के मामले और चेशायर होम रोड स्थित जमीन को लेकर बड़गाईं अंचल के पूर्व सीआई भानुप्रताप प्रसाद ने इडी के समक्ष सनसनीखेज खुलासा किया है। भानुप्रताप प्रसाद ने कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान रांची के कई बड़े जमीन करोबारी व नेताओ की मदद की है। भानुप्रताप प्रसाद के इस खुलासे के बाद वैसे जमीन कारोबारी जिनकी मदद भानु प्रताप प्रसाद ने की है। उनकी सांसे फूलने लगी है। बताया जा रहा है कि मदद लेने वाले जमीन कारोबारी अधिवक्ता की शरण भी ले रहे हैं।

इधर, कारोबारी विष्णु अग्रवाल के द्वारा पूछताछ के बाबत विष्णु अग्रवाल ने अपनी गलती को स्वीकार किया है। जांच में इस बात का खुलासा हुआ था कि सेना के द्वारा भू अर्जन कर अधिग्रहित की गई जमीन की रजिस्ट्री विष्णु अग्रवाल ने अपने नाम करायी थी। जमीन पर पोजिशन नहीं होने के बाद भी अफसरों की मिलीभगत से जमीन का म्यूटेशन करा लिया गया था। रजिस्ट्री और म्यूटेशन दोनों ही विष्णु अग्रवाल के नाम हो जाने के कारण सेना की जमीन का रिकार्ड ही बदल गया। इडी के द्वारा जमीन को जब्त करने के बाद अब सेना को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि सेना को अब उस जमीन पर दावा पेश करने के लिए फिर से पत्राचार करना पड़ेगा।

लीज का फर्जी पेपर बनाया

इडी ने जांच में पाया है कि सेना और जमीन के पूर्व मालिक के बीच एक लीज का फर्जी पेपर बनाया गया था। लीज खत्म होने का दावा करते हुए जमीन के पूर्व मालिक के वंशज महुआ मित्रा और संजय घोष से गलत तरीके से रजिस्ट्री करायी गई। डीड में 15 करोड़ का भुगतान दिखाया गया लेकिन भुगतान भी महज तीन करोड़ का ही हुआ। इस तरह इडी ने जमीन की डील में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला भी पाया है।

महानगर अल्पसंख्यक कांग्रेस ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। महानगर कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष अख्तर अली के नेतृत्व में सोमवार को राष्ट्रपति के नाम आयुक्त दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल को ज्ञापन सौपा गया। ज्ञापन के माध्यम से मणिपुर राज्य में विगत तीन महीनों से जारी जातीय हिंसा और हरियाणा में सांप्रदायिक दंगे पर हस्तक्षेप करते हुए हिंसा पर रोक लगाने एवं शांति व्यवस्था बहाल करने तथा तत्काल मणिपुर, हरियाणा सरकार को बर्खास्त करने की मांग की गयी है। ज्ञापन में कहा गया है कि मणिपुर राज्य विगत 3 मई 2023 से जातीय हिंसा की आग में जल रहा है। बावजूद केंद्र सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। जातीय हिंसा के कारण सैकड़ों आम नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी एवं हजारों की संख्या में अल्पसंख्यक, ईसाई समुदाय राहत शिविरों में रहने को विवश हैं। हरियाणा सरकार कार्रवाई नहीं होना कई सवालों का जन्म देता है। महानगर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने राष्ट्रपति से मांग की है कि मणिपुर और हरियाणा की सरकार को अविलम्ब बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगायें। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से हुसैन खान,गुलाम रब्बानी, वारिश कुरैसी, परवेज खान, मो. सफर, फिरोज अंसारी, रमजान अंसारी, फिरोज आलम थे।

राज्य गठन के बाद सिर्फ रांची में ही 1780 से ज्यादा लोगों की जमीन विवाद में हुई हत्या

राजधानी रांची में जानलेवा हुआ जमीन का कारोबार धंधे में वर्चस्व और अपराधीकरण से बढ़ा खून खराबा

सत्येन्द्र

रांची। जमीन कारोबार को लेकर राजधानी रांची की जमीन अब रक्तरंजित हो रही है। जमीन कारोबार में अपराधियों के दखल बढ़ने से हत्या का सिलसिला रूकने का नाम नहीं ले रहा है। विगत 26 जलाई को जमीन कारोबार से जुड़े समाजिक कार्यकर्त्ता एवं माकपा नेता सुभाष मुंडा की हत्या दलादली चौक पर स्थित उसके कार्यालय में अज्ञात अपराधियों ने कर दी उससे रांची पुलिस की चिंता बढ़ गई। पुलिस के लाख प्रयास के बावजूद जमीन कारोबार से जुड़े लोगों की हत्या करने में अपराधी संकोच नहीं कर रहे हैं। वहीं हत्या के बाद पुलिस भी हत्यारों को पकड़ने में विफल साबित हो रही है। हालांकि राजधानी में रांची में जमीन को लेकर खूनी संघर्ष कोई नई बात नहीं है। आए दिन किसी ना किसी को जमीन की वजह से अपनी जान गंवानी पड़ती है। जमीन कारोबार का अपराधीकरण इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह है। खासकर जब से जमीन के धंधे में नए क्रिमिनल्स और हिस्ट्रीशीटरों का दखल शुरू हुआ था इससे जमीन का कारोबार और भी रक्त रंजित हो गया।

इस कारोबार में पुलिस का संरक्षण भी जमीन माफियाओं को लगातार मिलता रहा है जिस वजह से समय-समय पर पुलिस की भी बदनामी हुई है। आंकड़े बताते हैं कि राज्य बनने के बाद सिर्फ राजधानी रांची में ही 1 हजार सात सौ 80 से ज्यादा लोगों की हत्या सिर्फ जमीन विवाद में हुई है।

बड़े अपराधी जुड़े जमीन के धंधे में

राजधानी में जमीन को लेकर खून खराबा के पीछे बड़ी वजह जमीन के धंधे में बड़े अपराधियों का शामिल होना है। अपराधियों ने जमीन के धंधे को अपना पेशा बना लिया है। हर छोटे बड़े अपराधी अब जमीन के धंधे में पांव पसार रहे हैं। कुख्यात से लेकर छूटभैये अपराधी जेल से छूटकर जमीन के धंधे में जुड़ रहे हैं। कुख्यात अपराधी जमीन पर अपना व्यवस्थित ढंग से प्रोजेक्ट भी चला रहे हैं। कई तो पुराने अपराधिक इतिहास का फायदा उठाकर जमीन माफिया के लिए जमीन कब्जा करने का काम कर रहे हैं।

अपराधियों का चल रहा जमीन का प्रोजेक्ट

राजधानी में कुख्यात अपराधियों का जमीन के धंधे से संबंधित प्रोजेक्ट भी खूब फल फूल रहा है। कुख्यात लव कुश शर्मा, संदीप थापा, बिट्टू मिश्रा, गेंदा सिंह, अमन साव, श्रीवास्तव गिरोह, अनिल शर्मा गिरोह, डब्लू सिंह गिरोह के साथ साथ जेल में बंद कई बड़े अपराधी भी जमीन का धंधा कर रहे हैं। स्पेशल ब्रांच की रिपोर्ट के अनुसार कुख्यात बिट्टू मिश्रा, संदीप थापा, लव कुश शर्मा का रांची के चान्हो, नगड़ी, पंडरा, रातू, धुर्वा, जगन्नाथपुर, तुपुदाना, डोरंडा, चुटिया, नामकुम, लोअर बाजार, सदर, लालपुर, खेलगांव, मेसरा, कोतवाली, बरियातू, हिंदपीढ़ी, कांके, गोंदा सहित अन्य इलाकों की जमीन के धंधे में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं। जबकि जेल में बंद गेंदा सिंह की जमीन कांके रोड और हटिया इलाके में है। गैंगस्टर सुजीत सिन्हा हटिया, कांके के संग्रामपुर, रातू और नगड़ी इलाके की जमीनों पर सक्रिय है। इधर पुलिस अपराधियों पर नकेल कसने के लिए वैसी सभी विवादित जमीन जिनकी वजह से भविष्य में कोई घटना घट सकती है थाना स्तर से उसका डाटा भी तैयार कराया था और विभागों को पुलिस ने पत्र लिखकर ध्यान भी आकृष्ट करवाया था। ताकि विभाग की तरफ से ही मामले का निपटारा हो जाए। बावजूद राजधानी पुलिस को जमीन कारोबार से जुड़े लोगों की हत्या रूकी नहीं और हत्याओं का दौर लगातार जारी रहा।

हत्या के पीछे कौन, पता लगायेगी पुलिस

पुलिस की मानें तो अक्सर जमीन विवाद के पीछे सिर्फ दो पक्ष ही नहीं होता है एक तीसरा व्यक्ति भी होता है जो जमीन माफिया होता है या फिर सफेदपोश। ऐसे लोग जमीन पर कब्जे के लिए दोनों पक्षों को बरगला कर अपना काम निकालते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि हर हत्या के बाद पुलिस सक्रिय तो जरूर होती है। जमीन माफियाओं पर नकेल कसने की भी बात कहती है। पुलिस यह भी कहने में संकोच नहीं करती कि थाना स्तर से जमीन माफियाओं की सूची तैयार की जा रही है, जिसके बाद उन पर सीसीए के तहत कार्रवाई की जाएगी। रांची पुलिस वैसे जमीन माफिया जिनपर जघन्य अपराधिक मामला दर्ज है उन्हे जिलाबदर करने की बात कहती है। पुलिस की यह कार्रवाई सिर्फ कहने के लिए होती है। घटना की आग शांत होते ही पुलिस भी चुप बैठ जाती है। जिससे अपराधियों के मनोबल पर असर नहीं होता।

तेजस्विनी कर्मचारी संघ का प्रदर्शन, सीएम के प्रधान सचिव से वार्ता के बाद आंदोलन स्थगित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड राज्य तेजस्विनी कर्मचारी संघ के सदस्यों ने पांच सूत्री मांगों के समर्थन में 7 अगस्त को राजधानी रांची में जोरदार प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के लिए जुलूस जयपाल सिंह स्टेडियम से निकाला। इसमें राज्य के 17 जिलों से करीब 8 हजार महिलाएं, 2 हजार पुरुष कर्मचारी शामिल हुए। इसका नेतृत्व झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह कर रहे थे। जुलूस मुख्यमंत्री आवास कर तरफ जा रहा था। हालांकि राजभवन पहुंचते ही जिला एवं पुलिस प्रशासन ने उसे रोक दिया। रोकने के बाद वहीं सड़क पर सभी महिला-पुरुष कर्मचारी अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करने लगीं। प्रदर्शन के समक्ष प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी ने सरकार से वार्ता के लिए मुख्यमंत्री सचिवालय कार्यालय 11 सदस्यीय टीम को ले गए। वहां मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव वंदना दादेल से तीन सदस्यीय शिष्टमंडल की वार्ता हुई। महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह, संघ के अध्यक्ष आशीष विजय एवं ज्योति वर्मा ने प्रधान सचिव से वार्ता की। संघ के अध्यक्ष द्वारा मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया। प्रधान सचिव ने शिष्टमंडल से कहा कि ज्ञापन मुख्यमंत्री के पास विचार के लिए भेज दिया जाएगा। आप निश्चिंत रहे, आंदोलन खत्म करें। उनके अनुरोध पर आंदोलन स्थगित कर दिया गया।

महिलाओं ने कहा- नौकरी नहीं, तो वोट नहीं

2017 में रामगढ़ और दुमका से शुरू की गयी थी परियोजना

2017 में रामगढ़ और दुमका से प्रोजेक्ट पाइलट के माध्यम से यह परियोजना शुरू किया गया था। इसके तहत 14 से 25 साल की किशोरियों को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार देना लक्ष्य है। साथ ही किशोरियों और गर्भवती महिलाओं पर भी ध्यान देना है, ताकि कुपोषण दर में कमी लायी जा सके। इस परियोजना के तहत जिन किशोरियां ने मैट्रिक की परीक्षा नहीं दी है, उन्हें मैट्रिक की परीक्षा भी दिलानी है।

10 हजार कर्मचारियों का भविष्य खतरे में : सुनील साह

झारखंड अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के महामंत्री सुनील साह ने कहा कि हम एक घंटा से प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलन करने से 15 दिन पहले सरकार को चिट्ठी भी लिखा गया है। संघ का कहना है कि अवधि विस्तार नहीं होने से 10 हजार कर्मचारियों का भविष्य खतरे में है। राज्य के 17 जिलों के कर्मचारियों को बेरोजगार करने का प्रयास किया जा रहा है। आशीष विजय ने कहा कि 2017 में रायगढ़ और दुमका से प्रोजेक्ट पाइलट के माध्यम से तेजस्विनी परियोजना शुरू किया गया था। कर्मचारियों को नौ महीने से वेतन नहीं मिल रहा है। कर्मचारी 2017 से महिलाओं और किशोरियों को सशक्त करने का काम कर रहे हैं। कोरोना काल में भी उन्होंने काम किया. महिलाओं को जागरूक करने के लिए आज भी काम किया जा रहा है।

अब नोटिस बोर्ड पर लगेंगे सरकारी स्कूलों में बेहतर उपस्थिति और सुंदर हैंडराइटिंग वाले छात्रों के नाम

राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में जल्द देखने को मिलेंगे तीन बदलाव, जेइपीसी का फैसला

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में जल्दी ही तीन बदलाव देखने को मिलेंगे। इस बदलाव को लेकर राज्य परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी ने सभी जिले के शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश जारी कर दिया है। यह बदलाव स्कूल में लगे नोटिस बोर्ड से जुड़ा हुआ है। जिन स्कूलों में नोटिस बोर्ड है, उन्हें दुरुस्त करने और जहां नहीं है, वहां लगाने को कहा गया है। सभी स्कूलों को 30 सितंबर तक यह काम पूरा कर लेने को कहा गया है। स्कूल के नोटिस बोर्ड पर हर कक्षा में प्रथम स्थान लानेवाले छात्र-छात्राओं, खेलकूद या स्कूलों की अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले छात्र-छात्राओं के नाम के साथ-साथ उनकी फोटो भी लगेगी। वहीं, स्कूलों में अच्छी उपस्थिति और सुंदर हैंडराइटिंग वाले छात्र-छात्राओं के नाम और उनकी लिखी हुई चीजें भी सार्वजनिक की जायेंगी। इसके लिए स्कूलों के नोटिस बोर्ड या स्कूल की दीवारों का उपयोग किया जा सकता है।

शिक्षक, बाल संसद और प्रबंधन समिति के सदस्यों के लगेंगे फोटोग्राफ : भेजे गये निर्देश में कहा गया है कि अब नोटिस बोर्ड में स्कूलों के शिक्षक, बाल संसद और प्रबंधन समिति के सदस्यों के फोटोग्राफ भी नाम के साथ लगायें। इस फोटो और नाम लगाने के पीछे का मकसद है कि जब भी निरीक्षण होगा या स्कूल में जो भी लोग आयेंगे, वे इसे देख सकेंगे।

क्यों किये जा रहे यह बदलाव

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मुताबिक स्कूलों में उपलब्धियों के साथ-साथ प्रतिभावान बच्चों की तस्वीरें लगाने पर दूसरे बच्चों में प्रतियोगिता की भावना जागृत होगी। प्रथम स्थान पर आनेवाले छात्र-छात्राओं, खेलकूद, उपस्थिति, हैंडराइटिंग समेत अन्य गतिविधियों में बेहतर करनेवाले छात्रों की फोटो और नाम देखने पर दूसरे बच्चे भी इसके लिए प्रेरित होंगे।

13 अगस्त को मनाया जायेगा पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस

राष्ट्रीय सेमिनार का भी आयोजन

रांची। साईं पुस्तकालय में सोमवार को झारखंड सूचना और पुस्तकालय संघ की बैठक हुई। इसमें आगामी 13 अगस्त को सर्ड ऑडिटोरियम में पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस और राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। भारत में पुस्तकालय आंदोलन और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के जनक डॉ. एसआर रंगनाथन की जयंती पर संघ एवं सर्ड के संयुक्त तत्वाधान में यह कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान से संबंधित प्रोफेशनल, छात्र-छात्राएं, शिक्षक, लाइब्रेरियन आदि भाग लेंगे। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 10 अगस्त से सर्ड एकेडमिक कैंपस, डीएवी स्कूल हेहल (जुनियर विंग) में शुरू होगी।

इन विषयों पर होगी चर्चा

इस कार्यक्रम में डॉ एसआर रंगनाथन के पुस्तकालय विज्ञान में योगदान, समाज में पुस्तकालयों की भूमिका और पुस्तकालय व सूचना सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विचार-मंथन किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश सिंह, विशिष्ट अतिथि कर्नल डॉ. राजेश कुमार, रजिस्ट्रार, झारखंड रक्षा शक्ति विनिः व संसाधन वक्ता प्रो. बीके सिन्हा, रांची विवि के प्रोफेसर और जीआईटी मेसरा शामिल होंगे। बैठक में अनिल सिन्हा, संजय कर्ण, शंभू राज उपाय, रावेन कुमार, प्रेम प्रकाश, डॉ. गणेश कुमार और शालिनी मौजूद थीं।

डीएसपीएमयू में छात्रों ने रोकी सीनेट की बैठक

छात्र संगठनों ने किया बिना संघ चुनाव के होनेवाले सीनेट का विरोध

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में सोमवार को सीनेट की बैठक आयोजित की गयी थी। हालांकि पूर्व ही छात्र संगठन इसका विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि बिना छात्र संघ चुनाव हुए सीनेट की बैठक नहीं होने देंगे। बावजूद इसके डीएसपीएमयू के वीसी ने सीनेट की बैठक कॉल की। बैठक में हिस्सा लेने सोमवार को सीनेटर भी पहुंचे। परंतु छात्रों के विरोध के कारण वीसी को बैठक टालनी पड़ी। छात्रों का कहना था कि विश्वविद्यालय प्रशासन बगैर निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों के सीनेट कैसे करा सकता है? यह गलत है। यूजीसी के नॉर्म्स में यह प्रावधान है कि निर्वाचित छात्र ही सीनेट की बैठक में हिस्सा ले सकते हैं परंतु विश्वविद्यालय प्रशासन हड़बड़ी में बिना राज्यपाल की अनुमति के बिना ही सीनेट की बैठक आयोजित कर रही थी। विश्वविद्यालय प्रशासन खुद से नामित छात्रों को सीनेट में शामिल कराकर बैठक करना चाह रही थी, ताकि सीनेट की सभी मुद्दों पर वे छात्र विश्वविद्यालय प्रशासन की हां में हां मिला दें और विवि का काम निकल जाये। वीसी की काफी मिन्नतों के बाद भी छात्र नहीं माने और विवि को बैठक चालनी पड़ी।

छात्रों की अनदेखी कर होने वाले हर बैठक का होगा विरोधः आजसू

अखिल झारखंड छात्रसंघ के विश्वविद्यालय प्रभारी अभिषेक झा के नेतृत्व में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में होने वाली सीनेट की बैठक का जोरदार तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि छात्र छात्राओं की अनदेखी कर होने वाली हर बैठक का आजसू जोरदार विरोध करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन मनमानी तरीके से सभी राशि को खर्च कर रहा है जो गलत है।

मौके पर प्रदेश प्रभारी हरीश कुमार, प्रदेश सचिव ओम वर्मा, चेतन सिंह, राजकिशोर महतो कैलाश महतो, प्रेम, जगत, मुकेश, शंकर, मंजीत, शुशील, आकाश, अशफाक, मन्टु, अंशु, रोशन, सूर्या, हरिओम, प्रसिद्ध, सुमित, सुंधाशु,अभिनव, रिकी, रौनक, लकी, आशु, विशाल, अभिषेक, अनीरूद, नीतीश के अलावा सैकड़ों छात्र उपस्थित थे।

यूनिफॉर्म सिविल कोड के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। यूनिफॉर्म सिविल कोड के विरोध में सोमवार को रांची सहित झारखंड के कई क्षेत्रों में आदिवासी संगठनों के लोग सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों राजधानी के करमटोली चौक को पूरी तरह से जाम कर दिया। इसके कारण शहर के बड़े इलाके में लगभग दो घंटे तक आवागमन अस्त-व्यस्त रहा। वहीं दूसरी ओर रामगढ़ में भी सैकड़ों लोगों ने रांची-पटना रोड को घंटों जाम किए रखा।

दरअसल इस मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद ने भारत बंद का आह्वान किया था। रांची में सैकड़ों आदिवासी स्त्री-पुरुष बारिश के बावजूद सड़क पर उतरे। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन, प्रदर्शनकारियों के आगे उनकी एक न चली। इस वजह से राजधानी के कई प्रमुख सड़कों पर जाम लग गया। करमटोली पर लगभग दो घंटे तक जाम करने के बाद लोगों ने राजभवन तक मार्च किया। प्रदर्शन कर रहे लोग यूनिफॉर्म सिविल कोड के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। बता दें यूसीसी के विरोध में राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद ने चार चरणों में विरोध-प्रदर्शन किया था। पहले चरण में 8 जुलाई को जिला स्तर पर धरना-प्रदर्शन किया गया था। दूसरे चरण में 18 जुलाई को प्रखंड स्तर पर धरना प्रदर्शन और तीसरे चरण में 27 जुलाई को जिला स्तर पर रैलियों का आयोजन किया गया था। वहीं, चौथे चरण में सोमवार को भारत बंद का ऐलान किया गया था। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि अगर यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू हुआ तो आदिवासियों का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। आदिवासियों को संविधान में विशेष दर्जा मिला हुआ है। आदिवासियों की शादी हिन्दू मैरिज एक्ट के तहत नहीं होती है। इनके संबंध-विच्छेद में भी अलग तरीका अपनाया जाता है। आदिवासियों में सामाजिक तौर पर इसका निपटारा होता है।

रांची विश्वविद्यालय में लगी चित्रकला प्रदर्शनी

रांची। फाइन आर्ट विभाग रांची विश्वविद्यालय के द्वारा राज्य स्तरीय चित्रकला प्रदर्शनी सह अवार्ड समारोह का आयोजन सोमवार को मॉस कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन रांची विश्वविद्यसनश के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा, मॉस काम्युनिकेशन के निदेर्शक डॉ वीपी सिंह और सुलभ इंटरनेशनल के बिंदेश्वरी पाठक ने किया। इस मौके पर अतिथियों ने विभाग के द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी की तारीफ की, इस प्रदर्शनी में राजभर के प्रतिभागी शामिल हुए हैं। फाइन आर्ट के क्षेत्र में कुल 25 विधाओं में सम्मानित किया जाएगा 7 अगस्त से16 अगस्त तक चलने वाली इस प्रदर्शनी के अंतिम दिन प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। मौके पर विभाग अध्यक्ष सुजीत कुमार सेन,विवेक दास सहित विभाग के अन्य शिक्षक और छात्र मौजूद थे।

हिंदू सुरक्षा मंच की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

रांची। सोमवार को झारखंड स्मॉल स्केल इंडस्ट्री संघ कोकर में दोपहर हिन्दू सुरक्षा मंच की प्रांतीय बैठक हुई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ ललन कुमार शर्मा ने कहा कि आज हिंदूओं के अस्तित्व पर ही खतरा है। हिन्दू समाज को अपनी सभी सीमाओं को तोड़कर एकजुट एवं संगठित होकर हिन्दू धर्मविरोधियों का प्रतिकार करना पड़ेगा। पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय ने हिंदूओं को एकजुट होकर रहने की आवश्यकता पर बल दिया। चंद्रकांत रायपत ने घर- घर बजरंगी बनाने एवं अपने परंपरागत अस्त्र-शस्त्र की पूजा करने का आह्वान किया। प्रिय मुंडा ने बताया कि सरना धर्म को समाप्त करने के लिये किस प्रकार विदेशी धर्म के लोग लव जिहाद से लेकर लैंड-जिहाद तक का षड्यन्त्र कर रहे हैं। बजरंग चिरानीया ने कोल्हान में धर्म परिवर्तन करने के सारे षड्यंत्रों को उजागर किया। बताया गया कि आज 8 अगस्त को पहाड़ी मंदिर में सामूहिक आरती का शुभारंभ किया जायेगा। साथ ही 20 अगस्त को रांची में हिन्दू सुरक्षा मंच का एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जायेगा। सितंबर माह में सभी प्रमंडलों एवं अक्तूबर माह में सभी जिला केंद्रों पर सभा का आयोजन करने का निर्णय हुआ। कार्यक्रम में मुनचुन राय, अशोक पुरोहित, मुकेश अग्रवाल, कैलाश केसरी, सुजीत सिंह, मुकेश मुक्ता, राधेश्याम केसरी, नीतु सिंह, सुचिता सिंह आदि शामिल हुये।

राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों का लोहरदगा स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रेल मंत्रालय द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि ट्रेन संख्या 12453/12454 रांची - नई दिल्ली - रांची राजधानी एक्सप्रेस एवं ट्रेन संख्या 20407/20408 रांची - नई दिल्ली - रांची राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों का रांची रेल मंडल के लोहरदगा स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर अगले आदेश तक ठहराव दिया गया है।

इन ट्रेनों का लोहरदगा स्टेशन पर समय सारणी निम्नांकित है।

1. ट्रेन संख्या 12453 रांची- नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन, यात्रा प्रारम्भ दिनांक 13/08/2023 से अगले आदेश तक लोहरदगा स्टेशन पर ठहराव होगा। इस ट्रेन का लोहरदगा स्टेशन पर (दिनांक-13/08/2023 से) आगमन 18:10 बजे एवं प्रस्थान 18:12 बजे होगा।

2. ट्रेन संख्या 12454 नई दिल्ली-रांची राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन, यात्रा प्रारम्भ दिनांक 19/08/2023 से अगले आदेश तक लोहरदगा स्टेशन पर ठहराव होगा। इस ट्रेन का लोहरदगा स्टेशन पर (दिनांक-20/08/2023 से) आगमन 08:20 बजे एवं प्रस्थान 08:22 बजे होगा।

3. ट्रेन संख्या 20407 रांची- नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन, यात्रा प्रारम्भ दिनांक 17/08/2023 से अगले आदेश तक लोहरदगा स्टेशन पर ठहराव होगा। इस ट्रेन का लोहरदगा स्टेशन पर (दिनांक-17/08/2023 से) आगमन 19:30 बजे एवं प्रस्थान 19:32 बजे होगा।

4. ट्रेन संख्या 20408 नई दिल्ली-रांची राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन, यात्रा प्रारम्भ दिनांक 16/08/2023 से अगले आदेश तक लोहरदगा स्टेशन पर ठहराव होगा। इस ट्रेन का लोहरदगा स्टेशन पर (दिनांक-17/08/2023 से) आगमन 06:53 बजे एवं प्रस्थान 06:55 बजे होगा। अन्य स्टेशनों पर इन ट्रेनों की समय सारणी पूर्ववत रहेगी।

धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों का ठहराव

रांची। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्रालय द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल के अंतर्गत बरवाडीह, लातेहार एवं छीपादोहर स्टेशनों पर निम्नांकित ट्रेनों का ठहराव होगा। ट्रेन संख्या 18611 रांची-बनारस एक्सप्रेस ट्रेन का दिनांक 08/08/2023 से लातेहार स्टेशन पर आगमन 00:34 बजे एवं प्रस्थान 00:36 बजे तथा बरवाडीह स्टेशन पर आगमन 01:09 बजे एवं प्रस्थान 01:11 बजे होगा। ट्रेन संख्या 18612 बनारस-रांची एक्सप्रेस ट्रेन का दिनांक 08/08/2023 से बरवाडीह स्टेशन पर आगमन 22:15 बजे एवं प्रस्थान 22:17 बजे तथा लातेहार स्टेशन पर आगमन 22:44 बजे एवं प्रस्थान 22:46 बजे होगा।

जेसीइसीइबी में बायोम इंस्टीट्यूट की छात्रा राखी को रैंक वन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इंस्टीट्यूट के यूजी नीट 2023 में सफल हुए विद्यार्थी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा परिषद (जेसीइसीइबी) की ओर से जारी राज्य मेधा सूची में भी संस्था के विद्यार्थियों ने अपनी जगह सुनिश्चित की है। यूजी नीट 2023 में झारखंड टॉपर छात्र राखी कुमारी (जेनरल) ने राज्य मेधा सूची के कॉमन मेरिट लिस्ट में रैंक 01 हासिल किया है। इसके अलावा राज्य मेधा सूची के टॉप 20 में 13 से अधिक छात्र ने अपनी जगह बनायो है। चिह्नित हुए विद्यार्थियों में अभय रैंक 01 (बीसी 1) हिमारा रैंक -01 (इडब्ल्यूएस) प्रिया रैंक-02 (बीसी-क्क) तजील रैंक-02 (बीसी-1), महिया रैंक-05 (जेनरल), शुभम रैंक 07 (एस.सी), विनय बैंक-13 (बीसी 11), सीमाब रैंक 13 (बीसी-1), सोनग रैंक-14 (बीसी -1),अनिरमान रैंक 15 (बीसी 11), राहुल रैंक 15 (एस. सी. आकाश रैंक 17 (बीसी -1) हासिल किया है। सफल विद्यार्थियों को बायोम इंस्टीट्यूट के निदेशक सह एमडी पकज सिंह ने उज्वल भविष्य की कामना की है। कहा कि सफल विद्यार्थी देश के प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज में भी चिन्हित हुए हैं। टॉपर छात्र मेडिकल काउंसलिंग कमेटी के पहले चरण की ही काउंसलिंग में विभिन्न एम्स मेडिकल कॉलेज में चिह्नित हुए हैं।

600 अंक तक जा सकता है राज्य मेडिकल कॉलेज का कट ऑफ

पंकज सिंह ने कहा की मैडिकल प्रवेश परीक्षा में सफल हुए विद्यार्थियों को राज्य के मेडिकल कॉलेज में जगह मिलेगी। संस्था से जुड़े छात्र छात्राओं को यूजी नीट काउंसलिंग में सहयोग किया जा रहा है। काउंसलिंग के लिए संस्था में टीम तैयार की गई है। साथ ही विद्यार्थी को रैंक एंड कॉलेज स्टेटस की जानकारी देने के लिए सिस्टम तैयार किया गया है। जिसे देख विद्यार्थी अपने च्वाइस कॉलेज का सिक्वेंस बना सकते है। इस वर्ष राज्य मेडिकल कॉलेज का कट ऑफ अंतिम चरण की काउंसलिंग तक 595 से 600 अंक तक जा सकता है। 600 या इससे ज्यादा अंक हासिल करने वाले विद्यार्थी पहले चरण की काउंसलिंग में ही मैडिकल कॉलेज हासिल कर लेगे। इस वर्ष राज्य के मेडिकल कॉलेज में 50 सीट बढी है। इसका लाभ विभिन्न श्रेणी के छात्र छात्राओं को मिलेगा।

खबर एक नजर में

अमानत की परीक्षा जल्द कराने की मांग

रांची। रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों यथा डोरंडा कॉलेज, सिल्ली कॉलेज, मारवाड़ी कॉलेज में पढ़ाई जाने वाले कोर्स अमानत एकदिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स का सेशन 20222- 23 की परीक्षा कराने की मांग को लेकर जेसीएम के अमन तिवारी एवं असद फेराज टिंकू के नेतृत्व में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अजीत कुमार सिन्हा से मिला। कुलपति ने एक महीने के भीतर परीक्षा लेकर परिणाम घोषित करने का आश्वासन दिया है। उक्त कार्यक्रम में छात्र नेता अमन ठाकुर,आशुतोष सिन्हा, जय यादव,अल्ताफ राजा, मनीष राणा, सनोज ठाकुर, मिथुन प्रजापति, फणींद्र कुमार, रविकांत, बासुदेव महतो, राजकुमार, तल्हा आदि अमानत के छात्र थे।

आरयू में जोहार संगी कार्यक्रम आज

रांची। विश्व आदिवासी दिवस पर रांची विश्वविद्यालय की ओर से मंगलवार को भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल सह विवि के कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन होंगे। 8 अगस्त दिन के 11 बजे से मोराबादी परिसर स्थित स्वर्ण जयंती दीक्षांत मंडप में जोहार संगी कार्यक्रम आयोजित होगा। विवि प्रशासन की ओर से इसकी तैयारी कर ली गयी है। इस आयोजन को युट्युब पर लाइव भी देखा जा सकेगा। यह जानकारी रांची विवि की प्रवक्ता डॉ स्मृति सिंह ने दी।

सिविल सर्जन से मिले बीपीओ, किया सम्मानित

रांची। स्वास्थ्य विभाग के तहत काम करने वाले प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधकों ने सोमवार को सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सीएस के साथ निचले क्रम के अस्पतालों में चलाये जा रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों से अवगत कराया। सिविल सर्जन ने प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधकों को सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने खासतौर पर केंद्र और राज्य प्रायोजित योजनाओं से जुड़े स्वास्थ्य सूचकांक को शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने को लेकर प्रोत्साहित किया। इस मौके पर सीएस को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मौके पर श्यामेंद्र कुमार, अभिषेक, राधेश, वैशाली, अमित, उपेंद्र, अमिता, शशिभूषण, गायत्री, शैलेश, विजयानंद सहित कई अन्य उपस्थित थे।

आरयू के योग विभाग में नामांकन आरंभ

रांची। स्कूल ऑफ योग रांची विश्वविद्यालय के में नए शैक्षणिक सत्र का आरंभ हो चुका है। इसके अंतर्गत 3 कोर्सेज चलती है। बी.एस.सी योगिक साइंस में नामांकन के लिए किसी भी संकाय से इंटरमीडिएट पास होना आवश्यक है। एम.एस.सी इन योगिक साइंस (2 वर्ष) कोर्स एवं डिप्लोमा (1 वर्ष) कोर्स हेतु किसी भी संकाय से स्नातक होना आवश्यक है। साथ ही प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो बी.पी.एल विद्यार्थी को निशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। आवेदक स्कूल ऑफ योग के ऑफिस से फार्म प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 7462832313 पर संपर्क कर सकते हैं। यह जानकारी रजनी बक्शी ने दी ।

जी-20 प्रेसिडेंसी समिट का उद्घाटन आज

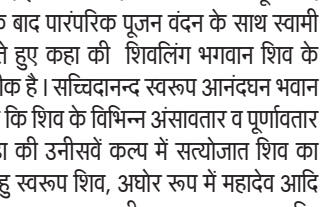

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में जी-20 प्रेसिडेंसी समिट का आज उदघाटन होगा। सोमवार को सरला बिरला पब्लिक स्कूल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्राचार्या परमजीत कौर के अतिरिक्त जे वी एम श्यामली, टॉरियन वर्ल्ड स्कूल एवं फिरायालाल पब्लिक स्कूल के प्राचार्या भी उपस्थित थे। प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि उद्घाटन समारोह सरला बिरला पब्लिक स्कूल में 8 अगस्त को आयोजित होगा। इस अवसर पर रिजनल ऑफिसर अरविंद कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहेंगे। रांची सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम 8 अगस्त से 12 अगस्त 2023 तक आयोजित होगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल के प्रति स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता बढ़ाना है।

यूपीएससी में शशि कुमार रमन का चयन

रांची। यूपीएससी के घोषित परिणाम में कैटालिस्ट आईएएस इंस्टिट्यूट कचहरी रोड स्थित संस्थान के शशि कुमार रमन का चयन हुआ है। इस उपलब्धि के लिए संस्थान के निर्देशक विशाल कुमार ने शशि कुमार को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस सफलता से संस्थान में हर्ष का माहौल है। यूपीएससी, जीपीएससी प्रारंभिक सह मुख्य परीक्षा के लिए 10 अगस्त से नया बैच शुरू किया जा रहा है, इच्छुक विद्यार्थी सेंटर पर आकर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

शिवमहापुराण कथा के सप्तम दिन भी भक्तों उत्साह वंदनीय

रांची। अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में श्री श्याम मण्डल द्वारा आयोजित पावन श्री शिवमहापुराण कथा के सप्तम एवं अंतिम दिन सोमवार को भक्तों का उत्साह वंदनीय था साथ ही पावन कृपा का विदाई का अवसाद भी था। स्वामी परपूर्णानन्द के व्यास पीठ पर विराजमान होने के बाद पारंपरिक पूजन वंदन के साथ स्वामी श्री ने शिव व्याख्यान को आगे बढ़ते हुए कहा की शिवलिंग भगवान शिव के निर्गुण और निराकर स्वरूप का प्रतीक है। सच्चिदानन्द स्वरूप आनंदघन भवान शिव सर्व व्यापी हैं, आगे उन्होंने कहा कि शिव के विभिन्न अंसावतार व पूर्णावतार का विस्तृत ज्ञान बांटा साथ ही कहा की उनीसवें कल्प में सत्योजात शिव का अवतार हुआ नाम देव शिव , महाबाहु स्वरूप शिव, अघोर रूप में महादेव आदि अनेक रूपों में शिव ने अवतार लिया, आकाश, पृथ्वी, जल, वायु एवम अग्नि सभी में शिव का वास है साथ ही व्याख्यान को आगे बढ़ाते हुए प्रसंगवश उन्होनें नरसिंह अवतार का सुंदर वर्णन किया। कथा का समापन आरती शहर के प्रसिद्ध डॉक्टर एम. सी. खेतान के परिवार द्वारा किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरेश चन्द्र पोद्दार , चन्द्र प्रकाश बागला , श्याम सुन्दर पोद्दार , रमेश सारस्वत , गोपी किशन ढांढनीयां, ओम जोशी , मनोज सिंघानिया , धीरज बंका , राकेश सारस्वत , विजय शंकर साबू का सहयोग रहा ।

स्पीड न्यूज

रातू : बिमल उरांव बने सांसद प्रतिनिधि

रातू। प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद दीपक प्रकाश ने कुंबाटोली निवासी बिमल उरांव को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। श्री प्रकाश ने उन्हें प्रखंड में संचालित योजनाओं की सतत निगरानी और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने की बात कही है। उन्होंने बीडीओ हरिशंकर बारिक और थानेदार सपन महथा को श्री उरांव के मनोनयन पत्र की प्रति भेज उन्हें सहयोग किये जाने का अनुरोध किया है। इधर श्री उरांव के सांसद प्रतिनिधि बनने पर बधाई देने वाले भाजपाइयों का तांता लगा है। इसमें अखौरी नीरज, राजेन्द्र पांडेय, रामधीर तिवारी, हरि प्रसाद, रूपेश महतो, देवेंद्र सिंह, सुबोध साहू, गंगू पाहन, प्रेम खलखो, संजीव तिवारी, परमेश्वर गोप, हजारी प्रसाद, कामेश्वर महतो, संजय महतो, संजय मिश्र, ईश्वर गोप शामिल हैं।

मैट्रिक-इंटर में उतीर्ण सभी श्रेणी के बच्चे होंगे सम्मानित

सोनाहातू/राहे। गूंज परिवार के द्वारा 7, 9, 11 और 13 अगस्त को मेधा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। सम्मान समारोह में विधायक सुदेश महतो पूरे सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मैट्रिक परीक्षा में उतीर्ण सभी श्रेणी के बच्चों को सम्मानित करेंगे। इसके तहत 7 अगस्त को जोन्हा, 9 अगस्त को राहे, 11 अगस्त को सोनाहातू तथा 13 अगस्त को सिल्ली में समारोह आयोजित किया गया है। इस दौरान सभी ग्राम प्रभारी, महिला कमेटी मौजूद रहेंगे।

ठाकुरगांव में प्रजापति समाज की बैठक

बुढ़मू। सोमवार को ठाकुरगांव में प्रजापति (कुम्हार) समाज की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में प्रजापति (कुम्हार) संघ का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष युगेश्वर प्रजापति, सचिव अवधेश प्रजापति, कोषाध्यक्ष विनोद प्रजापति संरक्षक मनपूरन महतो, शिवशंकर महतो, बैजनाथ प्रजापति, गणेश प्रजापति, नारायण प्रजापति का चयन किया गया। बैठक का संचालन मनपूरण महतो और धन्यवाद ज्ञापन युगेश्वर प्रजापति ने किया। मौके पर सघनु महतो, कुलदीप महतो, प्रदीप कुमार, लक्ष्मी प्रजापति, प्रकाश प्रजापति, भरत प्रजापति मौजूद थे।

सिद्धो-कान्हू युवा खेल क्लब का गठन

राहे। प्रखंड सभागार में बीडीओ हारून रशीद के अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय सिद्धो.कन्हू युवा खेल क्लब का गठन किया गया। सर्वसम्मति से क्लब का अध्यक्ष मनमोहन मुंडा, उपाध्यक्ष बिरसा टूटी तथा सचिव परीक्षित हजाम उर्फ राजू को चयनित किया गया। चयन प्रक्रिया के बाद बीडीओ ने तीनों को प्रमाण पत्र दिये।

विधायक ने महिलाओं संग की बैठक

इटकी। मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को प्रखंड के पार्टी कार्यालय में महिला पंचायत अध्यक्ष व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। मौके पर विधायक ने महिला शशक्तिकरण पर चर्चा की और कहा कि महिला पुराने खयालातों को छोड़कर अपने हक व अधिकार के लिए आगे आयें और नेतृत्व करें।

राज्य के गृह सचिव के आदेश पर डीएसपी सख्त, कई स्थानों पर छापामारी

अड्डेबाजी करते दर्जनों को पकड़ा नकद और मोबाइल किया जब्त

●कई पर सीसीए की कार्रवाई थाने में लगानी होगी हाजिरी

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आदेश पर गृह सचिव अविनाश कुमार ने पुलिस के आला अधिकारियों के साथ बैठक कर राजधानी में जमीन कारोबार समेत अपराध नियंत्रण पर दिये गये निर्देश के बाद डीएसपी प्रवीण सिंह सख्त दिखे। उन्होंने सोमवार की शाम क्षेत्र के दलादिली, तिलता, चट्टी, कुंबाटोली, सिमलिया हाजी चौक व सोडा फाउंटेन रेस्तरां में छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान तीन जमीन कारोबारी के अलावा रेस्तरां में अड्डेबाजी करते दर्जनों संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया गया। इनके पास से दस कीमती मोबाइल और नकद मिले हैं, उसे जब्त कर उनसे थाने में पूछताछ की जा रही है। श्री सिंह ने बताया कि सत्यापन के बाद उन्हें पीएआर पर छोड़ दिया जायेगा, लेकिन इन पर पुलिस की पैनी निगाह रहेगी। उन्होंने जानकारी दी कि संदीप थापा, खैरुद्दीन अंसारी व तश्लिम खान पर सीसीए की कार्रवाई की जायेगी। इससे पहले भी शमशेर अंसारी और रमीज राजा पर सीसीए लगाया गया है। शमशेर और रमीज प्रत्येक दिन उनके कार्यालय में हाजिरी लगा रहे हैं। संदीप, खैरुद्दीन व तश्लिम खान को थाने में हाजिरी लगानी होगी।

तिलता चौक पर लगे ठेला को हटवाते डीएसपी।

निपटाये जायेंगे भूमि विवाद

डीएसपी ने कहा कि जमीन विवाद से विधि-व्यवस्था की समस्याएं लगातार बढ़ रही है। हत्याओं का भी दौर चल रहा है। अधिकांश विवाद दलालों की वजह से खड़ी हो रही है। इसकी रोकथाम के लिये सीओ की अध्यक्षता में हर सप्ताह भूमि-विवाद समाधान दिवस आयोजित कर इसका त्वरित निपटारा किया जायेगा। अभियान में श्री सिंह के अलावा अवर निरीक्षक चमरा मिंज, सीएन उरांव, बादल दास, अंजन कुमार, अमरनाथ सोनी व पुलिस बल के जवान शामिल थे।

दलादिली चौक पर नहीं लगेगा बाजार

श्री सिंह ने पत्रकारों को बताया कि सुभाष मुंडा की हत्या के बाद दलादिली समेत क्षेत्र के लोग भयभीत हैं। चौक में रिंग रोड के किनारे लगाये गये ठेले और झोपड़ियां हटाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि भविष्य में दुर्घटना की आशंका को देखते हुए दलादिली चौक पर बुधवार और शनिवार को लगने वाले साप्ताहिक सब्जी बाजार अब नहीं लगेगा। सीओ प्रदीप कुमार की मदद से प्रत्येक चौक-चौराहों को अतिक्रमण मुक्त कराये जायेंगे।

एक नजर में

ताइक्वांडो में स्वर्ण जीत कर शशि मुंडा और नीरज बेदिया ने बढ़ाया क्षेत्र का सम्मान

जूनियर ताइक्वांडो में जीते गये पदक के साथ स्कूल के बच्चे।

अनगड़ा। गोंदलीपोखर मध्य एवं उच्च विद्यालय हेसल अनगड़ा के पांचवीं कक्षा के दो छात्र शशि मुंडा और नीरज बेदया ने झारखंड राज्य जुनियर एवं सब जुनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया है। ज्ञात हो कि उक्त प्रतियोगिता 4 अगस्त से 6 अगस्त तक धनबाद में आयोजित किया गया था। स्वर्ण पदक विजेता दोनों छात्रों को विद्यालय के सचिव सह झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ अमर कुमार चौधरी एवं स्कूल के आजीवन सदस्य और जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुंडा प्रधानाध्यापक ब्रजेश कुमार महतो भाजपा नेता रामसाय मुंडा ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन दोनों छात्रों ने स्वर्णपदक जीत कर विधालय और क्षेत्र का नाम रौशन किए हैं।

झारखंडियों को हक मिले बगैर निर्मल महतो की शहादत अधूरी : पारसनाथ उरांव

अनगड़ा। आजसू पार्टी पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उराँव ने कहा है कि निर्मल महतो का शहादत और उनका सपना तब तक अधूरा है, जब तक झारखंडी जानता को उसके हक-अधिकार और न्याय नही मिल जाता है। उक्त बाते श्री उरांव ने सोमवार को आजसू पार्टी के कार्यकर्ताओं की एक बैठक में कही। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के शुभ अवसर पर 10 पंचायत के फुटबॉल टीम भाग लेगी और मैराथन दौड़ भी होगा। साथ ही अनगड़ा प्रखंड के सभी स्कूल के मैट्रिक टॉपर को पुरस्कृत भी किया जायेग॥ बैठक की अध्यक्षता जगरनाथ महतो ने किय॥ बैठक मे झारखंड आंदोलनकरी आजसू जिला वरीय उपाध्यक्ष जलनाथ चौधरी, जिला उपाध्यक्ष प्रकाश लकड़ा, खिजरी प्रभारी जितेन्द्र सिंह, जिला सह कोषाध्यक्ष आतिश महतो, प्रखंड सचिव किसुन महतो, प्रखंड उपाध्यक्ष आशाराम महतो इत्यादि उपस्थित थे।

बेड़ो और तमाड़ में हुई सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत, छह घायल

बेड़ो में ईंट लदा ट्रक अनियंत्रित हो पलटा

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। नरकोपी थाना क्षेत्र के बोबरो मोड़ के समीप सोमवार की पूर्वाह्न लगभग साढ़े ग्यारह बजे ईंटों से लदा एक टर्बो ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गया। हादसे में ट्रक चालक की नीचे दबने से मौत हो गई। वहीं ट्रक में सवार चार लोग घायल हो गए। इधर मृतक चालक की पहचान रांची जिला के बुढ़मू थाना क्षेत्र के साड़म गांव निवासी 24 वर्षीय रूमेश नायक के रूप में हुई है। वहीं घायलों में 20 वर्षीय संदीप नायक, 18 वर्षीय रोहित नायक व 29 वर्षीय मनोज नायक तीनों ग्राम साड़म गांव बुढ़मू के निवासी हैं। वहीं दुर्गा लोहरा बोगरो टिकरा बेड़ो का निवासी है। टर्बो ट्रक बुढ़मू से ईंटा लादकर नरकोपी के लिए रवाना हुआ था। ट्रक पर चार अन्य लोग भी सवार थे। जैसे ही उक्त ट्रक बोबरो मोड़ के निकट पहुंचा, अचानक वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे में पलट गया। हादसे में चालक ट्रक के नीचे ही दब गया। जबकि उसमें सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कड़ी मशक्कत के बाद ट्रक के नीचे दबे चालक को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है।

दिउड़ी मंदिर के निकट तीन वाहन भिड़े

तमाड़। थाना क्षेत्र एनएच- 33 दिउड़ी मंदिर के समीप ट्रेलर, कंटेनर और पिकअप की आपस में टक्कर सें एक युवक की मौत और दो लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार दिवड़ी मंदिर के समीप एक ट्रेलर ने टाटा सें रांची की और जा रही कंटेनर और बहरागोड़ा से सब्जी लेकर रांची आ रही पिकअप वाहन को जोरदार टक्कर मारने के बाद ट्रेलर फरार हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी की कंटेनर और पिकअप के परखच्चे उड़ गए। कंटेनर चालक बिहार निवासी मोहम्मद फैजान की मौके पर ही मौत हो गई। पिकअप में सवार तपन मेहरा, नारायण महंती बुरी तरह जख्मी हो गए। घटना के पश्चात पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर घायलों को ईलाज के लिए तमाड़ अस्पताल भेजा। डॉक्टरों ने दोनो घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए रिम्स रेफर किया। घटना सोमवार की अहलें सुबह करीब तीन बजे की है।

बड़े सपने देखने में संकोच नहीं करें विद्यार्थी : सुदेश

अनगड़ा में विद्यार्थियों को सम्मानित करते विधायक सुदेश महतो।

अनगड़ा। प्रस्तावित प्रखण्ड जोन्हा में सोमवार को मेधा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मेधा प्रतिभा सम्मान समारोह में सभी मैट्रिक-इंटर परीक्षा में सफलता का परचम लहराने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि विधायक सुदेश कुमार महतो ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि अनगड़ा प्रखंड के सभी मैट्रिक.इंटर उत्तीर्ण विद्यार्थियों को जीवन के अहम पड़ाव को सफलतापूर्वक पार करने की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। आप सभी बड़े सपने देखने से बिल्कुल न डरे और अपने हौसले, इच्छाशक्ति एवं अथक परिश्रम से उन सपनों को पूरा करें। मौके पर जिप सदस्य अनगड़ा पूर्वी राजेंद्र शाही मुंडा, पूर्व डीडीसी डोमन सिंह मुंडा, पंस दिलीप बेदिया, घसनी देवी, सारथी देवी, सरनी देवी, श्याम सुंदर बेदिया, शंकर बेदिया, राजू महली, बबलू अंसारी, विक्रम हजाम, सीताराम साहू मौजूद थे।

ट्रेन की चपेट में आने से विक्षिप्त महिला की मौत

खलारी। सीआईसी सेक्शन बरवाडीह टू बरकाकाना डाउन मेन रेल लाइन के मैक्लुस्कीगंज अंतर्गत चिनाटाँड़ के रेहड़ा गढ़ा कठपुलिया के पास रेल लाईन में एक महिला का शव पाया गया। मृतिका महिला की पहचान सोहरी देवी उम्र (45 वर्ष), पति रामलखन गंझू चिनाटाँड़ ग्राम का बताया जाता है। सोमवार की सुबह 4.30 बजे लाइट इंजन मैक्लुस्कीगंज से खलारी जाने के दौरान यह घटना घटी।

ब-अदालत

मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, रांची।
एम० ए० सी० वाद संख्या - 87/2020
पूनम सिन्हा एंव वगैरह- आवेदकगण बनाम
वीणा सिंह एंव वगैरह- विपक्षीगण
नोटिस बनाम :-
1. श्री वीणा सिंह, पति - श्री रमाकांत सिंह
पता - Qtr. No. DT-2212, टंकी साइड, धुर्वा, पोस्ट + थाना- धुर्वा, जिला- रांची, झारखण्ड, 834004 ।
बजरिये इस नोटिस के जरिए आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक 04.10.2018 को आपके एक वाहन इंडिका कार गाडी संख्या JH-01R 1009 से प्रदीप कुमार सिन्हा पिता- दीनानाथ प्रसाद, पता Qtr. No. CD-133 H.E.C कॉलोनी, धुर्वा, पोस्ट + थाना - धुर्वा, जिला- रांची, झारखंड निवासी की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। जिसका एफ आई आर नंबर धुर्वा थाना 237/2018 है। आवेदकगण ने आपके विरुद्ध धारा- 140 और 166 मोटर यान अधिनियम के अंतर्गत प्रतीकर हेतु उपरोक्त बाद दाखिल किया है जो आपकी उपस्थिति हेतु लंबित है नजारत एवं रजिस्टर्ड डाक द्वारा आपके विरुद्ध नोटिस तामिल यही कराया जा सका है।
अतः इस सूचना के माध्यम से आपको निर्देष दिया जाता है की दिनांक 12/9/23 को पूर्वाहन 11 बजे आप स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे अन्यथा आपके अनुपस्थिति में बाद की सुनवाई आपके विरुद्ध एकपक्षीय की जाएगी। इसे सख्त ताकीद जाने।
आज दिनांक 31/07/23 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय के मोहर से जारी किया गया ।
पीठासीन पदाधिकारी
मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, रांची।

बच्चों का भविष्य बनाने में सहयोग करें अभिभावक

●मांडर के संत जॉन स्कूल में शपथ ग्रहण समारोह, विधायक ने बच्चों को किया प्रेरित

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर के संत जॉन स्कूल के बच्चों के साथ विधायक शिल्पी नेहा तिर्की।

मांडर। प्रखंड अंतर्गत विसाहाखटंगा पंचायत के ग्राम नवाटांड़ स्थित संत जॉन मध्य विद्यालय में सोमवार को शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक शिल्पी नेहा तिर्की उपस्थित हुईं। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा अतिथियों को पुष्प गुच्छा देकर स्वागत किया गया। इसके बाद कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक ने दीप प्रज्वलित कर के किया। इस अवसर पर अतिथियों के स्वागत में बच्चों द्वारा रंगारंग नृत्य प्रस्तुत किया गया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विद्यायक ने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों के जीवन में अपना अहम भूमिका निभाये। बच्चे का भविष्य बनाने में सहयोग करे और वर्त्तमान जीवन के बारे में बच्चों को जानकारी दे। ताकि सही और गलत का पहचान कर सके। उन्होंने आप अपना समय लक्ष्य का निर्धारण करके पढ़ाई की तैयारी करे और लक्ष्य की प्राप्ति करे।

शिक्षक बच्चों को दें सही दिशा : विधायक

विधायक ने शिक्षकों को भी संबोधित करते हुए कहा कि आप भी बच्चों को सही शिक्षा देने की सही भावना बनाए रखें। और सही शिक्षा देने का प्रयास करे। बच्चे मिट्टी के समान होते हैं। मौके पर पार्टी प्रखंड अध्यक्ष मंगा उरांव, विधायक प्रतिनिधि जमील मलिक, रशीद अंसारी, अनुज राम, स्कूल के प्रभारी, शिक्षक, अभिभावक सहित सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित थे।

सीटू ने बाइक रैली निकाल सुभाष मुंडा को दी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। एनसीओईए (सीटू) यूनियन ने के डी एच यूनियन कार्यालय मे एक बैठक किया गया। बैठक मे सर्वप्रथम माकपा के राज्य कमिटी सदस्य कॉमरेड सुभाष मुंडा के निर्मम हत्या पर रोष व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजली दी गई। झारखण्ड सरकार से हत्यारो को जल्द से जल्द पकड़कर फांसी देने की मांग की गई। तत्पश्चात सरकार के नीतियों के खिलाफ यूनियन कार्यालय से ही एक बाइक जुलुस निकाली गई। जुलुस के डी एच माईनस कॉलोनी से कचरी मोड़ एडकरा बी टाइप कॉलोनीए होते हुए गुरुद्वारा चौक पर पहुंची। जो एक सभा में तब्दील हो गई। यूनियन के नेताओं ने केंद्र सरकार केंद्र सरकार की मजदूरएकिसान एवं आम जनविरोधी नीतियों का बखान किया। देश के मजदूर वर्गएकिसान वर्ग और आम जनता महंगाई के मार से जनता त्राहि त्राहि कर रही है पूंजी पतियों के हित मे कानून बनाये जा रहे है एपूंजीपतियों एवं कापोरेट घरानों को टैक्स मे छुट दी जा रही है। मौके कार्यक्रम मे मुख्यरूप से शैलेन्द्र कुमार सिंह, जी के साहू, उदय कुमार सिंह, रामप्रवेश राम, केदार यादव, कल्लू गंझु, एच के दलाई, लालजीत गंझु, दिनेश गंझु, सुखारी गंझु, थेरे मांझी, शिवराम सेठी सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बेड़ो : बारीडीह सड़क पर ग्रामीणों ने की धनरोपनी

खबर मन्त्र संवाददाता

कच्ची सड़क पर धनरोपनी कर सरकार के खिलाफ विरोध जताते ग्रामीण।

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के बारीडीह गांव के अखरा व मंदिर जाने वाली मुख्य कच्ची सड़क पर जल जमाव व कीचड़ होने से आक्रोशित लोगों ने सोमवार को सड़क पर धान की रोपनी कर प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध आक्रोश जाहिर किया। ग्रामीणों का कहना है कि एक दशक से सड़क पर जल जमाव व कीचड़ होने से आने.जाने में भारी परेशानी हो रही है। साइकिलए बाइक को कौन कहे पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सड़क के निर्माण को ले कई बार ग्रामीणों द्वारा जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन से गुहार लगाई गईए लेकिन इस सड़क की दुर्दशा पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। इस रास्ते पर कीचड़ होने के कारण स्कूली बच्चों का चलना भी दूभर हो गया है। इस समस्या के निपटारे के लिए ग्रामीणों ने कई बार ग्राम सभा में दर्जनों ग्रामीणों ने हस्ताक्षरयुक्त आवेदन दिया थाए लेकिन समस्या का समाधान नहीं होने पर ग्रामीण आक्रोशित होकर सड़क पर धान की रोपनी कर विरोध जताया।

कार्यालयः-वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमण्डल
E-mail :forest-gumla@jharkhandmail.gov.in
Mobile No. – 8987790115, Pin Code - 835207

पत्रांक ...../ दिनांक ...../

आवश्यक सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनांक 25.06.2023 को भरनो (मुड़कटी अम्बा), थाना–भरनो के पास से गुप्त सूचना के आधार पर लगभग 08:30 बजे अपराहन 14 पीस साल बोटा सहित एक ट्रेक्टर एवं ट्रोली सं0– अज्ञात को जप्त कर सिसई अवस्थित नर्सरी वन परिसर में सुरक्षित रखा गया है। 14 पीस साल बोटा सहित एक ट्रेक्टर एवं ट्रोली सं0– अज्ञात के विरूद्ध प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में अधिहरण की कार्रवाई प्रारम्भ की गई है।

अतः समाचार पत्रों के माध्यम से जप्त वन पदार्थ सहित वाहन के दावेदार (यदि कोई हो) एवं सम्बन्धित सभी को सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 14.08.2023 को प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में 11:00 बजे दिन में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा उपलब्ध साक्ष्यों एवं अभिलेखों के आधार पर एक पक्षीय निर्णय ले लिया जायेगा।

प्राधिकृत पदाधिकारी,
–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी,
गुमला वन प्रमंडल

PR 304167 Forest, Environment and Climate Changes(23-24)#D

खिजरी विधानसभा क्षेत्र में बहेगी विकास की धारा : विधायक

●राजेश कच्छप ने ओरमांझी में किया तीन योजनाओं का शिलान्यास

खबर मन्त्र संवाददाता

शिलान्यास करते विधायक राजेश कच्छप व जनप्रतिनिधि।

ओरमांझी। खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने सोमवार को ओरमांझी प्रखंड में विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। जिसमें कुच्चू पंचायत के ग्राम कूल्ही में लगभग 15 लाख की योजना से बहुउद्देशीय सामुदायिक केंद्र का निर्माण के अलावा पांचा पंचायत के गुडू में सार्वजनिक तालाब की गार्डवाल व ईचादग के पिपराबांडा में गार्डवाल निर्माण सहित तीन योजना शामिल हैं। शिलान्यास के दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से बात कर गांव की समस्या की जानकारी ली और कहा कि दो वर्ष तक कोविड के कारण जनता विकास योजनाओं से दूर रही है। खिजरी विधानसभा क्षेत्र के 52 किमी ग्रामीण सड़क का होगा निर्माण। जिसका शिलान्यास जल्द शुरू किया जाएगा। इसकी घोषणा खिजरी के विधायक राजेश कच्छप ने की, वहीं विधासक ने कुल्ही स्थित जर्जर सामुदायिक भवन को देखा और कहा जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मिलकर निर्णय ले नया समुदायिक भवन निर्माण करना है या रिपेयर कराना है, तत्काल फंड दी जाएगी। कहा कि जनता ने उन्हें सेवक के रूप में चुना है। जनता से किए वादे व उम्मीदों को पूरा करने का आश्वासन दिया और कहा कि कुछ माह तक अब लगातार विकास योजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खिजरी विधानसभा के सभी ग्रामीण सड़क को जनता के लिए सुविधाजनक बनाया जाएगा। गांव के किसान व स्कूली बच्चों को बाजार व स्कूल जाने में सड़क के कारण परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

मौके पर ये लोग थे मौजूद

शिलान्यास के मौके पर जिप सदस्य कमिश्नर मुंडा, मुखिया पूनम देवी, सीमा तिर्की, सुफल महली, पंस सदस्य जानकी कुमारी, रीना मुंडा, उपमुखिया संदीप महतो, पूर्व मुखिया समुंदर पाहन, रमेशचंद्र उरांव, ग्राम प्रधान सुखराम पाहन, भोला महली, कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता रवि साहू, प्रखंड अध्यक्ष तुलसी खरवार, रमेश उरांव, प्रेमनाथ मुंडा, नारायण साहू, संतोष महतो, हरिमोहन महतो, रंजीत कुमार, सकुन कुमार, सहेद कुमार महतो, भानु प्रताप, प्रमेश्वर साहू, प्रवीण कुमार, प्रमोद चौरसिया, विनोद प्रजापति बालक महतो सहित स्थानीय ग्रामीण मौजद थे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, कोडरमा

पत्रांक ...../ दिनांक ...../

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 14/2023–24

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, भवन प्रमंडल, कोडरमा ।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय :– 17.08.2023 को 1.00 बजे अपराहन् तक ।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 18.08.2023 को 3.00 बजे अपराहन् तक ।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 18.08.2023 को 3.30 बजे अपराहन् ।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– क. कार्यपालक अभियंता भवन प्रमण्डल, कोडरमा का कार्यालय। ख. अधीक्षण अभियन्ता, भवन अंचल, हजारीबाग का कार्यालय ।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– क. कार्यपालक अभियंता भवन प्रमण्डल, कोडरमा का कार्यालय।
7. कार्य की विवरणी :–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	अग्रधन राशि (रूपये में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	डोमचाँच प्रखण्ड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय बच्छेडीह में चाहरदीवारी का निर्माण कार्य।	12,96,900/–	2500/–	26000/–	2 माह।

निविदा की शर्तें को www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है ।

कार्यपालक अभियन्ता,
भवन प्रमण्डल, कोडरमा

PR 304189 Building (23-24)_D

खबर मन्त्र

रांची. मंगलवार. 08 अगस्त 2023

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

पंचायत की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विगत दिनों कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी के चार दशक बाद तक पार्टी को यह समझ नहीं आया कि गांवों में पंचायती राज प्रणाली लागू करना कितना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने जिला पंचायत प्रणाली को भी भाग्य भरोसे छोड़ दिया था। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो दिवसीय कार्यक्रम हरियाणा क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद का उद्घाटन करने के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस के शासन में पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए। देश आज विकासित भारत के लक्ष्य को हासिल करने और अमृत काल के प्रस्तावों को साकार करने की दिशा में एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है। इस अमृत काल की 25 वर्ष की यात्रा के दौरान हमें पिछले दशकों के अनुभवों को भी याद रखना होगा। विकसित भारत का मार्ग टियर-2, टियर-3 शहरों और गांवों से होकर गुजरता है। मुख्य शहरों से दूर के स्थानों और छोटे शहरों में उम्मीद की नयी किरण एवं ऊर्जा दिखाई देती है। पीएम मोदी के भाषण से हटकर यह भी याद करना होगा कि राजीव गांधी ने अपने काल में पंचायतों को अधिकार देने की पहल की थी और कानून बनाया था। विगत एक दशक में इस दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। आज भी न्याय, कानून, प्रशासन, बड़ी योजना का नियंत्रण बड़ें शहरों में रहने वाले गांव को न समझने वालों के हाथ में है। भूमि सुधार अधूरा है। सिचाई 46 प्रतिशत भूमि तक पहुंची है। पंचायत आने वाले समय में देश की सबसे बड़ी ताकत होगी इसके वगैर देश विकसित नहीं होगा। पंचायतो को वित्तीय, कानूनी और विकास की अपनी योजना के अधिकार देने के बाद ही देश का समग्र विकास संभव है जिसकी चर्चा महात्मा गांधी किया करते थे।

संसद पहुंचे राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल हो गयी है। सुप्रीम कोर्ट के 4 अगस्त के आदेश के मद्देनजर लोकसभा सचिवालय ने सोमवार को इसकी अधिसूचना जारी की। अब वह मणिपुर मुद्दे पर विपक्षी दलों द्वारा मंगलवार को सरकार के खिलाफ लाए गए महत्वपूर्ण अविश्वास प्रस्ताव पर बहस में हिस्सा ले सकते हैं। मोदी उपनाम संबंधी टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में गुजरात के सूरत की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा दोषी ठहराये जाने व दो साल जेल की सजा सुनाये जाने के बाद राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने बीते शुक्रवार को एक आदेश में राहुल की दोषसिद्धि पर रोक लगा दी थी, जिससे उनकी लोकसभा में वापसी का रास्ता साफ हो गया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक ट्वीट में कहा, राहुल गांधी के सांसद के रूप में बहाल होने के बाद, भाजपा को विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के बजाय शासन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय से कांग्रेसियों में उत्साह है। निश्चित तौर पर इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने यह समझा कि चुनावी भाषणों में जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग हो रहा है वह भारतीय लोकतंत्र के लिये अच्छा नहीं है पर देश के बड़ें नेता होने के साथ ही वे केरल के वायनाड से सांसद भी है इस कारण उन्हें इस अपराध की इतनी बड़ी सजा नहीं मिलनी चाहिए। राजनीति में विगत दिनों जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग हो रहा है वह कहीं से भी उचित नहीं कहा जा सकता है। इस मामले में कोई भी राजनीतिक दल पाक साफ नहीं है। इस प्रकरण में न्यायालय के निर्णय पर जिस प्रकार के सवाल उठाये गये वह भी सही नहीं था। यह निर्णय देश में न्याय और लोकतंत्र की जीत के तौर पर देखा जाना चाहिए।

विश्व आदिवासी दिवस की प्रासंगिकता

विश्व आदिवासी दिवस नौ अगस्त को मनाया जाता है। यह दिन विश्व भर के आदिवासियों के हित और अधिकार को अपने में समेटे है। इस अवसर पर पूरे देश में छोटे बड़ें कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। इन कार्यक्रमों का सिलसिला 1993 से जोर पकड़ता गया है। इसी वर्ष से नौ अगस्त को अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस मनाने की घोषणा हुई।

विश्व मूल आदिवासी दिवस मनाने के कारणों पर जाए तो यह एक मर्माहत करने वाला अंदरूनी विषय है जिस पर चर्चा कम ही होती है। लेकिन इस सच को देश ही दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को जानना आवश्यक है। आज से 524 साल पहले 1498 ई में यूरोप के एक छोटे से देश स्पेन निवासी कोलंबस नामक नाविक अपने लाव लश्कर के साथ समुद्री यात्रा पर निकला। उसने भारत की संपन्नता और एश्वर्य के बारे में सुन रखा था। लेकिन समुद्री तुफान के कारण रास्ता भटक कर वह अमेरिका पहुंच गया। तब अमेरिका में गोरे लोग नहीं थे। काले और निर्धन आबादी का वहा जमावड़ा था। लेकिन वे अपनी संस्कृति रीति रिवाज और परम्पराओं के साथ ही जीते थे। कोलंबस भारत की खोज में निकला था लेकिन उसने एक नयी भूमि की खोज कर ली थी जो अमेरिका था। जिस दिन कोलंबस अमेरिका की धरती को छुआ था यानि उस धरती पर पहुंचा था वह तारीख नौ अगस्त 1498 थी। कोलंबस को लगा कि वह इंडिया की खोज करने में सफल हो गया है इसलिये उसने वहां स्थित लोगों को इंडियन कहकर संबोधित किया। वही लोग आगे चलकर रेड इंडियन कहलाये।

कोलंबस के बाद यूरोप के कई देशों के नाविक और समुद्री अभियान में लगे जन समूह भी अमेरिका पहुंचे। धीरे-धीरे यूरोप के गोरों ने अमेरिका पर कब्जा जमा लिया। इन गोरों ने वहां के मूलवासी रेड इंडियन्स पर अंतहीन अमानवीय अत्याचार किये जिसके कारण उनकी स्थिति अत्यंत खराब होती हुई लुप्त प्राय हो गयी। जो थोड़ें बच गये उनके पास सनातन पद्धति रीति रिवाज और धार्मिक समाजिक बोध कराने वाले हरेक तत्व से उन्हें अलग कर दिया। उनके हाथ में बाइबिल थमा दिया गया। उनके नेटिव्स के आस्तित्व को ही समाप्त करने की साजिश रची गयी जिसमें एक हद तक उन्हें सफलता भी मिली।बाद के काल खंड

-शिवशंकर उरांव

यूरोपीय देश नये नये नरेटिव पैदा कर उसे पूरी दुनिया में फैलाने के लिये तत्पर है और वे उसमें सफल भी हो जाते हैं। उनके द्वारा पोषित एजेन्सिया भारत में विभिन्न संगठनों के माध्यम से अपने एजेंडा को पूरे देश में लागू कर भ्रम की स्थिति पैदा कर रही है। इनका काम जनजातिय संगठन को तोड़ मरोड़ कर अपने आप को स्थापित करना है। विश्व आदिवासी दिवस के नाम पर ऐसे संगठन विगत चार दशकों से सक्रिय हैं।

में जो हुआ उसे याद कर दुनिया सिहर उठती है। रंगभेद और नरसंहार का खेल शायद सबसे पहले यही हुआ था। यूरोप के गोरों के द्धारा अमेरिका में यह खेल किया गया ऐसा नहीं था। पूरी दुनिया में जहां-जहां उन्हें अवसर मिला उन्होंने यही खेल किया। अफ्रीका और आस्ट्रेलिया में भी ऐसे ही दुष्कृत्य किये गये। गोरे जहां भी गये एक ही प्रकार से अत्याचार का काम किया और हमारे पूर्वज इसके शिकार हुए। अफ्रीका में हमारे पूर्वजों ने इन गोरों का प्रसन्नता पूर्वक स्वागत किया लेकिन इन लोगों ने कुटिल चालचल कर हमारे धर्म और संस्कृति को समाप्त करने की दिशा में चाल चल दी। हमारे पूर्वजों के हाथ में बाइबिल थमा दी। जब तक हम आंख खोलते तब तक हमारी धरती हमारे आकाश और हमारा सब कुछ उनलोगों ने कब्जा कर लिया था।

हम प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर पर्वत और पठारों पर सीमित साधनों के साथ निवास कर रहे थे।उनकी कुटिल नजर इस पर भी गयी और हमारे खनिज संपदा को भी जमकर लूट लिया गया। आस्ट्रेलिया के मूल निवासी माबो के साथ ऐसा ही कुछ किया गया। यही कारण था कि यूरोप के मूल निवासी आस्ट्रेलिया के पीएम ने अपने वंशजो के अत्याचार के कार्य पर वर्षो बाद क्षोभ व्यक्त किया। 24 फरवरी को उन्होंने पूरी दुनिया से अपने पूर्वजों द्धारा आदिवासियों पर किये गये अत्याचार के लिये दुनिया से माफी मांगी। अब मीडिया के त्वरित प्रसार के युग में नौ अगस्त का महत्व और उसके पीछे छिपे दर्द का पर्दाफाश हो चुका है और यह सच आदिवासी दिवस पर सभी लोगों को जानना चाहिए।

मेरा मानना है कि यह दिन आक्रोस और दुख प्रकट करने का दिन है। इस पर हम खुशी मनाकर इस दिवस की गरिमा और हमारे समाज की पीड़ा को सही ढंग से याद नहीं करते हैं। इतिहास के पन्नों से सच निकाल कर उसका विश्लेषण कर दिया गया है। हमें इस दिन किसी भी हाल में खुशियां नहीं मनानी चाहिए।

हमारे देश में 15 नवंबर जो हमारे स्वाभिमानी मूलवासी के आदर्श भगवान बिरसा मुंडा का जन्म दिन और वर्तमान मादी सरकार ने जिसे आदिवासी स्वाभिमान दिवस घोषित किया है उस दिन हमें गर्व और खुशी मनाना चाहिए।

यूरोप के गोरों के लिये नौ अगस्त का दिन खुशी का दिन हो सकता है क्योंकि इसी दिन उन्होंने अमेरिका की धरती पर पैर रखा था लेकिन विश्व भर के मूलवासियों के लिये यह पीड़ा का दिन है।

यूरोपीय देश नये नये नरेटिव पैदा कर उसे पूरी दुनिया में फैलाने के लिये तत्पर है और वे उसमें सफल भी हो जाते हैं। उनके द्धारा पोषित एजेन्सिया भारत में विभिन्न संगठनों के माध्यम से अपने एजेंडा को पूरे देश में लागू कर भ्रम की स्थिति पैदा कर रही है। इनका काम जनजातिय संगठन को तोड़ मरोड़ कर अपने आप को स्थापित करना है। विश्व आदिवासी दिवस के नाम पर ऐसे संगठन विगत चार दशकों से सक्रिय हैं। यूरोप और दुनिया के विभिन्न देशों से धन प्राप्त कर अपनी कुत्सित दुकानदारी चलाने वाले इन संगठनोंने ही आदिवासी दिवस को प्रायोजित किया है। आखिर आदिवासी यातना के इस बुरे दिन नौ अगस्त को आदिवासी दिवस मनाने के पीछे क्या तर्क है?

देश के भोले और सरल आदिवासी समुदाय और समाज इनके गलत चालों का अनजाने में शिकार हो गया है और कथित आदिवासी दिवस के नाम पर इतराता, इठलाता, झूमता अपने सभ्यता की बर्बादी के दिवस की तारीख नौ अगस्त में अपना अस्तित्व और पहचान तलाश रहा है। यह गंभीर चिंतन का विषय है।

(लेखक भाजपा जनजातिय मोर्चा के प्रांतीय अध्यक्ष सह पूर्व विधायक हैं।)

खास बात

पाक पर शक

आर.के. सिन्हा

सोशल मीडिया पर सीमा और अंजू की मोहब्बत से जुड़ी कहानियों को चटकारे लगाकर पेश किया जा रहा है। पर इस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है कि कहीं इन दोनों के कथित इश्क में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों का कोई रोल तो नहीं है। ये आप सभी जानते हैं कि सीमा एक पाकिस्तानी महिला है। उसका ग्रेटर नोएडा के सचिन नाम के नौजवान से सोशल मीडिया पर इश्क का परवान चढ़ा तो वो अपना वतन और शौहर को छोड़कर नेपाल होते हुए अपने प्रेमी के पास आ गई। वो अपने साथ अपने बच्चों को भी ले आई। उधर, राजस्थान के भिवाड़ी में रहने वाली दो बच्चों की मां अंजू पाकिस्तान चली गई अपने प्रेमी से मिलने। वहां उसने निकाह के बाद इस्लाम धर्म को कुबूल भी कर लिया । अब अंजू हो गई है फातिमा। अंजू की फेसबुक के जरिये पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वाह प्रान्त में रहने वाले 29 साल के नसरूल्लाह से दोस्ती हुई थी, यह बताया जा रहा है । एक दुश्मन देश की नागरिक का अपने चार छोटे बच्चों के साथ नेपाल से बिना किसी अवरोध या मदद के या गतिरोध ग्रेटर नोएडा तक आसानी से पहुंचना गंभीर सवाल तो खड़े करता ही है। इसी तरह से नेपाल के रास्ते पाकिस्तान के आतंकवादियों को भारत में कत्लेआम मचाने के लिए भी तो भेजा जा सकता है। पाकिस्तान ने 2008 में मुंबई में यही तो किया था। उसके बाद मुंबई हमेशा-हमेशा के लिए बदल गई।

26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने समुद्री मार्ग से मुंबई में प्रवेश किया और अचानक मुंबई के बाजार और चौराहों पर हमला कर दिया। उस आतंकी हमले में सैकड़ों लोगों की जान चली गई और हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति तबाह हो गई। इसके बावजूद पाकिस्तान में उस हमले के मास्टर माइंड खुलेआम घूम रहे हैं। अगर कोई सोच रहा है कि मुंबई हमलों के बाद सब कुछ शांत हो गया था, तो वे फिर पठानकोट और उसके बाद उरी की घटनाओं को भी जरा याद कर लें। पाकिस्तान किसी भी रास्ते से भारत की पीठ पर वार कर सकता है। क्या यह संभव नहीं है कि पाकिस्तान की ही खुफिया एजेंसियों ने ही सीमा को भारत में भेजा हो ताकि टोह ली जा सके।

व्यक्ति का भाव

धर्म-प्रवाह

श्रीराम शर्मा आचार्य

आवेश प्रधान व्यक्ति का हर काम उतावली से भरा होता है। वह अपने कामों में आवश्यक धैर्य तथा संतुलन नहीं रख पाता। समय से पूर्व फल की आकांक्षा करने पर जब वह पूरी नहीं होती, तब उत्तेजित होकर खीझ उठता है। तब वह या तो अपने कर्त्तव्य कर्म से चिढ़ने लगता है अथवा समाज को दोषी मान कर द्वेष करने लगता है और बदले में अपने विरोधी पैदा कर लेता है ।आवेश प्रधान व्यक्ति की बेल कभी सिरे नहीं चढ़ती। उसकी अस्त-व्यस्त गति उसके पैरों को उलझाती रहती है। उसके काम बिगड़ते अथवा कुरूप होते रहते हैं, जिससे उसे एक दिन स्वयं अपने से अरुचि हो सकती है और तब किसी ऊँचे लक्ष्य को पाना तो क्या सामान्य जीवन भी खिन्नता से भर जाता है। आवेश निश्चय ही एक मानसिक रोग है। जिसका उपचार धैर्य, संतुलन तथा स्थिरता ही है। यदि आप में आवेश की दुर्बलता है तो पहले अभ्यास एवं प्रयत्नपूर्वक उसे धैर्य, संतुलन तथा स्वयं से स्थानापन्न कर लीजिए, तब शांतिपूर्वक अपना लक्ष्य निर्धारित करिए। दिशा का निर्णय करिए और सोचे हुए सुनियोजित कार्यक्रम के अनुसार गंतव्य की ओर कदम बढाइए ।

असहनशील व्यक्ति मार्ग की उन बाधाओं तथा विरोधों से उस प्रकार नहीं निपट सकता जिस प्रकार प्रगति के महत्वाकांक्षी के लिए संभव है। विरोधों का विरोध करना होता है। अवरोधों को धकेलना होता है।

कार्टून वर्ल्ड

कैसा विकास?

साभार कॉटूनमूवमेंट डॉट काम

लेटर टू एडिटर

सर्च इंजन का भरोसा

जब भी आप सर्च इंजन में कोई शब्द या वाक्य टाइप कर उससे संबंधित जानकारी चाहते हैं तो सर्च इंजन उस शब्द या वाक्य से संबंधित पृष्ठों की एक विस्तृत सूची बनाकर आपके सामने लाकर रख देता है, जिसमें से आप अपनी जरूरत की जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध सभी वेबसाइटों के लाखों-करोड़ों पृष्ठों को अपने अंदर समेटे रहता है। **- अनिकेत, रांची**

कृषि से उम्मीद

कृषि क्षेत्र की विकास दर बढ़ाने में रबी फसलों की पैदावार, खासतौर से गेहूं की भारी पैदावार ने प्रभावी भूमिका निभाई है। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में कृषि क्षेत्र की वृद्धि तीन फीसद ही थी। इस वर्ष कृषि विकास दर में वृद्धि के साथ कृषि निर्यात की बढ़ने की भी संभावनाएं प्रबल हुई हैं। कोरोना के संकट में कृषि क्षेत्र ने देश में अनाज की कमी नहीं होने दी। **- विवेक, हजारीबाग**

जम्मू-कश्मीर में धारा 370 ने यहाँ के गरीब और वंचित को उनके अधिकार से दूर रखा। धारा 370 की समाप्ति के साथ ही यहाँ के लोगों को उनके अधिकार मिलने शुरू हुए।
- अमित शाह, गृह मंत्री

रोचक ट्वीट

आपकी सरकार ने हजारों की संख्या में नियुक्ति निकाली है। आने वाले समय में और भी नियुक्ति निकालेंगे। पहले क्वेश्चन पेपर लीक कर दिया जाता था। जिससे परीक्षा लिखने वाले युवाओं का भविष्य अधर में चला जाता था।
-हेमंत सोरेन, सीएम

आज के दिन 'स्वदेशी आंदोलन' की शुरूआत हुई थी। स्वदेशी का ये भाव सिर्फ विदेशी कपड़े के बहिष्कार तक ही सीमित नहीं था, बल्कि ये हमारी आर्थिक आजादी का बहुत बड़ा प्रेरक था।
- नरेन्द्र मोदी,पीएम

डिजिटल युग में पुस्तक पढ़ने की आदत पर जोर

अनुष्का चौधरी

उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची में राष्ट्रीय लाइब्रेरी दिवस 12 अगस्त के तत्वावधान में एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सात अगस्त से 12 अगस्त तक चलने वाले इस पुस्तक प्रदर्शनी में छात्रों में पुस्तक पढ़ने को लेकर उनकी रूचि को बढ़ाने की दिशा में ठोस कार्य किया जाएगा। इस दिशा में उर्सूलाइन इंटर कॉलेज रांची के पुरूलिया रोड स्थित परिसर के सभागार में एक विविध विषयों जैसे मोटिवेशन, ज्ञान विज्ञान, धर्म साहित्य और विविध जानकारियों से भरे पुस्तको की पदर्शनी लगायी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुरी उर्सूलाइन की प्रिंसिपल मीनाकी और सिस्टर सुशीला ने किया। देश के प्रथम लाइब्रेरीयन एस रंगनाथन की तस्वीर पर माल्यार्पण किया।

वर्तमान समय में डिजलाइजेशन के कारण छात्रों में पुस्तक पढ़ने की रूचि कम होती जा रही है। कार्यक्रम में देश के पहले लाइब्रेरीयन एस रंगनाथनकी तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। देश के पहले लाइब्रेरीय एस रंगनाथन ने 1924 में मद्रास यूनिवर्सिटी में देश के पहले लाइब्रेरीयन के तौर पर काम किया था। वे गणित विषय से पीजी थे।

वे बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में 21 वर्षो तक बतौर लाइब्रेरीयन का काम किया। 1947 में उन्होंने देश में लाइब्रेरी के विकास के 30 वर्षो के कार्यक्रम का निमार्ण किया। 27 सितंबर 1972 में बंगलूरू में उनका निधन हो गया।

रीडिंग वीक के इस कार्यक्रम में छात्रों को किसी पुस्तक के बारे में लिखने, पेंटिंग बनाने, क्राफ्ट बनाने सहित पुस्तक से जोड़ने के लिये कार्यक्रम आयोजित किये जा रहें हैं। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में इंटर कॉलेज की प्रिसिंपल डॉ मेरी ग्रेस ने छात्रों को अधिक से अधिक पढ़ने के लिये प्रेरित किया और कहा कि मोबाइल सहित डिजिटल सामग्री से मन और मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ता है प्रतिभा कुंठित होती है।

पुस्तक के महत्व पर सरोज मेम ने कविता पाठ किया। मिस वनीता ने बुक रीडिंग वीक के महत्व को रेखाकिंत किया। कार्यक्रम में आये अतिथियों को मेघा मेम ने धन्यवाद दिया।

मौलिक अधिकार से वंचित आदिवासी समाज

विश्व आदिवासी दिवस

शैलेन्द्र पाठक और चुनुलाल सोरेन

कल 9अगस्त हैं, कई राजनैतिक सामाजिक संगठन विश्व आदिवासी दिवस मनाने की तैयारी को लेकर सक्रिय हो गए हैं, आदिवासियों की उत्थान, उनकी सुरक्षा लिए वादे होंगे, कसमें होंगें। और यह दिन पार हो जायेगा , फिर सालों भर इनकी सुधि लेने वाला कोई नही होगा, आदिवासी समुदाय सीधा सदा एवं स्वाभिमानी होते है अगर कोई समस्या होती है तो किसी भी अधिकारी के पास एक या दो बार आग्रह करते हैं। अगर समाधान नहीं हुआ तो वापस अपनी पारंपरिक व्यवस्था में लग जाते हैं। ऐसा नही है कि इनके पास लड़ने भिड़ने की ताकत नही है, प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर अलग झारखंड राज्य की स्थापना तक अपनी सब कुछ न्यौछावर कर देने वाले आदिवासी समाज आज हसिए पर खड़ी है, इनके साथ सम्मान जनक व्यवहार तक नही होते, ऊपर से इनके हिस्से की सैक्षणिक, सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, जमीन में विभिन्न समुदायों द्वारा अतिक्रमण सुरु हो गया है, इसमें भी अपनी स्वार्थ के लिए सरकारें भी घी में आग लगाने का काम समय समय पर करते रहे हैं,चाहे सता पक्ष हो या विपक्ष, जिस डबल इंजन पर थोड़ी बहुत आदिवासियो को भरोसा था, वो भी मध्यप्रदेश पेसाब कांड, एवं मणिपुर की श्रमसार कर देने वाली घटना ने पानी फेर दिया। कहीं न्याय नही,जंगल महल में निवासरत आदिवासी समाज को तब उम्मीद जगी थी जब वढअ सरकार ने आदिवासियों के साथ हुवे ऐतिहासिक अन्याय को समाप्त करने के लिए अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी वन अधिकार (मान्यता अधिनियम 2006) नियम 2008 का संशोधित नियम 2012 अस्तित्व में आया, उसमे 13 दिसंबर 2005 के पहले तक वन भूमि में जोत आबाद कर रहे समुदायों को उनके व्यक्तिगत अधिकार देने का प्रावधान है, वहीं। सामुदायिक वन एवं गौण वन संसाधनों पर उसका उपयोग, बिक्री, एवं पहुंच का अधिकार के तहत ग्राम सभा को पट्टा देने का प्रावधान है, पर आज तक यह कानून झारखंड में धूल फांक रहा है, जबकि हेमंत सोरेन सरकार की चुनावी घोषणा पत्र में इसे लागू करने के लिए वायदे किए गए, राज्य सरकार का हीं आंकड़ा है जो झारखण्ड में अब तक 1 लाख से अधिक आवेदन। लंबित है, अब 2024 चुनाव सामने है, हेमंत सोरेन सरकार अब कह रहे हैं कि लागू करेंगे, जो काम पिछले 4 सालों में नहीं हो पाया वो क्या एक साल में संभव है ? जबकि ये आदिवासी समाज का मौलिक अधिकार है, कोई भीख नहीं!

(लेखक द्धय एकता परिषद व बुद्धि जीवी आदिवासी नेता राष्ट्रीय सचिव)

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

डॉ अरुण के हाथों मां तारा डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन आज

विष्णुगढ़। प्रखंड के हॉस्पिटल चौक स्थित झारखंड ग्रामीण बैंक के समीप मां तारा डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन आज होगा` उद्घाटन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी व समारोह के मुख्य अथिति अरुण कुमार के द्वारा किया जायगा` सेंटर के संचालक उमेश पाण्डेय ने बताया की डायग्नोस्टिक सेंटर में जाने-माने और सुप्रसिद्ध डॉक्टर सोनो लोजिस्ट डॉक्टर बी एन उपाध्याय द्वारा रोगियों का इलाज किया जाएगा` वही डायग्नोस्टिक सेंटर में मरीजों के लिए अनेक सुविधायें भी मुहैया करवाई जाएगी` जो इलाज और जांच के लिए लोगों को 50 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था उसकी सुविधा अब विष्णुगढ़ मे होगी` श्री पांडेय ने बताया कि 3ऊ 4ऊअल्ट्रासाउंड, कलर डॉपलर, गाइनी, थायराइड, सोनोग्राफी, स्मॉल पार्ट सोनोग्राफी, लेवल टू, एवोल्यूशन स्टडी, एनामली स्कैन, टीवीएस, स्क्रोटम, टू डी ईको,इत्यादि की सुविधाएं होगी

भराजो पंचायत सचिवालय मे किया गया संगोष्ठी का आयोजन

टाटीझरिया। प्रखंड के भराजो सचिवालय प्रांगण मे टाटीझरिया बीडीओ साइनी तिग्गा के निदेर्शानुसार ज्ञापांक 831 दिनांक 5/8/23 के आलोक मे मेरा माटी मेरा देश 9अगस्त से 15अगस्त तक कार्यक्रम अभियान चलाये जाने को लेकर भराजो पंचायत की मुखिया स्वस्तिका कुमारी के अध्यक्षता मे संगोष्ठी का आयोजन किया गयोकार्यक्रम का उद्देश्य देश के प्रति बलिदान हुए वीर सहिदों को नमन पूजा राष्ट्रीय गान करते हुए तिरंगा झंडात्तोलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है बैठक मे भराजो पंचायत रोजगार सेवक निरंजन कुमार,मुखिया पति उपेंद्र पाण्डेय गीता देवी,सोनी देवी,सुनीता देवी,समेत अन्य कई लोग उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में उपचालक गंभीर रूप से घायल

चरही। सोमवार को चरही थाना क्षेत्र के यूपी मोड़ स्थित घाटी एनएच-33 पर एक कंटेनर अनियंत्रित होकर हुए दूसरे लेन के सड़क पर जाकर पलट गई।चरही की ओर से आ रही एक खाली पिकअप वाहन में जा टकराई।चरही पुलिस को घटना की जानकारी मिलते ही चरही थाना प्रभारी विक्रम कुमार दल-बल के घटना स्थल पर पहुंचे। इन्होंने बताया कि कंटेनर नंबर आरजे14 जीएच/ 9485 कोडरमा से रांची जा रही थी। घाटी में कंटेनर का संतुलन बिगड़ गया और दूसरे लेन हुए जाकर पलट गई। उसी समय चरही से हजारीबाग जा रही पिकअप वाहन नंबर जेएच01ई के/ 48 96 को अपने चपेट में ले लिया। इस वाहन पर बैठे लोग बाल-बाल बच गए।

ठगी करने वाले दो लोग गिरफ्तार

हजारीबाग। लोहसिंघना थाना क्षेत्रअन्तर्गत न्यु मुन्ना इलेक्ट्रोनिक्स दुकान से दिनांक 20 .05 .2023 को एक ग्राहक फोन करके चार(4) ए0सी0 का ऑडर किया और दिये गये पत्ते पर भेजने के लिए बोला गया । इसी क्रम मे विश्वास मे आकर दुकानदार के द्वारा ग्राहक के दिये हुए पत्ते पर चार (4) ए0सी0 भेजवा दिये । इसके बाद ग्राहक के द्वारा फर्जी पेमेन्ट दुकानदार को किया गया जब तक दुकानदार समझ पाता ग्राहक सभी ए0सी0 को लेकर भाग गया। इस संबंध मे न्यु मुन्ना इलेक्ट्रोनिक के मालिक के आवेदन पर लोहसिंघना थाना काण्ड संख्या 139/23 दिनांक ०२ .06 .2 धारा 406/ 420/467/ 468/471/ 34 भा0द0वि0 दर्ज किया तथा उक्त ए०सी० की बरामदगी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व मे एक छापामारी टीम का गठन किया। इस टीम मे अनु०पु०पदा० श्री महेश प्रजापति, पु०अ०नि० थाना प्रभारी बिपिन कुमार यादव, पु०अ०नि० सुनिल कुमार, आ0 128 आशुतोष कुमार साहु एंव सशस्त्र बल के द्वारा तकनीकी शाखा की मदद से छापामारी किया जा रहा था। दिनांक 06 .08 .2023 को ठगी करने वाले अभियुक्त मो0 एयाज अहमद व मो0 रेहान अहमद को रांची से गिरफ्तार किया गया तथा ठगी किया गया तीन ए०सी० को बरामद किया गया तथा दो अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

वन विभाग ने चौपारण से हटाया अतिक्रमण बुलडोजर से तोड़े गये कई लाइन होटल

विभागीय कार्यवाई के बाद कई लोगों का छीना आशियाना, सैकड़ो हुए बेरोजगार

हटाया गया अतिक्रमण

अवैध रूप से निर्मित होटलों को गिराना प्रशासन की मजबूरी : प्रथम दृश्या होटलों को गिराना दुखद तो लग रहा है पर सच्चाई ये है कि वन विभाग की भूमि पर अतिक्रमण कर अवैध तरीके से बनाये गया होटल व मकान गिरना प्रशासन व विभाग के लिये मजबूरी भी था क्योंकि अगर ऐसा नही किया जाता तो विभाग पर सवालिया निशान उठता।

खबर मन्त्र संवाददाता

चौपारण। प्रखंड के सिकरकोणी जो मिनी ओरमांझी भी कहलाता था में सोमवार को वन विभाग का बुलडोजर चला और दर्जनों होटल गिरा दिया गया। यह क्षेत्र में लाइन होटल चला कर सैकड़ों लोग अपनी जीविका चलाते थे। एक ओर जहां प्रशासन की मजबूरी थी कि विभागीय आदेश का पालन किया गया वहीं दूसरे ओर सैकड़ो परिवार बेरोजगार हो गए। इस बाबत कल ही होटल संचालकों की एक टीम विधायक उमा शंकर अकेला से मिल कर मदद मांगी थी पर दूसरे दिन ही सुबह से प्रशासन का बुलडोजर होटलों को ढहाने लग गए। कहा जाता है कि अवैध रूप से बनाये गए होटलों के हटने से अवैध कारोबार रुकेगा साथ ही आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगेगी।

समय मिलना चाहिए, पुनर्वास की व्यवस्था हो: पूर्व विधायक मनोज यादव

सियरकोनी में लाईन होटल, गुमटी, टायर दुकान से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोग रोजगार से जुड़े हैं। लगभग चालीस साल से लोग वहां व्यवसाय कर रहे थे। ऐसे में बारिश में होटल व अन्य दुकान तोडने से पहले मानवता के नाते समय देना चाहिए था। अब इन्हें विस्थापित किया गया है तो इनके पूनर्वास के लिए व्यवस्था करना चाहिए। कई लोग बेरोजगार हो गए उनके लिए रोजगार की व्यवस्था होनी चाहिए। समाजेवी अशोक सिंह ने भी उठाया सवाल कहा, अब बेरोजगारों का क्या होगा?

बरही विधानसभा की जनता पुछती है क्षेत्र के विधायक से आखिर जब नली गली का मामला विधानसभा में गुंज सकता है, वनों में पट्टा देकर लोगों को बसाया जा सकता है तो सियरकोनी के दर्जनों होटल को तोड़ने से नहीं बचाया जा सकता है क्या? आज बारिश में भी दर्जनों होटल को तोड दिया गया,कल सभी ने विधायक से मिलकर बात की थी, समय मांग रहे थे होटल वाले तो ऐसे में सैकड़ों लोगों को रोजगार देने वाले, सैकड़ों घरों को चलाने वाले सियरकोनी से सभी होटल को हटा दिया गया। इसका जवाब विधायक को देना चाहिये।

एक नजर में

विष्णुपूरी में जल्द बनेगा विशाल सामूदायिक भवन: मनीष जायसवाल

सदर विधायक व अन्य

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। सदर विधायक मनीष जायसवाल नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 24 स्थित विष्णुपूरी का दौरा कर स्थानीय समस्याओं से रूबरू हुए। यहां शुभकामना शादी घर में स्थानीय लोगों के साथ चौपाल लगाकर उनकी समस्या जानी और निदान का भरोसा जताया। विधायक मनीष जायसवाल ने लोगों के बीच यह घोषणा भी किया कि जल्द ही विष्णुपूरी में एक विशाल सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जाएगा ताकि लोगों को सामाजिक कार्य प्रयोजन में सहूलियत हो सके। स्थानीय लोगों के आग्रह पर उन्होंने विष्णुपूरी शिव मंदिर जिर्णोद्धार एवं नव दुर्गा मंदिर के निर्माण कार्य की प्रगति का भी जायजा लिया और निर्माण कार्य हेतु कई सुझाव भी दिए । मौके पर स्थानीय समाजसेवी संजय सिंह, कटकमदाग विधायक प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, विधायक प्रतिनिधि इन्द्रनारायण कुशवाहा, दीपक कुमार, विकी, आलोक रंजन, मुकेश सोनी, विकास वर्मा, भैया अजय, छोटन कुमार, अरविंद कर्ण, संतोष कुमार, विश्वनाथ, नीरज कुमार, रामाशंकर अम्बाष्ठा, निर्मला देवी, राजू वर्मा, विधायक मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहें।

दिनदहाड़े गोली कांड के बाद दिन में ही चोरी

पीटीसी चौक स्थित विनायक रेसिडेंसी की घटना

जांच करने पहुंची पुलिस

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। आजकल जिला में दिन दहाड़े बहुत कुछ हो रहा है, दिन दहाड़े छिनतई, दिन दहाड़े गोली कांड के बाद दिन दहाड़े चोरो ने चोरी की घटना को बेखौफ अंजाम दिया है । सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत पीटीसी चौक स्थित बंशीधर कॉलोनी स्थित विनायक रेजीडेंसी के फ्लैट नंबर 402 में तकरीबन चार लाख से ऊपर की कैश चोर लेके रफूचक्कर हो गए। चोरो ने इस घटना को अंजाम सुबह के 10:30 बजे से लेकर दोपहर के 1:30 बजे के बीच दिया। बताया जाता है कि इस दौरान चोरो ने फ्लैट की दरवाजे के लॉक को काटा और घर के अंदर प्रवेश कर गए । भुक्तभोगी सुरजीत सिंह पिता कृष्ण कुमार सिंह कांट्रेक्टर का कार्य करते हैं । उन्होंने बताया कि सीसीटीवी कैमरा तो लगा हुआ है मगर इस कैमरे का हार्ड डिस्क गायब बताया जा रहा है। फिलहाल घटना स्तर पर सदर थाना पुलिस समेत फॉरेंसिक टीम मामले की जांच कर रही है। अब देखना लाजमी होगा इस मामले में प्रशासन तह तक पहुंच पाता है या और मामले की तरह यह मामला भी जांच तक ही सीमित रह जायेगा।

एआईएमआईएम का प्रतिनिधिमंडल ने मृतक असफाक के परिजनों से मिला

न्याय दिलाने का दिया गया आश्वासन

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी साहब निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष शाकिर साहब और प्रदेश संगठन महासचिव जनाब समीर अली मृतक असफाक के आश्रित परिजनों से मिलकर स्थिति से अवगत हुए।इस बाबत बरही विधानसभा प्रभारी सूरज दास ने अपने टीम के साथ प्रदेश से आए अतिथियों का कोनरा पंचायत भवन में जोरदार स्वागत किया। सभी लोगों ने बरही के महत्वपूर्ण मुद्दों एवं समस्याओं पर विचार विमर्श कर असफाक के घर मिलने गए, जहां घर पर पीड़ित परिवार में असफाक की मां रोती-बिलखती की स्थिति में है। उन्होनें बताया कि थाना द्वारा यूडी केश किया गया हैं। और मेरा केश नहीं कर रहे है। एआईएमआईएम झारखण्ड के प्रदेश अध्यक्ष जनाब शाकिर साहब ने असफाक खान के परिजनों को ढाढस बंधाते हुए कहा कि आपलोगों को हिम्मत नहीं हारना है, आपको न्याय जरूर मिलेगा। इस केश को हमारे बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी साहब देख रहे हैं। पीड़ित परिवार हिम्मत नहीं हारे, इस केश को लड़ने के लिए हम और हमारी पार्टी अपने खर्च से लड़ेगी। चाहे उच्च न्यायालय जाना पड़े या सुप्रीम कोर्ट जाना पड़े।किसी भी हालत में हत्यारों को छोड़ा नहीं जाएगा। प्रदेश संगठन महासचिव जनाब समीर अली साहब ने कहा कि पूर्व दिन हुए राँची के विधानसभा घेराव में असफाक के मामले पर सरकार से मुआवजे और नौकरी की बात कही गई है।उन्होंने कहा कि हम और हमारी पार्टी आपके साथ है न्याय के लिए लड़ेंगे और जीतेंगे। विधानसभा प्रभारी सूरज दास ने कहा कि असफाक की हत्या हुए आज करीब 20 दिन हो गये और पीड़ित परिवार को बरही पुलिस प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर मात्र सांत्वना देते रहे लेकिन अब पीड़ित परिवार को यूडी केश (अप्राकृतिक मौत) बताया जा रहा है। इससे साफ होता है कि सच्चाई पर पर्दा दिया जा रहा है और पुलिस हत्यारे को संरक्षण दे रही है।

मृतक के परिजनों से मिलते

उन्होंने कहा की एफआईआर दर्ज नहीं होना चिंता का बिषय है। मौके पर झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष मो शाकिर, प्रदेश संगठन महासचिव समीर अली, बरही विधानसभा प्रभारी सूरज दास, बरही प्रखण्ड अध्यक्ष नसीम अंसारी उर्फ चांद, बरही प्रखण्ड उपाध्यक्ष उमेश कुमार यादव, प्रखण्ड सचिव गुलाम कादिर, महासचिव रफीक अंसारी, जुनैद अंसारी, मेराज अंसारी, राजू भाई, सराज अंसारी, मिनहाज अंसारी, नसीम अंसारी आदि उपस्थित रहे।

झामुमो ने सदस्यता अभियान चलाया 50000 सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित

खबर मन्त्र संवाददाता

बड़कागांव। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के पतरातू, बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंड में सदस्यता अभियान कार्य का शुभारंभ किया गया है। बतौर मुख्य अतिथि झामुमो केंद्रीय सचिव सह झारखंड परिवहन प्राधिकार सदस्य व हजारीबाग जिले के मुख्य संयोजक संजीव कुमार बेदिया ने उरीमारी जराजरा से सदस्यता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया।वही नए सदस्यों को पर्ची भरकर झामुमो का सदस्य बनाने का कार्य किया गया। इस दौरान संजीव बेदिया ने सभी वरिष्ठ झामुमो कार्यकताओं को गांव मोहल्ला टोला चौक चौराहे में घूम घूम कर झामुमो पार्टी में नए सदस्यों को जोड़ने का निर्देश दिया है। श्री बेदिया ने कहा की बड़कागांव विधानसभा में 50,000 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित है। 2024की लोकसभा और विधानसभा की तैयारी चल रही है। सदस्यता अभियान में राजेंद्र बेदिया, शंकर साव, संजय भुईयां, नंदकिशोर भुइयां के अलावा कई झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कौशल विकास प्रशिक्षण की हुई शुरूआत

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व अन्य

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। संप्रेक्षण गृह में अध्ययनरत बच्चे अब हुनरमंद बन सकेंगे। इस कड़ी में जेएसएलपीएस के सहयोग से कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत मोबाइल रिपेयरिंग व सर्विसेज प्रशिक्षण की शुरूआत की गई है। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन के द्वारा केंद्रीय सहायता मद से किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत जेएसएलपीएस हजारीबाग के कुशल प्रशिक्षक द्वारा गृह में आवासित विधि विवादित किशोरों को मोबाइल रिपेयरिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौरव खुराना के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मौके पर गृह की अधीक्षक सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो, जेएसएलपीएस हजारीबाग की जिला कार्यक्रम पदाधिकारी शान्ति मार्डी, किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य विनिता जैन, विधि सह परिवीक्षा पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी संजय प्रसाद व गृह के सभी कर्मी मौजूद थे।बच्चों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि गौरव खुराना ने कहा कि आज मोबाइल रिपेयरिंग के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। बच्चे इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो ने आश्वस्त किया कि संप्रेक्षण गृह के बच्चों के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम इसी प्रकार आगे भी चलाने की योजना है।

जिसके तहत बच्चों को घरेलू उपकरण जैसे फ्रीज, वाशिंग मशीन, एयरकंडीशनर, मिक्सी, ओवन आदि के रिपेयरिंग का प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिससे कि बच्चे जब छूट कर घर जाएं तो उनमें इतनी कुशलता हो कि वे इसे जीविका के रूप में अपना सकें। कार्यक्रम में मंच संचालन शिक्षक नवीन कुमार ने किया।

'बडी स्पीक्स डिकोडिंग वाइटल साइन्स' नामक व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। जयनगर पंचायत भवन में सोमवार को पीवीयूएनएल द्वारा आयोजित 'बडी स्पीक्स डिकोडिंग वाइटल साइन्स' नामक व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जयनगर और बलकुदरा गांवों के आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, एएनएम और पीआरआई सदस्यों सहित लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कहा गया कि कर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और पुनर्वास (सीएसआरफ/आरएंडआर) समूह के नेतृत्व में इस पहल का उद्देश्य प्राथमिक स्वास्थ्य कर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल के लिए महत्वपूर्ण संकेतों की जानकारी देना था। प्रशिक्षण सत्र में पीवीयूएनएल स्वास्थ्य केंद्र की मेडिकल टीम ने महत्वपूर्ण संकेतों के महत्व और किसी व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य का आकलन करने में उनकी भूमिका को समझाया। साथ ही आकर्षक प्रदर्शनों के माध्यम से प्रतिभागियों को दिखाया गया कि आधुनिक उपकरणों की एक श्रृंखला का उपयोग करके महत्वपूर्ण संकेतों को सटीक रूप से समझा जा सकता है। प्राथमिक स्वास्थ्य कर्मियों ने विचारोत्तेजक प्रश्न पूछे। इस पर चिकित्सा टीम की ओर से विशेषज्ञ प्रतिक्रियाएं आई। जिससे एक सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा मिला।

कार्यक्रम में मौजूद मुखिया विजय मुंडा, कंपनी के अधिकारी व अन्य

प्रखंड के किसानों की पीड़ा असहनीय : शैलेश कुशवाहा

भाजपा किसान मोर्चा के महामंत्री शैलेश कुशवाहा

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। पतरातू प्रखंड में चार धान अधिप्राप्ति केंद्रों पर किसानों ने अपना मेहनत से कमाई धान फसल को बेचा। लेकिन 8 माह बीत जाने के बाद भी उन्हें राशि का भुगतान नहीं हुआ। इससे किसानों में काफी उदसी छाई हुई है। उक्त जानकारी देते हुए बिरसा चौक भुरकुंडा निवासी सह किसान मोर्चा के भाजपा भुरकुंडा मंडल महामंत्री शैलेश कुशवाहा ने बताया कि किसानों ने हरिहरपुर, देवरिया, पालू व बरकाकाना पैक्स में धान खरीद केंद्र में अपनी मेहनत से उगाई धान के फसल को सरकारी दर पर बेचा था। परंतु 8 माह बाद भी उन किसानों को दूसरी किस्त और बोनस की राशि अब तक नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि धान का विहीन लगाने के वक्त उन्हें पैसे प्राप्त नहीं हुए। अल्प बारिश के कारण किसी तरह वह अपने फसल लग रहे हैं। ऐसे समय में भी किसानों को झारखंड सरकार से पैसे नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण प्रखंड के हजारों किसानों का आर्थिक स्थिति काफी खराब हो गई है। श्री कुशवाहा ने बताया कि किसानों का कहना है कुछ रुपया कम ही सही बिचौलिए नगद पैसे दे देते थें। लेकिन झारखंड सरकार 8 माह बाद भी पैसा नहीं दे पा रही है। मुख्यमंत्री सूखा राहत के लिए भी अगले वर्ष आवेदन दिया गया था। लेकिन उसका भुगतान भी आज तक नहीं हुआ।

आप सभी खिलाड़ी हजारीबाग के गौरव हो : चौथे

एथलेटिक्स चैंपियनशिप के सफल खिलाड़ियों को पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। प्रथम झारखंड स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप अंडर 18 एवं 20 बालक बालिका प्रतियोगिता 15 एवं 16 जुलाई को चंदनक्यारी बोकारो में आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में हजारीबाग जिला के एथलीट के कई खिलाड़ी भाग लिए थे। खिलाड़ियों की जीत की सफलताओं के बाद सोमवार को पुलिस अधीक्षक के आवासीय कार्यालय में पुलिस अधीक्षक मनोज रतन चौथे ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

संघ के द्वारा सभी खिलाड़ियों को पुलिस अधीक्षक के हाथों टी-शर्ट प्रदान कराया गया। प्रतियोगिता के दौरान हजारीबाग के खिलाड़ी अंडर 20 बालक वर्ग में प्रदीप कुमार 800 मीटर में तृतीय स्थान एवं 1500 मीटर में भी तृतीय स्थान प्राप्त किए हैं।अंडर 18 बालक वर्ग में दीपक कुमार महतो तीन हजार मीटर में प्रथम एवं 1500 मीटर में तृतीय स्थान अब्दुल लतीफ 110 मीटर बाधा दौड़ मे तृतीय स्थान प्राप्त किए, अंडर 20 बालिका वर्ग में धानु कुमारी 400 मीटर में प्रथम स्थान एवं 200 मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त किए 18 वर्ष के बालिका इसमें नेहा कुमारी 800 मीटर में द्वितीय स्थान एवं 1500 मीटर में द्वितीय स्थान सिम्मी कुमारी एवं टीम ने मिडले रिले में तृतीय स्थान एवं प्रीति लाकड़ा ट्रिपल जंप प्रथम स्थान एवं लॉन्ग जंप में द्वितीय स्थान प्राप्त किए प्रीति लकड़ा को व्यक्तिगत अंडर-18 बालिका वर्ग में बेस्ट एथलीट से सम्मानित किया गया था।मौके पर पुलिस अधीक्षक मनोज रतन चौथे ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी खिलाड़ी हजारीबाग के गौरव हो। हम सब आपके साथ सदैव खड़े हैं आप अपने लक्ष्य की और हमेशा अग्रेषित रहे। युवा समाजसेवी सह ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा ने कहा की आपकी सफलता के साथ हजारीबाग भी सफल हो रहा है। जिस तरह आप खिलाड़ी हजारीबाग का नाम रौशन कर रहे हैं। हम सब सदैव आपके साथ खड़े हैं। मौके पर हजारीबाग एथलेटिक्स संघ के सचिव अजीत कुमार, साबिर हुसैन, प्रभात रंजन तिवारी, अनुकंपा रूंडा, अनवर हुसैन , प्रियरंजन कुमार सिंह, रवि कुमार, राहुल कुमार ,मिथिलेश कुमार सिंह, मुकेश कुमार मुदस्सिर खान, सी दास, भैया मुरारी सिन्हा सहित कई लोग मौजूद थे।

पुलिस अधीक्षक, हर्ष अजमेरा व अन्य

निलांचन आयरन पॉवर लिमिटेड की कार्यशैली पर मुखिया ने उठाये सवाल

केरेडारी। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पाण्डु की मुखिया सकीबा खातून ने सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की है कि आयरन पॉवर लिमिटेड डुमरी कोल ब्लॉक द्वारा अधिग्रित जमीन रैयतों को वापस कर दी जाए। मुख्य मंत्री को सौंपे मांग पत्र में मुखिया ने कहा है कि केरेडारी प्रखंड अंतर्गत ग्राम पाण्डु बलिया में निलांचन आयरन पॉवर लिमिटेड को डुमरी कोल माइंस के नाम से भारत सरकार द्वारा जमीन अधिग्रहण कर कोयला खनन कार्य के लिए वर्ष 2009-10 में उक्त क्षेत्र अधिग्रहित किया गया था। परंतु निर्धारित समय सीमा के गुजर जाने के बाद भी कोयला खनन का कार्य निलांचन आयरन पॉवर लिमिटेड द्वारा नहीं किया जा सका। भू रैयतों का बड़ी मात्रा में जमीन निलांचन पॉवर लिमिटेड के पास है। उक्त गांव की जमीन पर कंपनी द्वारा किसी प्रकार का कोई कार्य नहीं किया गया है। इसलिए कंपनी द्वारा अधिगृहीत जमीन भू-रैयतों को वापस कर दिया जाय। उक्त मांग पत्र की प्रतिलिपि अल्पसंख्यक कल्याण निबंधन और पर्यटन मंत्री हफीजुल हसन एवं उपायुक्त हजारीबाग को भी दी गई है। इसकी जानकारी मुखिया सकिबा खातून ने दी।

आज भी विकास की बात पर क्यों सहम जाता हैं देश का आदिवासी समाज

आज भी जब भी और जहां भी विकास की बात होती है, आदिवासी सहम और डर जाते हैं, सरकार पर विश्वास नहीं होता। पहले ही आदिवासी इतना भुगत चुके हैं कि इससे उबर तक नहीं पाये।

विकास होना चाहिए, लेकिन आदिवासियों को उजाड़ने की कीमत पर नहीं। आदिवासी का एक वर्ग पढ़-लिख कर नौकरियों में भी आया है, लेकिन ये पूरे आदिवासी समाज का

चेहरा नहीं हैं बहुसंख्यक आदिवासी आज भी बदहाल हैं सरकार इनके लिए जो भी कानून या अधिकार देने की बात करती है, वह ग्रास रूट तक नहीं पहुंच पाता। वन अधिकार का कानून आया।

राजेन्द्र विजय

अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस सिर्फ उत्सव मनाने के लिए नहीं, बल्कि आदिवासी अस्तित्व, संघर्ष, हक-अधिकारों और इतिहास को याद करने के साथ-साथ जिम्मेदारियों और कर्तव्यों की समीक्षा करने का भी दिन है। आदिवासियों को उनके अधिकार दिलाने और उनकी समस्याओं का निराकरण, भाषा संस्कृति, इतिहास आदि के संरक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा 9 अगस्त 1994 में जेनेवा शहर में विश्व के आदिवासी प्रतिनिधियों का विशाल एवं विश्व का प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय आदिवासी सम्मेलन आयोजित किया। इसके बाद विश्व के सभी देशों में अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस को मनाया जाने लगा, पर अफसोस भारत के आदिवासी समुदाय आज भी उपेक्षित है।

आदिवासी बहुल क्षेत्र में आदिवासी समाज का अपनी धरोहर, अपने पारंपरिक सामाजिक मूल्यों और अधिकारों के साथ ही विकास हो, इसके लिए भारतीय संविधान ने प्रावधान किये गये हैं। आदिवासी समाज को जल-जंगल-जमीन विहीन होने से बचाने के लिए कानून भी बनाये गये। ये कानून न तो अंग्रेजों का उपहार है और न ही भारत के शासकों की आदिवासी हित-चिंता के प्रमाण है। बल्कि यह आदिवासी नायकों जैसे बिरसा मुंडा, तात्या टोपे के संघर्ष की देन है। आजाद भारत में आदिवासी समुदाय को वोट बैंक मानते हुए सरकारें उनके कल्याण की योजनाएं एवं कानून तो बनाती रही है, लेकिन हर बार आदिवासी समाज ठगा ही गया है, उसके प्रतिकूल ही हुआ है।

जल, जंगल और जमीन के मालिक आदिवासी हैं, इससे इनका अस्तित्व जुड़ा है। यूएनओ ने भी माना है कि इस पर आदिवासियों का हक है। यही नहीं, जमीन के अंदर के खनिज के मालिक भी आदिवासी हैं। भारत सरकार एवं प्रांतों की सरकारें आदिवासियों के हितों की बात तो बहुत करती हैं, लेकिन इनके भविष्य को बचाने के लिए गंभीरता नहीं दिखाती। आदिवासी समुदाय की जमीनों पर ही सरकारों की नजरें टिकी रहती है।

जंगल के जंगल उजड़ रहे हैं। आदिवासी अपनी जमीन से बेदखल हो रहे हैं सरकार मानने के लिए तैयार ही नहीं है कि आदिवासियों का भविष्य जमीन से जुड़ा है। आजादी के बाद देश का विकास हुआ, विकास होना भी चाहिए, लेकिन इसकी सबसे ज्यादा कीमत आदिवासियों ने चुकायी, बोकारो स्टील हो, एचइसी हो, राउरकेला स्टील प्लांट हो, सभी जगह उस क्षेत्र के आदिवासी विस्थापित हुए, आज इनकी हालत कोई इन गांवों में जाकर देखे, जमीन से बेदखल होने के बाद आदिवासी कहीं के नहीं रहे, विस्थापन का ख्याल सरकारों ने नहीं किया। बल्कि सरकारें इसके विपरीत रणनीतियां बना रही है। ऐसी ही कुचेष्ठा गुजरात में होती रही है। असंवैधानिक एवं गलत आधार पर गैर-आदिवासी को आदिवासी सूची में शामिल किये जाने एवं उन्हें लाभ पहुंचाने की गुजरात की वर्तमान एवं पूर्व सरकारों की नीतियों का विरोध इनदिनों गुजरात में आन्दोलन का रूप ले रहा है। सौराष्ट्र के गिर, वरड़ा, आलेच के जंगलों में रहने वाले भरवाड़, चारण, रबारी एवं सिद्धि मुस्लिमों को इनके संगठनों के दवाब में आकर गलत तरीकों से आदिवासी बनाकर उन्हें आदिवासी जाति के प्रमाण-पत्र दिये गये, इस ज्वलंत एवं आदिवासी अस्तित्व एवं अस्मिता के मुद्दे पर सत्याग्रह हो रहा हैं। अनेक कांग्रेसी एवं भाजपा के आदिवासी नेता भी उसमें शामिल हैं। गुजरात के आदिवासी जनजाति से जुड़े राठवा समुदाय में उनको आदिवासी न मानने को लेकर गहरा आक्रोश है। इन विकराल होती संघर्ष की स्थितियों पर नियंत्रण नहीं किया गया तो यह न केवल गुजरात सरकार बल्कि केन्द्र सरकार एवं अन्य प्रांतों की सरकारों के लिये एक बड़ी चुनौती बन सकता है। हाल ही में सम्पन्न गुजरात विधानसभा के चुनाव में आदिवासी समाज की नाराजगी का साफ असर दिखाई दिया। अन्यथा भाजपा जिस शानदार जीत का दावा कर रही थी, वह संभव हो सकता था। हर बार चुनाव के समय आदिवासी समुदाय को बहला-फुसलाकर उन्हें अपने पक्ष में करने की तथाकथित राजनीति इस बार असरकारक नहीं रही। क्योंकि गुजरात का आदिवासी समाज बार-बार ठगे जाने के लिए तैयार नहीं है। इस प्रांत की लगभग 23 प्रतिशत आबादी आदिवासियों की हैं। देश के अन्य हिस्सों की तरह गुजरात के आदिवासी दोयम दर्जे के नागरिक जैसा जीवन-यापन करने को विवश हैं। यह तो नींव के बिना महल बनाने वाली बात हो गई। आदिवासी समुदाय को बांटने और तोड़ने के व्यापक उपक्रम चल रहे हैं जिनमें अनेक राजनीतिक दल अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए तरह-तरह के घिनौने एवं देश को तोड़ने वाले प्रयास कर रहे हैं। आदिवासी के उज्ज्वल एवं समृद्ध चरित्र को धुंधलाकर राजनीतिक रोटियां सेंकने वालों के खिलाफ हो रहे आन्दोलन को राजनीतिक नजरिये से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। तेजी से बढ़ते आदिवासी समुदाय को विखण्डित करने का यह बिखरावमूलक दौर देश के लिये गंभीर समस्या बन सकता है। एक समाज और संस्कृति को बचाने की मुहीम के साथ कोई अभिनव योजना या घोषणा अन्तर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस पर केन्द्र सरकार करें जिससे आदिवासी समुदाय के लिये कोई सकारात्मक जमीन तैयार हो सके, ऐसी अपेक्षा है।आजादी के सात दशक बाद भी देश के आदिवासी उपेक्षित, शोषित और पीड़ित नजर आते हैं। राजनीतिक पार्टियाँ और नेता आदिवासियों के उत्थान की बात करते हैं, लेकिन उस पर अमल नहीं करते। आज इन क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार एवं विकास का जो वातावरण निर्मित होना चाहिए, वैसा नहीं हो पा रहा है।

इस पर कोई ठोस आश्वासन इन निर्वाचित सरकारों से मिलना चाहिए, वह भी मिलता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है।

संभव है मुख्यधारा में लाना

डॉ. पुरुषोत्तम मीणा 'निरंकुश'

आजादी के तत्काल बाद संविधान में सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक रूप से सर्वाधिक कमजोर जिन दो वर्गों या समूहों को चिह्नत किया गया था, उनमें एक आदिवासी वर्ग है, जिसे संविधान में 'अनुसूचित जनजाति' कहा गया था, संविधान में उसे दलित के समकक्ष खड़ा कर दिया थो इसके चलते वर्तमान में आदिवासी वर्ग देश का सर्वाधिक शोषित, वंचित और फिसड्डी वर्ग/समूह बना दिया गया है

बेशक आदिवासी को आज नक्सलवाद से जोड़कर देखा जा रहा है, जो दुःखद है, लेकिन इसका एक लाभ भी हुआ है कि आज छोटे-बड़े सभी राजनैतिक दल और केन्द्र तथा राज्य सरकारों को यह बात समझ में आने लगी है कि आजादी से आज तक

उन्होंने भारत के मूलनिवासियों के साथ केवल अन्याय ही किया है जिसकी भरपाई करने के लिये अब तो कुछ न कुछ करना ही होगा!

हालांकि आज अनेक राजनैतिक दल, कुछ राज्यों की सरकारें तथा केन्द्र सरकार भी आदिवासियों के उत्थान के प्रति संजीदा दिखने का प्रयास करती दिख रही हैं, लेकिन हकीकत यह है कि इन सबकी ओर से आदिवासियों के विकास तथा उत्थान के बारे में सोचने का काम वही भाड़े के लोग कर रहे हैं, जिनकी वजह से आज आदिवासी की ये दुर्दशा हुई है सरकार या राजनैतिक दल या स्वयं आदिवासियों के नेताओं को वास्तव में कुछ करना है तो उन्हें आदिवासियों के अवरोधकों को पहचाना होगा, जो उनके विकास एवं प्रगति में सर्वाधिक बाधक रहे हैं जैसे-

1. पिछले कुछ वर्षों में आदिवासी इलाकों में नक्सलवादी एवं माओवादी जिस प्रकार से अपराध और अत्याचार कर रहे हैं, उनके साथ में बिना किसी पुख्ता जानकारी के आदिवासियों का नाम जुड़ना आदिवासियों के प्रति आम भारतीय के मन में नफरत पैदा करता है जिसके चलते आदिवासी दोहरी तकलीफ झेल रहा है एक ओर तो नक्सली एवं माओवादी उनका शोषण कर रहे हैं दूसरी ओर सरकार एवं आम भारतीय आदिवासी को माओवाद एवं नक्सलवाद का समर्थक मानने लगा है

2. देश के तथाकथित राष्ट्रीय प्रिण्ट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया तथा वैकल्पिक मीडिया में देश के हर हिस्से, हर वर्ग और हर प्रकार की समस्या की खूब चर्चाएँ की जाती हैं यहाँ तक कि दलितों, स्त्रियों पर तो खूब चर्चाएँ होती है, लेकिन भाड़े के लोक सेवकों की औपचारिक चर्चाओं के अलावा कभी सच्चे मन से आदिवासियों पर कोई ऐसी चर्चा नहीं होती जिसमें जड़ों से जुड़े आदिवासी भागीदारी करें और देश के मूलनिवासियों के उत्थान की सकारात्मक बात की जावे!

3. आदिवासियों का दुर्भाग्य है कि दलितों की भांति आदिवासियों को आज तक एक ऐसा सच्चा और समर्पित आदिवासी नेता नहीं मिल पाया जो उनके लिये सच्चा आदर्श बन सके आजादी के बाद आदिवासी वर्ग के बहुत से नेता बहुत हुए हैं, लेकिन वे आदिवासी नेता होने से पूर्व वे कॉंग्रेसी, जनसंघी, भाजपाई या अन्य दल के नेता पहले होते हैं ऐसे लोगों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान, महत्व और आदिवासी के हृदय में सम्मान मिलना असम्भव है इस प्रकार राष्ट्रीय नेतृत्व के अभाव में आदिवासी राजनैतिक दलों की कूटचालों में बंट कर बिखर गया है

4. देश में जितने भी दलित-आदिवासियों के संयुक्त संगठन या मंच हैं, उन सब पर केवल दलितों का कब्जा रहा है दलित नेतृत्व ने आदिवासी नेतृत्व को सोची समझी साजिश के तहत उभरने ही नहीं, दिया इस कारण एसी/एटी वर्ग की योजनाओं का निर्माण एवं क्रियान्वयन करने वाले दलितों ने आदिवासियों के हितों पर सदैव कुठारघात किया है आदिवासी के लिये घड़ियाली आँसू जरूर बहाये हैं

5. आदिवासी पहाड़ों और नदियों के मध्य जंगलों में निवास करता आया है उनका जीवन विभिन्न प्रकार की खनिज संपदा से भरपूर की पहाड़ियों के ऊपर भी रहा है जिनपर धन के भूखे भेड़िये कार्पोरेट घरानों की सदैव से नजर रही है जिसके चलते आदिवासियों को अपने आदिकालीन निवासों से पुनर्वास की समुचित नीति या व्यवस्था किये बिना बेरहमी से बेदखल किया जाता रहा है

6. हमारे देश में औद्योगिकीकरण को बढावा देने के नाम पर आदिवासियों के आजीविका के साधन प्राकृतिक जल, जमीन और जंगलों को उजाड़कर, उनके स्थान पर बड़े-बड़े बांध बनाये गये हैं और खनिजों का दोहन किया जा रहा है जिसके चलते आदिवासियों का अपने आराध्यदेव, उनके अपने पूर्वजों के समाधिस्थलों से हजारों वर्ष का अटूट श्रृद्धा से जुड़ा सम्बन्ध विच्छेद किया जा चुका है शहर में सड़क के बीचोंबीच स्थित छोटे से मन्दिर को सरकार तोड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाती, लेकिन लाखों-करोड़ों आदिवासियों के आस्था के केन्द्र जलमग्न कर दिये!

7. सरकारी शिक्षण संस्थानों और सरकारी सेवाओं में जनजातियों के लिये निर्धारित एवं आरक्षक्षित पदों का बड़ा हिस्सा धर्मपरिवर्तन के बाद भी आदिवासी वर्ग में गैर-कानूनी रूप से शामिल (क्योंकि ईसाईयत जातिविहीन है) पूर्वोत्तर राज्यों के अंग्रेजी में पढने वाले ईसाई आदिवासियों को मिल रहा है

8. आज भी वास्तविक आदिवासियों का का उच्च स्तर की सरकारी सेवाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है और न ही उनकी अपनी असली राजनीतिक ताकत है इसके चलते आज भी आदिवासियों से सम्बन्धित हर सरकारी विभाग के अफसर आदिवासियों पर जुल्म ढहाते रहते हैं जो कुछ मूल आदिवासी उच्च पदों पर पहुँच पाते हैं, उनमें से अधिकांश को अपने निजी विकास और एश-ओ-आराम से ही फुर्सत नहीं है, अपवादस्वरूप कुछ अफसर अपने वर्ग के लिये कुछ करना चाहें तो ऐसे अफसरों की गोपनीय चरित्रावलियॉं लाल स्याही से रंग दी जाती हैं

9. आदिवासी आज भी जंगलों, पहाड़ों, और दूर-दराज के क्षेत्रों तक ही सीमित हैं वहीं उनके हाट-बाजार लगते हैं, जिनमें उनका सरेआम हर प्रकार का शोषण और उत्पीड़न होता रहा है इसके चलते आदिवासी राजनैतिक दलों के साथ सीधे तौर पर नहीं जुड़ पाया और दलगत राजनीति करने वाले आदिवासी राजनेताओं आदिवासी वर्ग के साथ अधिकतर धोखा ही किया है इस कारण आदिवासी आज तक वोट बैंक के रूप में अपनी पृथक पहचान बनाने में कामयाब नहीं हो सका है

10. आज भी आदिवासी परम्परागत ज्ञान और हुनर के आधार पर ही अपनी आजीविका के साधन जुटाता है लेकिन धनाभाव तथा शैक्षणिक व तकनीक में पिछड़ेपन के कारण आदिवासी विकास की चमचमाती आधुनिक धारा का हिस्सा चाहकर भी नहीं बन पाया है इस कारण उनके उत्पाद मंहगे होते हैं, जिनकी सही कीमत और महत्ता नहीं मिल पाती है

11. अधिकतर आदिवासी मूल रूप से संकुचित स्वभाव के होते हैं जिसके अनेक ऐतिहासिक कारण रहे हैं, लेकिन इसके कारण वे लोगों से पूरी तरह से घुलमिल नहीं पाते हैं, जबकि आदिवासी क्षेत्रों में जो भी सरकारी स्कूल संचालित किये जा रहे हैं, उनके अधिकतर शिक्षक गैर-आदिवासी होते हैं, जो उस क्षेत्र के लोगों की भाषा से अपरचित होते हैं या वे आदिवासियों के प्रति संजीदा नहीं होने के कारण पढाते समय आदिवासी बोली में पढाने पर ध्यान

जल-जंगल-जमीन से लगाव ही उनका अपराध है?

हम नौ अगस्त को अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस मनाते हैं, लेकिन इसमें भारत सरकार का क्या योगदान है? क्या बिरसा मुंडा के जन्म दिवस को राष्ट्रीय आदिवासी दिवस घोषित नहीं किया जाना चाहिए? अफसोस की बात तो यह है कि आदिवासियों को अपने अस्तित्व एवं अस्मिता के महत्व और उपयोगिता के बारे में अवगत कराने वाला कोई विशेष अवसर या आयोजन नहीं है? उन्हें तो दो वक्त की रोटी जुटाने की जद्दोजहद से फुर्सत ही नहीं मिलती कि वे समझ सके कि आदिवासी संस्कृति एवं जीवनशैली का संदेश क्या है। भारत के आदिवासी समुदाय के समग्र विकास, कल्याण और अधिकारों की रक्षा के लिए योजनाबद्ध ढंग से काम किये जाने की अपेक्षा है। ताकि आदिवासी मुख्यधारा में आकर अपने समक्ष खड़े ढेर सारे सवालों को हल कर सकें। लेकिन हैरत की बात है कि आदिवासियों के सारे सवाल आज और ज्यादा जटिल होकर खड़े हैं। आदिवासी उपेक्षा का ही परिणाम है कि आदिवासियों के हिस्से में ऐसे अवसर नहीं के बराबर आए जिन पर वे खुल कर खुशी जाहिर कर सके। इन वर्षों में राजनीतिक दलों ने अपनी विश्वसनीयता निरन्तर खोयी है और स्वार्थ की राजनीति के कारण नियम-कानून तोडे-मरोड़े जाते रहे हैं। चाहे वह जल, जंगल, जमीन से सम्बन्धी कानून हो या फिर विभिन्न नीतियों से सम्बन्धित कानून, सब में सबसे ज्यादा नुकसान आदिवासियों को ही उठाना पड़ा है। आज आदिवासी समुदाय अपनी पहचान, भाषा, संस्कृति, संसाधनों पर हक के लिए अन्य समस्याओं के साथ संघर्ष कर रहा है।

आज देश के आदिवासियों के पक्ष को सुनने के लिए कोई भी तैयार नहीं है। अनेक आदिवासी क्षेत्रो में तो आदिवासियों का संहार कर उनके अस्तित्व को ही मिटा दिया है। जिन क्षेत्रों में भी आदिवासी बचे हुए हैं, उन्हें अपने अस्तित्व के लिये व्यापक संघर्ष करने पड़ रहे हैं। कुछ क्षेत्रों एवं आदिवासी समुदायों में स्थितियां इतनी बिकराल हो चुकी है कि वे नक्सलवाद की तरफ बढ़ रहे हैं। मूल बात है कि आज भी आदिवासी दोयम दर्जे के नागरिक जैसा जीवनयापन क्यों करने को विवश हैं। जबकि केंद्र सरकार आदिवासियों के नाम पर हर साल हजारों करोड़ रुपए का प्रावधान बजट में करती है। इसके बाद भी 7 दशक में उनकी आर्थिक स्थिति, जीवन स्तर में कोई बदलाव नहीं आया है। स्वास्थ्य सुविधाएँ, पीने का साफ पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं आदि मूलभूत सुविधाओं के लिए वे आज भी तरस रहे हैं।

जिस प्रांत से प्रधानमंत्री एवं भाजपा अध्यक्ष आते हो, उस प्रांत में आदिवासी समुदाय की उपेक्षा और उनकी स्थिति डांवाडोल होना एक गंभीर चुनौती है। आदिवासी जन-जाति के साथ हो रहा सत्ता का उपेक्षापूर्ण व्यवहार गुजरात के समृद्ध एवं विकसित राज्य के तगमे पर एक प्रश्नचिन्ह है। देश में यह कैसी समृद्धि है और यह कैसा विकास है जिसमें आदिवासी अब भी समाज की मुख्य धारा से कटे नजर आते हैं।

सरकार की विकास योजना में संस्कृति का महत्व नहीं

सरकार आदिवासियों को लाभ पहुँचाने के लिए उनकी संस्कृति और जीवन शैली को समझे बिना ही योजना बना लेती हैं। ऐसी योजनाओं का आदिवासियों को लाभ नहीं होता, अलबत्ता योजना बनाने वाले जरूर फायदे में रहते हैं। महँगाई के चलते आज आदिवासी दैनिक उपयोग की वस्तुएँ भी नहीं खरीद पा रहे हैं। वे कुपोषण के शिकार हो रहे हैं। अत देश की बहुसंख्य आबादी आदिवासियों पर विशेष ध्यान देना होगा।

हमें यह भी समझना होगा कि एक मात्र शिक्षा की जागृति से ही आदिवासियों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आएगा। बदलाव के लिए जरूरत है उनकी कुछ मूल समस्याओं के हल ढूंढना। भारत के जंगल समृद्ध हैं, आर्थिक रूप से और पर्यावरण की दृष्टि से भी। देश के जंगलों की कीमत खरबों रुपये आंकी गई है। ये भारत के सकल राष्ट्रीय उत्पाद से तो कम है लेकिन कनाडा, मेक्सिको और रूस जैसे देशों के सकल उत्पाद से ज्यादा है। इसके बावजूद यहां रहने वाले आदिवासियों के जीवन में आर्थिक दुश्वारियां मुंह बाये खड़ी रहती हैं। आदिवासियों की विडंबना यह है कि जंगलों के औद्योगिक इस्तेमाल से सरकार का खजाना तो भरता है लेकिन इस आमदनी के इस्तेमाल में स्थानीय आदिवासी समुदायों की भागीदारी को लेकर कोई प्रावधान नहीं है। जंगलों के बढ़ते औद्योगिक उपयोग ने आदिवासियों को जंगलों से दूर किया है। आर्थिक जरूरतों की वजह से आदिवासी जनजातियों के एक वर्ग को शहरों का रुख करना पड़ा है। विस्थापन और पलायन ने आदिवासी संस्कृति, रहन-सहन, खान-पान, रीति-रिवाज और संस्कार को बहुत हद तक प्रभावित किया है। गरीबी, अशिक्षा और बेरोजगारी के चलते आज का विस्थापित आदिवासी समाज, खासतौर पर उसकी नई पीढ़ी, अपनी संस्कृति से लगातार दूर होती जा रही है। आधुनिक शहरी संस्कृति के संपर्क ने आदिवासी युवाओं को एक ऐसे दोराहे पर खड़ा कर दिया है, जहां वे न तो अपनी संस्कृति बचा पा रहे हैं और न ही पूरी तरह मुख्यधारा में ही शामिल हो पा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अक्सर आदिवासी उत्थान और उन्नयन की चर्चाएं करते हैं और वे इस समुदाय के विकास के लिए तत्पर भी हैं। क्योंकि वे समझते हैं कि आदिवासियों का हित केवल आदिवासी समुदाय का हित नहीं है प्रत्युत सम्पूर्ण देश व समाज के कल्याण का मुद्दा है जिस पर व्यवस्था से जुड़े तथा स्वतन्त्र नागरिकों को बहुत गम्भीरता से सोचना चाहिए।

स्पीड न्यूज

शिव मंदिर में उमड़ी शिव भक्तों की भीड़

भंडरा। पवित्र सावन महीने की पांचवीं सोमवारी को क्षेत्र के शिव मंदिरों में शिव भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। खराब मौसम के बावजूद शिव भक्त भोले बाबा को जल अर्पित करने पहुंचे। सुबह 5 बजे से ही बोल बम, हर-हर महादेव का नारा लगाते हुए शिव भक्त शिव मंदिरों की तरफ आने लगे थे। अखिलेश्वर धाम सहित मसमानो में बुढ़वा महादेव, भौरो शिव मंदिर, कुम्हारिया, चट्टी सहित अन्य शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ दिनभर लगी रही। शिवभक्त सोमवारी पर विशेष पूजा अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे थे। अखिलेश्वर धाम मंदिर सहित अन्य मंदिरों को आकर्षक रूप से सजाया गया था।

अभियुक्त के घर चिपकाया इश्तेहार

चैनपुर। चैनपुर पुलिस ने कांड संख्या 42/10 के प्राथमिकी अभियुक्त गोपी लोहरा ग्राम सदन बुकमा थाना चैनपुर के घर में ग्रामीणों की उपस्थिति में इश्तेहार चिपकाया और उनके परिजनों से उसे पुलिस या कोर्ट के समक्ष एक महीना के अंदर सरेंडर करने की अपील की। चैनपुर थाने के एस आई राजेश कुमार ने बताया कि न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिविल कोर्ट गुमला से निर्गत इश्तेहार को घर में चिपकाया गया है। अगर तय समय पर सरेंडर नहीं किया, तो कुर्की जब्ती की जायेगी।

हक-अधिकार के लिए एकजुट हों कुम्हार

गुमला। पालकोट रोड स्थित यूनिक फर्नीचर हाउस में जिला कुम्हार संघ की मासिक बैठक हुई। जिसमें सामाजिक कार्य का संचालन करने पर विचार विमर्श किया गया। मौके पर अध्यक्ष राजीव रंजन महतो ने कहा कि समाज के लोगों को अपने हक व अधिकार के लिए एकजुट रहना होगा। उन्होंने कहा कि जिले में समाज को आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में विकसित करने की जरूरत है। समाज के लोग बैठकों में जरूर आयें ताकि समाज की सांगठनिक व्यवस्था मजबूत बनें। बैठक में संरक्षक चतुर्गुण महतो, राजेंद्र पंडित, प्रमोद प्रजापति, उदित राम, सियाराम प्रजापति, बजरंग प्रजापति, अशवनी कुमार, बसंत प्रजापति, आनंद प्रजापति, श्रीकांत प्रजापति, शंभु प्रजापति, देवकुमार प्रजापति आदि थे।

बच्चों को दिलायें सरकारी लाभ : बीपीओ

घाघरा। प्रखंड कार्यालय परिसर के सभागार में सोमवार को शिक्षा विभाग घाघरा सरकारी विद्यालयों के पांच संकुल के शिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक बीपीओ पुष्पा टोप्पो ने की। बैठक में एमडीएम, पोषण वाटिका, प्रयास कार्यक्रम हेतु ज्ञानसेतु समूह निर्माण करने, नवोदय विद्यालय में अधिक से अधिक फॉर्म भरने, ई कल्याण में छात्रवृत्ति फॉर्म एंट्री करने, नजदीकी पोस्ट ऑफिस में खाता बच्चों का खोलने, सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना के तहत फॉर्म भरने, जन्म प्रमाण पत्र बनाने वह प्रशस्त ऐप में 6 वर्ष से 12 वर्ष के आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों का नाम जोड़ने सहित कई बिंदुओं पर चर्चा किया गया। बीपीओ ने शिक्षकों को लापरवाही नहीं करने की बात कही। कहा कि उक्त सभी कार्यों को जल्द पूरा करें। मौके पर शिक्षक विजय साहू, राजकुमार भगत, राम गोपाल कृष्ण साहू, इब्राहिम अंसारी, अमित कुमार, अशोक कुमार, अंजू कुमारी, विमला देवी, रेशमी कुमारी आदि उपस्थित थे।

टांगीनाथ धाम में किया जलाभिषेक

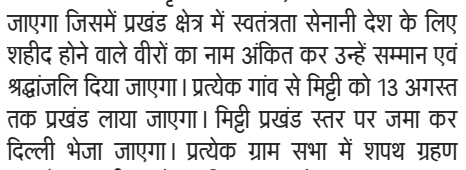

गुमला। सावन सोमवारी पर जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने डुमरी प्रखंड के प्रसिद्ध बाबा टांगीनाथ धाम में जलाभिषेक कर जिले के लोगों की सुख समृद्धि की कामना की। जलाभिषेक करने वालों में जिलाध्यक्ष चैतु उरांव, उनकी धर्मपत्नी मुनी संगीता लकड़ा, विष्णु राम, राजीव रंजन महतो, तरुण गोप, बेलसाजर मिंज, फिरासत अली भोला, नारायण रजक के नाम शामिल हैं। प्राकृतिक सुंदरता से घिरा ऊंचे ऊंचे पहाड़ों के बीच बाबा महादेव के प्राचीन शिव मंदिर बाबा टांगीनाथ धाम में सामूहिक जलाभिषेक भगवान को अर्पित कर जिला, राज्य और देश में सुखी जीवन की कामना की।

मेरी माटी मेरा देश को लेकर कार्यशाला

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड कार्यालय के सभागार में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के संबंध में जानकारी देते हुए बीडीओ डा प्रवीण कुमार ने कहा कि मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम देशएमिट्टी कि प्रेम और वीरों के सम्मान का प्रतीक है। हमारा देश वीरों की धरती है। देश के गांव .गांव की वीर गाथाएं माटी और देश के अद्भुत प्रेम का संदेश देता है।बेड़ो प्रखंड भी वीरों की धरती है इसलिए यह कार्यक्रम प्रखंड के सभी गांव के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि सभी गांव में मंगलवार को विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर गांव में अमृत वाटिका जिसके तहत 75 पौधों का पौधरोपण किया जाएगा।वही इसकी विस्तृत रूप से ग्रामीणों को जानकारी दिया जाएगा। प्रत्येक गांव में बनने वाले अमृत वाटिका में एक सिलावट भी बनाया जाएगा जिसमें प्रखंड क्षेत्र में स्वतंत्रता सेनानी देश के लिए शहीद होने वाले वीरों का नाम अंकित कर उन्हें सम्मान एवं श्रद्धांजलि दिया जाएगा। प्रत्येक गांव से मिट्टी को 13 अगस्त तक प्रखंड लाया जाएगा। मिट्टी प्रखंड स्तर पर जमा कर दिल्ली भेजा जाएगा। प्रत्येक ग्राम सभा में शपथ ग्रहण समारोह का भी आयोजन किया जाना है।

अंबिकापुर की नवविवाहिता आकांक्षा मिश्रा को पलामू में धर्म परिवर्तन कर जैनथ खातून बनाया

- यह एक गंभीर मामला है पांकी में नहीं चलेगा लव जिहाद : डॉ शशिभूषण
- गुरहा पंचायत के मुखिया व पंचायत सचिव के द्वारा आकांक्षा के पिता को धर्म परिवर्तन कर निकाह कराने की सूचना दी गई
- आकांक्षा के पिता व पति पांकी विधायक से लगायी गुहार

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। देश के विभिन्न राज्यों व जिलों में धर्म परिवर्तन का लुक्का छिपी का खेल अनवरत जारी है। धर्म परिवर्तन कराने को लेकर कई संगठन ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय हैं। लेकिन इस खेल का उजागर कभी कभी ही हो पाता है। ऐसे ही एक मामला पलामू जिला के तरहसी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गुरहा में घटित हुआ है। ज्ञात हो कि ग्राम गुरहा निवासी साजिद खान छतीसगढ़ राज्य के अंबिकापुर दरियापारा वार्ड नंबर 37 के निवासी जितेंद्र मिश्रा की नवविवाहिता पुत्री आकांक्षा मिश्रा को भिलाई से अगवा कर अपने गांव लाकर मुस्लिम धर्म गुरू एवं मुखिया के सहयोग से उक्त लड़की का धर्म परिवर्तन कराकर उसे जैनथ खातून नाम दिया गया। जबकि उक्त लड़की का विवाह हिंदू रीति रिवाज के अनुसार 15 मार्च 2023 को छतीसगढ़ राज्य के सूरजपुर निवासी नीतिन कुमार मिश्रा के साथ हुआ था। इस बीच उक्त लड़की बीएड की पढ़ाई कर रही थी जो 18 जून 2023 को परीक्षा देने के लिए भिलाई गई थी। जहां से वह वापस अपने परिजन के पास नहीं पहुंची। इधर परिजन उसकी काफी खोजबीन करते हुए सुरजपुर थाना में मामला दर्ज कराया था। इसी बीच तरहसी प्रखंड के पंचायत गुरहा के मुखिया शब्बा फिरदौश व पंचायत सचिव ईश्वरी राम के संयुक्त हस्ताक्षर से एक नोटिस पांच जुलाई को जारी करते हुए लड़की के पिता जितेंद्र मिश्रा को भेजा गया। नोटिस प्राप्ति के बाद लड़की के परिजन पांकी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डा शशिभूषण मेहता से 6 अगस्त को भेंट कर नोटिस देते हुए सुरक्षा व पुत्री बरामद की गुहार लगाया। विधायक ने गंभीरता दिखाते हुए पलामू एसपी रिष्मा रमेशन से बात कर कहा कि 24 घंटे के अंदर लड़की को पुलिस बरामद करे वरना तरहसी प्रखंड मुख्यालय का घेराव किया जायेगा। इस पर पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए लड़का व लड़की दोनों को बरामद कर लिया। इधर हिंदू संगठन एवं धर्मावलंबियों के अलावे राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी, सनातन हिंदू धर्म संगठन समेत अन्य लोगों में उबाल आ गया। इस घटना पर आक्रोश प्रकट करते हुए डा शशिभूषण मेहता ने कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र में धर्म परिवर्तन का खेल व लव जिहाद का खेल नहीं चलने देंगे। यह हिंदुस्तान की धरती है न कि पाकिस्तान की। उन्होंने मांग की कि मुखिया व पंचायत सचिव पर अविलंब बर्खास्त किया जाये वरना उग्र आंदोलन किया जायेगा।

लड़की को सूरजपुर थाना को समर्पित किया जायेगा : रमेशन

मेदिनीनगर। नवविवाहिता आकांक्षा मिश्रा का धर्म परिवर्तन कराकर निकाह करने के विरोध में शहर थाना क्षेत्र का घेराव पांकी विधायक शशिभूषण मेहता के नेतृत्व में किया गया। थाना परिसर में सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों ने मुखिया व पंचायत सचिव पर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाते हुए गिरफ्तार करने की मांग की। इसी बीच पुलिस सुरक्षा में लड़की व लड़का को जैसे ही एसपी कार्यालय ले जाया गया तो लोग उग्र रूप धारण करते हुए शहर थाना से एसपी कार्यालय तक पैदल चलकर उग्र प्रदर्शन किया। विधायक ने लड़की के माता-पिता व पति के साथ एसपी से मिलकर मुखिया, पंचायत सचिव एवं साजिद खान पर कानूनी कार्रवाई करते हुए लड़की के माता व पिता को सौंपने की मांग की। इधर लड़की के पिता जितेंद्र मिश्रा ने एसपी से पुत्री को वापस करने का मांग किया तो पति नीतीन मिश्रा ने कहा कि मेरी पत्नी बीएड की परीक्षा देने भिलाई गई थी जहां पर साजिद ने अगवा कर अपने गांव ले आया। उस पर कानूनी कार्रवाई किया जाये। एसपी रिष्मा रमेशन ने कहा कि मामला छतीसगढ़ का है। वहां के पुलिस प्रशासन से बात हो चुकी है। लड़की को छतीसगढ़ पुलिस के हवाले किया जायेगा और मुखिया व पंचायत सचिव पर जांच कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष विजयानंद पाठक, अमित तिवारी, पंकज जायसवाल, संदीप गुप्ता, अजय तिवारी, देवेंद्र तिवारी समेत सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल थे।

एसपी ने पुलिस लाइन गुमला में की क्राइम मीटिंग, उत्कृष्ट कार्य करनेवाले 16 पुलिस पदाधिकारी-कर्मी सम्मानित

तीन माह से अधिक लंबित न रखें पोस्को एक्ट के मामले : एसपी

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। पुलिस लाइन गुमला में सोमवार को एसपी ऐहतेशाम वकारिव की अध्यक्षता में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में लंबित कांड, वारंट, कुर्की जब्ती का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया।

साथ ही अवैध खनन, पशु तस्करी सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा करते हुए इसकी रोकथाम के लिए अभियान चलाने का एसपी ने निर्देश दिया। बैठक में एसपी ने डायन-बिसाही, ओझा गुणी, महिला उत्पीड़न, नशापान, साइबर फ्रॉड के खिलाफ विशेष जागरूकता अभियान चलाने का सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिये। हत्या, बालात्कार, अप्राकृतिक मृत्यु के मामलों में त्वरित गति से अनुसंधान करने पर चचर्चा की गई तथा आवश्यक निर्देश दिया गया।

थाना प्रभारियों को एंटी वाहन चेंकिंग अभियान चलाने व सामुदायिक पुलिसंग के तहत लोगों के बीच समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में शामिल एसपी व अन्य पुलिस पदाधिकारी।

खास बातें : वहीं बैठक में पोस्को एक्ट से संबंधित मामले को किसी भी परिस्थिति में तीन माह से अधिक लंबित नहीं रखने हेतु विशेष निर्देश दिया गया। एसपी ने कहा कि गुमला जिला में अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए क्राइम एंड क्रिमिनल रिचर्स विंग का गठन किया गया है। बैठक में सभी थानों को अपने क्षेत्र के भू माफियाओं को चिह्नित कर उसके विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। वहीं बैठक में 15 अगस्त को लेकर विशेष सर्तकता बरतने की बात कही गई। बैठक के बाद उत्कृष्ट कार्य करने वाले 16 पुलिस पदाधिकारी व कर्मियों को सम्मानित किया गया। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक अभियान, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी, यातायात प्रभारी आदि मौजूद थे।

पेशरार में चार दिनों से बंद बिजली सप्लाई को शीघ्र चालू करे विभाग : आलोक साहू

- जीएम रांची से वार्ता कर पेशरार में जल्द बिजली बहाली को लेकर किट उपलब्ध कराने की कही बात

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष आलोक कुमार साहू ने कहा है कि लोहरदगा जिला के सुदूरवर्ती क्षेत्र पेशरार प्रखंड के पेशरार और रोरद पंचायत क्षेत्र में पिछले 4 दिनों से बिजली सप्लाई नहीं होने से जनता परेशान हैं। श्री साहू ने कहा कि रोरद और पेशरार पंचायत के ग्रामीण उनसे आकर मुलाकात कर बतायें कि 4 दिनों से बिजली नहीं रहने से करीब 20 गांव की जनता अंधेरे में रहने को मजबूर हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। इलेक्ट्रिक कार्य प्रभावित हैं। जंगली क्षेत्र होने से जंगली जानवरों का आवागमन ग्रामीण क्षेत्र में लगा रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग के अधिकारियों को सूचना देने के बावजूद अभी तक दोनों पंचायत में बिजली बहाल नहीं हुई है।

पंचर केबल के लिए किट की जरूरत

ग्रामीणों ने श्री साहू से जल्द बिजली बहाल कराने की मांग की। श्री साहू ने ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निदान के लिए मौके पर सही लोहरदगा विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता से वार्ता कर यहां शीघ्र बिजली बहाल करने की बात कही। कार्यपालक अभियंता ने श्री साहू को बताया कि पहाड़ी क्षेत्र होने से अंडरग्राउंड बिजली का कनेक्शन किया हुआ है। केबल कहीं कटा हुआ रहता है तो बारिश होने से केबल पंचर हो जाता है जिसमें किट की आवश्यकता होती है। कीट उपलब्ध होते ही शीघ्र बिजली बहाल कर दी जायेगी। श्री साहू ने मौके पर से ही बिजली विभाग के जीएम रांची से वार्ता कर पेशरार एवं रोरद पंचायत में बिजली उपलब्ध कराने हेतु शीघ्र किट उपलब्ध कराने का आग्रह किये। जीएम ने आश्वासन दिया कि शीघ्र किट उपलब्ध करा दिया जायेगा। मुलाकात करने वालों में दिनेश महली, मोहन उरांव, करमदयाल उरांव, परदेसिया मुंडा, महादेव उरांव आदि उपस्थित थे।

दशावतार पुस्तक लिखने के लिए आरोही खंडेलवाल को बेस्ट ऑथर ऑफ द ईयर

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। नोट्रे डैम स्कूल की तीसरी कक्षा की छात्रा आरोही खंडेलवाल ने दशावतार पुस्तक लिखी है। जिसमें भगवान विष्णु के दसों अवतारों का वर्णन है। आरोही की पुस्तक दशावतार को ग्लोबल मैनेजमेंट कॉउन्सिल ने ए पी जे अब्दुल कलाम आजाद राष्ट्रीय पुरस्कार (लाइफ टाइम नेशनल अवार्ड ऑफ एक्ससिलेंस) बेस्ट ऑथर ऑफ द ईयर 2023 से सम्मानित किया है। आरोही की इस उपलब्धि पर उसके पिता रूपेश खंडेलवाल व माता सीमा खंडेलवाल ने हर्ष व्यक्त किया है। पिता ने बताया कि कम उम्र में बिना रूके हनुमान चालीसा बोलने पर आरोही को लिमका बुक ऑफ अवार्ड से पूर्व में सम्मानित किया गया था। आरोही की प्रतिभा दिनोंदिन निखर रही है। उसकी पुस्तक ऑनलाइन उपलब्ध भी है।

- पूर्व में हनुमान चालीसा बोलने पर आरोही को मिल चुका है लिमका बुक ऑफ का अवार्ड
- दशावतार पुस्तक में भगवान विष्णु के दसों अवतार का है वर्णन

अंडर-17 क्षेत्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का चैंपियन बना सरस्वती विद्या मंदिर

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा 34वां क्षेत्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मंदिर बोकारो, 2अ को हराकर चैंपियन बना। यह दो दिवसीय प्रतियोगिता बिहार के औरंगाबाद में आयोजित हुई थी। विद्यालय के खेल प्रशिक्षक आचार्य जोधन सिंह के मार्गदर्शन में विद्या मंदिर के टीम ने यह गौरव प्राप्त किया। यह जीत विद्या मंदिर के साथ लोहरदगा जिला एवं विद्या विकास समिति झारखंड का गौरव बढ़ाया। इसमें बिहार एवं झारखंड के विद्या मंदिरों के प्रतिभागी भाग लिये थे। इस टीम में मोहित प्रजापति (कप्तान), संजीत उरांव, अनीश उरांव, मनीष उरांव, अमन उरांव, सुजल उरांव, पियूष भगत, विनय उरांव एवं कार्तिक पाहन शामिल थे। विद्या मंदिर के इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर टीम की सफलता के लिए शुभकामना लोगों ने दी।

उग्रवादी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

बालूमाथ। बालूमाथ पुलिस के सहयोग से चतरा जिले के टंडवा पुलिस ने जेजेएमपी उग्रवादी संगठन के लवलेश गंझु के घर इश्तेहार चिपकाया। इस संबंध में जानकारी देते हुए टंडवा थाना एसआई रोहित कुमार यादव ने बताया की टंडवा थाना कांड संख्या 31/17 धारा147,148,149, 341,323,379, 385, 387, 427,437 एवं 27आर्म्स एक्ट एवं 17 सी०एल०ए एक्ट के आरोपी लवलेश गंझु पिता प्रधान गंझु ग्राम बरटोला थाना बालूमाथ निवासी के घर पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर इश्तिहार चिपकाया है। लवलेश गंझु पिछले कई वर्षों से मामले में फरार चल रहा है। अगर इस्तेहार चिपकाए जाने के बाद भी लवलेश गंझु सरेंडर नहीं करता है। तो न्यायालय के आदेश पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हरैया आंगनबाड़ी केंद्र में गोदभराई कार्यक्रम

चंदवा। प्रखण्ड के अलौदिया पंचायत अंतर्गत हरैया आंगनबाड़ी केंद्र में सोमवार को कलस्टर स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मासिक टीकाकरण के दौरान गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की गई। उन्हें बेहतर पोषण के साथ प्रसवपूर्व जांच की जानकारी दी गई। कलस्टर हेड सुकृता मिजं ने कहा कि गोदभराई दिवस मनाने का उद्देश्य महिलाओं को पोषण के प्रति जागरूक करना है। एएनएम प्रीति मुर्मू ने गर्भावस्था के दौरान खान-पान के साथ बेहतर पोषण की जानकारी दी। कहा कि जिन महिलाओं में खून की कमी हो उन गर्भवती महिलाओं को बच्चों को जन्म देने से पहले और जन्म के बाद आयरन के साथ कैलसिय की गोलियों का सेवन उचित मात्रा में करना चाहिए।

अधिक दवा खाने से बच्चा बीमार, रिम्स रेफर

बालूमाथ। सोमवार को बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय के रहने वाले मो. तौफीक के तीन वर्षीय पुत्र मो. हसनैन ने घर में रखा हुआ शुगर का अत्यधिक दवा का खा लिया। जिससे वह अचेत हो गया। घटना के बाद परिजनों के द्वारा बच्चे को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां से उसे रांची रिम्स रेफर किया गया।

ओमनी कार में लगा आग

बालूमाथ। बालूमाथ रांची एनएच 22 मुख्य पथ पर सोमवार को पहले सुबह लगभग 7:00 बजे एक ओमनी कार में आग लग गई और वह धु-धु कर जलकर खाक हो गया। ओमनी कार के संचालक बिना पुलिस को सूचना दिए हुए ही कार को लेकर फरार हो गया।

वादों को नहीं निभा रही राज्य सरकार

मांडर में पंचायत स्वयंसेवकों की बैठक में चर्चा

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। प्रखंड सभागार में सोमवार को पंचायत स्वय सेवक की बैठक अलताफ अहमद की अध्यक्षता में हुई। अलताफ अहमद ने कहा कि राज्य स्तरीय पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ ने विगत एक महीने से राजभवन के समक्ष अनिश्चित कालीन धरना प्रर्दशन किया जा रहा है, लेकिन एक महीने बीत जाने के बावजूद भी सरकार की ओर से कोई पहल नहीं की गई है। ये बहुत ही दुख की बात है। सरकार ने चुनाव के समय नारा दिया था, कि बदलो सरकार और पाओ अधिकार, लेकिन झारखंड के 16 हजार पढ़े-लिखे युवा आज सड़कों पर हैए लेकिन अभी तक सरकार ने संघ से वार्ता करने का नाम नहीं ले रही है। राज्य सरकार किए हुए वादे को भूल गई है। और वार्ता नही करना चाह रही है। इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी से मुलाकात कर पिछले बकाया राशि को भुगतान कराने की बात कही गयी। साथ ही प्रखंड में सक्रिय स्वयं सेवक का सूची तैयार कर प्रखंड कार्यालय में जमा कर दिया गया। बैठक में उमर फारूक अंसारी, अमन कुमार, हसीब अंसारी, अमित खलखो, अजरुद्दीन अंसारी, रफीक अंसारी, बसंत महतो, सोनू सिंह, जुमेरा खातून, उषा पन्ना, साहिद अंसारी, सोनू कुमार साहू, आशीष उरांव सहित अन्य स्वयं सेवक उपस्थित थे।

बारिश से क्षतिग्रस्त मकान मलिक के परिवार को मिला बीस हजार

महुआडांड़। प्रखंड के पंचायत ओरसा अंतर्गत मेढ़ारी ग्राम में सोमवार को कांग्रेसी अदिवासी नेता अजित पाल कुजूर के नेतृत्व में एक बैठक का आयोजन ग्राम प्रधान केशवर महतो के अध्यक्षता में कि गई, बैठक में भारी बारिश से सीताराम महतो के हुए नुकसान का आकलन उपस्थित ग्रामीणों ने लगाया, वही 5 क्विंटल धान एवं 4 साउंड बॉक्स जो घर पर रखे थे उसमें पानी घुस गया, वही बैठक में सीताराम महतो के पुत्र संजय महतो एवं मां कमली देवी के द्वारा नुकसान के रूप में 20 हजार रूपए की मांग की। सड़क निर्माण कार्य कर रहे पूजा कंट्रक्शन के प्रतिनिधि द्वारा बैठक में उपस्थित ग्रामीण रौशन राम, सत्येंद्र प्रसाद, मंदीप कुमार, उदय यादव, संदीप प्रसाद के समक्ष 20 हजार रूपए और दो बोरी चावल सिताराम महतो के परिवार को दिया गया।

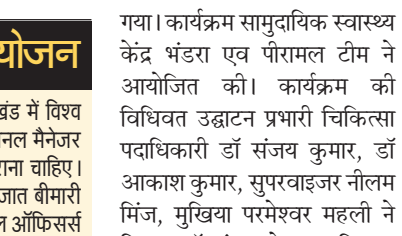

महिला अब पुरुषों से कम नहीं : विधायक

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। विधायक शिल्पी नेहा तिर्की की अध्यक्षता में सोमवार को प्रखंड के पार्टी कार्यालय में पार्टी के महिला पंचायत अध्यक्षों व कार्यकताओं के साथ बैठक किया। बैठक में विधायक ने महिला सशक्तिकरण के बारे में चर्चा किया। उन्होंने कहा कि अब महिला अपने पुराने ख़्यालातों को छोड़कर अपने हक और अधिकार के लिए आगे आयें और नेतृत्व करें। महिला पुरुषों से कम नही हैं। उन्होंने कहा कि आप अपने पंचायत में नेतृत्व करें। पंचायत की महिलाओं की समस्याओं को सुनें और उसका हल कराने का प्रयास करें। उन्होंने झारखंड सरकार द्वारा लाये गये योजनाओं के बारे में बतलाया और महिलाओं को उसका लाभ लेने की अपील किया। बैठक में विधायक ने महिला अध्यक्षों और कार्यकताओं के साथ मंत्रणा किया। साथ ही महिलाओ के साथ अन्य मुद्दों पर विस्तार से बातचीत किया। मौके पर पार्टी प्रखंड अध्यक्ष व विधायक प्रतिनिधि समेत अन्य मौजूद थे।

महिला पंचायत अध्यक्षों के साथ मांडर विधायक।

सोनाहातू में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन

सोनाहातू। द हंस फाउंडेशन रांची मोबाइल मेडिकल यूनिट टीम द्वारा सोनाहातू प्रखंड में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया गया । इस दौरान हंस फाउंडेशन के स्टेट रीजनल मैनेजर सुबीर दास ने कहा कि नवजात शिशुओं के लिए छह माह तक सिर्फ स्तनपान कराना चाहिए। मां के दूध से बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास तेजी से होता हैं वही जन्मजात बीमारी से बचाव भी होता है, इसके लिए हर स्तर पर जागरूकता जरूरी है। टीम में मेडिकल ऑफिसर्स डॉ राजवर्धन, डॉ अजय, डॉ सुष्मिता, डॉ नौरीन, डॉ आशिक, डॉ एमडी तिवारी मौजूद थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मना विश्व स्तनपान सप्ताह

नवजात शिशुओं के लिए मां का दूध अमृत के समान : डॉ संजय कुमार

खबर मन्त्र संवाददाता

भंडरा। प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा के सभागार में सोमवार को विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा एव पीरामल टीम ने आयोजित की। कार्यक्रम की विधिवत उद्घाटन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, डॉ आकाश कुमार, सुपरवाइजर नीलम मिंज, मुखिया परमेश्वर महली ने किया। डॉ संजय ने कहा कि हर साल अगस्त के पहले हफ्ते में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। पूरे सप्ताह मनाये जाने वाले इस इवेंट का मकसद स्तनपान के महत्व को उजागर करना और नवजात शिशु के वृद्धि और विकास पर बात करना है। वैश्विक रूप से इस सप्ताह को मनाया जाता है और विशिष्ट थीम चुनकर उसपर काम होता है। इस साल का थीम है, 'लेट्स मेक ब्रेस्टीफीडिंग एंड वर्क, वर्क'। यह थीम कामकाजी महिलाओं के अपने बच्चों को स्तनपान कराने और कामकाजी जिंदगी के बीच तालमेल बिठाने से जुड़ा है। इस साल यही कोशिश है कि महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा जागरूक, प्रेरित और उनकी मदद की जा सके।

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि व उपस्थित अन्य।

स्पीड न्यूज

रामपुर एसबीआइ ग्राहक सेवा केंद्र से 35 हजार की लूट

कतरास। कंचनपुर पंचायत के रामपुर स्थित एसबीआई की ग्राहक सेवा केंद्र में अज्ञात हथियारबंद दो लुटेरो ने दिनदहाड़े 35 हजार लुट कर चले गए। इस दौरान 4 फायरिंग होने की बात कही जा रही है। कई खोखा बरामद। सूचना पाकर मौके पर पहुंच कतरास पुलिस छानबीन में जुट गई। दो लुटेरा एक ही बाइक पर सवार थे। एसबीआई के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। दिनदहाड़े फायरिंग के साथ हुई लुट की घटना के बाद इलाके में दहशत व्याप्त है।

बाल विवाह रोकने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका अहम

बोकारो/कसमार। बाल विवाह को रोकने को लेकर गर्ल्स नॉट ब्राइड्सए सहयोगिनी एवं आशा संस्था के संयुक्त तत्वावधान में कसमार प्रखंड के पोंडा पंचायत सचिवालय में कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें मुखिया हारू रजवार, सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर समेत पंचायत क्षेत्र के स्टेकहोल्डर्स मौजूद थे। मौके पर गौतम सागर ने बाल विवाह के कानूनी पहलुओं की जानकारी दी। इस दौरान उपस्थित लोगों को बाल विवाह रोकने को लेकर शपथ ग्रहण भी करवाई गई। मौके पर सूर्यमनी देवीए कुमारी किरण, खीरी देवी, नीलम देवी, सोनू रजवार, मीना मुखर्जी, राजकिशोर, पारस नाथ महतो, सुरेश कुमार हांसदा, दीपबाला देवी, अनिता देवी, रामचरण मांझी, मुरारी सिंह, नेहा कुमारी, शत्रुघ्न हेम्ब्रम, सुरेश कुमार नायकए परमेश्वर मांझीए सुरेश हांसदाए अजीत हांसदा, वीरेन्द्र हेम्ब्रम, शिवलाल टुड्डू, विशाल हेम्ब्रम, युवराज सिंह, प्रमोद सिंह, बेबी देवी, उत्पल मुखर्जी व अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

दिनेश चौधरी की स्मृति में 81 यूनिट रक्तदान

जमशेदपुर। सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के द्वारा चैम्बर के पूर्व उपाध्यक्ष (वित्त एवं कराधान) स्व. दिनेश चौधरी की दूसरी पुण्यतिथि पर चैम्बर भवन में गत शनिवार को पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन केन्द्रीय जीएसटी, जमशेदपुर के आयुक्त बी के गुप्ता, भा.रा.से, केन्द्रीय जीएसटी के इंस्पेक्टर हेमन्त एवं स्व दिनेश चौधरी के बड़े भाई सुरेश चौधरी के परिवारजनों के द्वारा किया गया। इस रक्तदान शिविर में शहर के 98 गणमान्य लोगों, चैम्बर सदस्यों, शहर के व्यवसायी एवं उद्यमियों ने रक्तदान के लिये अपना रजिस्टेज्षन करवाया था। लेकिन किसी कारणवश कुछ लोगों का रजिस्टेज्शन रद्द हो जाने के कारण 81 यूनिट रक्तदान पूरा हुआ जिसमें दो महिला रक्तदाताओं ने भी रक्तदान कर दिवंगत दिनेश चौधरी को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

लॉ कॉलेज में आरक्षण नियमावली का पालन नहीं

जमशेदपुर। रांची यूनिवर्सिटी के अधीन संचालित छोटानागपुर लॉ कॉलेज में एलएलबी के नामांकन में ईडब्ल्यूएस को आरक्षण नहीं दिया गया, इस संबंध में जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज के छात्र अमर कुमार तिवारी ने सरकार को शिकायत दर्ज कर नामांकन पर रोक लगाने की मांग की है, सभी विश्वविद्यालय में 10 प्रतिशत आरक्षण ईडब्ल्यूएस को दिया जा रहा है परंतु छोटानागपुर लॉ कॉलेज सिर्फ एल एल एम में ईडब्ल्यूएस के लिए सीट आरक्षित कर रही है और एलएलबी में पिछले 4 वर्षों से कोई आरक्षण नहीं दिया गया, बाकी अन्य आरक्षण वाले कैटेगरी को आरक्षण दिया गया है, इस संबंध में प्राचार्य से बात करने पर उन्होंने जवाब दिया कि एलएलबी में ईडब्ल्यूएस को आरक्षण दिए जाने के लिए कोई प्रावधान नहीं है, हमें कोई पत्र यूनिवर्सिटी के तरफ से प्राप्त नहीं हुआ जबकि वह किस नोटिफिकेशन के आधार पर एलएलएम में ईडब्ल्यूएस आरक्षण दे रहे हैं इसका उनके पास कोई जवाब नहीं था, अमर कुमार तिवारी ने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द कार्यवाही की जाए, और चल रहे नामांकन पर रोक लगाई जाए एवं नियम अनुसार ईडब्ल्यूएस को आरक्षण देने का आदेश निर्देश दिया जाए।

लायंस क्लब कालीमाटी की नयी टीम ने पदभार लिया

जमशेदपुर। लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर कालीमाटी का पदस्थापना समारोह चेंबर भवन के हॉल में 6 अगस्त को संपन्न हुआ। नए कार्यकारी कार्यकारिणी का इंस्टॉलेशन पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन राजीव रंजन ने किया एवं नए सदस्यों को शपथ फर्स्ट वाइस गवर्नर सीमा बाजपेई ने दिलवाई। इस कार्यक्रम के चीफ गेस्ट कमल जैन जी एवं उनकी धर्मपत्नी मंजुला जैन जी थे। इस अवसर पर सभी पास्ट गवर्नर एवं विभिन्न क्लब से आए हुए सभी पदाधिकारी गण भी उपस्थित थे।

राज्य के विकास को सरकार प्रतिबद्ध : सीएम

●लाभुकों के बीच किया परिसंपत्ति का वितरण

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/चंद्रपुरा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बोकारो के चंद्रपुरा प्रखंड अंतर्गत तारानारी के शनिचर मैदान में पहुंच कर कई महत्वकांक्षी योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किए। समारोह की शुरूआत मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने आयोजित मुख्य समारोह स्थल से 11,186 लाभुकों के बीच 116 करोड़ 90 लाख 66 हजार राशि की परिसंपत्तियों का वितरण किया।

बोकारो में योजनाओं का शिलान्यास करते सीएम हेमंत सोरेन व अन्य मंत्रीगण।

उक्त कार्यक्रम में मंत्री, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, झारखंड सरकार बेबी देवी, मंत्री पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखंड सरकार मिथिलेश ठाकुर, राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त योगेंद्र महतो, बेरमो विधायक जयमंगल उर्फ अनूप सिंह समेत कई गणमान्य शामिल हुए। उनका स्वागत पारम्परिक झारखंड की संस्कृति के अनुसार किया गया। बोकारो उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने गुलदस्ता भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री सोरेन द्वारा तारानारी में आयोजित समारोह से 292 करोड़ 54 लाख 23 हजार रुपए का विभिन्न विभागों के 25 योजनाओं का शिलान्यास किया गया। श्री सोरेन ने कहा कि झारखण्ड के सर्वांगीण विकास हेतु उनकी सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार इस दिशा में लगतार प्रयास कर रही है। मौके पर जिले के सभी पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों सहित अन्य मौजूद थे।

जमशेदपुर एफसी ने की प्री-सीजन की शुरुआत

जमशेदपुर। एफसी ने घरेलू मैदान पर हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 सीजन की शुरूआत से पहले औपचारिक रूप से अपने प्री-सीजन की शुरूआत कर दी है। मुख्य कोच स्कॉट कूपर ने क्लब में कई नए खिलाड़ियों को शामिल किया है, जो सहायक कोच किजा रमादानी, सहायक कोच नोएल विल्सन और गोलकीपिंग कोच ड्रैगन ड्रैस्कोविक के साथ घर पर खेलकर अभ्यस्त होने की कोशिश करेंगे। वुंगंगयाम मुइरंग, प्रोवेट लाकड़ा और इमरान खान जैसे नए भारतीय खिलाड़ियों के साथ-साथ टीम में शामिल नए विदेशी खिलाड़ी एलेन स्टीवनोविक, री ताचिकावा, जेरेमी मंजोरो, एल्सिन्हो और पेटार स्लिस्कोविक जैसे नये चेहरों के शामिल होने से टीम तरोताजा दिखती है।

बेरोजगार संघर्ष समिति का जीएम ऑफिस के समक्ष धरना

खबर मन्त्र संवाददाता

केंदुआ। कुसुंडा-गोधर बेरोजगार संघर्ष समिति द्वारा सोमवार को कुसुण्डा क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन कर विश्वकर्मा परियोजना के पास कार्य कर रही आउटसोर्सिंग कम्पनी मे स्थानिय प्रभावित 75 प्रतिशत बेरोजगारों को रोजगार देने समेत 7 सुत्री मांग पत्र को महाप्रबंधक को सौंपा। इनके मांगों मे सद्भाव आउटसोर्सिंग मे पुर्व मे कार्यरत मजदुरों रोजगार, हाई पावर कमिटी द्वारा निर्धारित वेतनमान,प्रदुषण की रोकथाम, कुसुण्डा के जर्जर पुल का निर्माण,समाप्त परियोजना का समतलीकरण एवं वृक्षारोपण तथा विस्थापित को पुनर्वास ,तथा असंगठित मजदुरों का कुसुण्डा मे मैन्युअल लोडिंग चालु करना शामिल है।इस दौरान महाप्रबंधक ने उनकी मांगो पर सहानुभुतिपुर्वक विचार करने तथा आउटसोर्सिंग प्रबंधक से त्रिपक्षीय वार्ता करने का आश्वसन दिया।

इस प्रदर्शन मे शंकर विश्वास, विनय सिंह, नवल सिंह, सूरज सिंह, रमेश रवानी, रंजीत यादव,सुदामा चौहान, राजु पाण्डेय, तरुण मल्लिक, शंभु प्रसाद, सोनु वर्णवाल, सुबोध राय, उपेन्द्र राम, कर्मा भुइयां, लक्ष्मी भुइयां, अरुण चौबे आदि शामिल थे।

श्रीनाथ विवि में नये सत्र के छात्रों का भव्य स्वागत

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। एक्सएलआरआई टाटा ऑडिटोरियम में सोमवार को श्रीनाथ विवि ने ओरियंटेशन कार्यक्रम श्रीनाथ शंखनाद का आयोजन किया। मुख्य अतिथि एसएसपी प्रभात कुमार, प्रतिकुलाधिपति गुरुदेव महतो के एव अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रभात कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय की शिक्षा में आपकी कोई क्लोज मॉनिटरिंग नहीं की जाएगी आपको खुद निर्णय लेना होगा कि आप क्या करना चाहते हैं? आपके पास जो आने वाला वर्ष है उसमें आप सुनिश्चित करेंगे कि आप भीड़ से कैसे अलग दिखे। आने वाला समय आपकी तपस्या का होगा, आप यदि लक्ष्य को ध्यान में रखेंगे तो कोई रुकावट आप को रोक नहीं सकेगी। प्रत्येक सफल आदमी ने एक लंबा संघर्ष देखा है। आपके हाथ में है कि आप भविष्य में क्या बनेंगे। अभिभावकों को संबोधित करते हुए प्रभात कुमार ने कहा कि आप अपने बच्चों की तुलना दूसरे बच्चे के साथ ना करें क्योंकि हर बच्चा अपने आप में अलग है इसलिए उसे अपना सपना पूर्ण करने का पूरा अधिकार है। प्रेमरंजन ने कहा कि मैं आज यहां आपके बीच उत्साहित हूं। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि दोस्तों आप स्कूल छोड़कर यहां आए हैं और यहां कई संभावनाएं आपकी प्रतीक्षा कर रही है। विश्वविद्यालय में आना एक बहुत बड़ा बदलाव होता है। स्कूल के जीवन से आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित हैं इसलिए आप यहां हैं। आपके जीवन के नये अध्याय के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

हत्या करने के इरादे से आया अपराधी व उसका साथी पिस्टल के साथ गिरफ्तार

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। परसुडीह पुलिस ने दो कुख्यात अपराधियों को पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में एक अनूप चक्रवर्ती बागबेड़ा का रहने वाला है जो हाल में ही जेल से छूटा है तथा अपने प्रतिद्वंदी डोमिनी की हत्या करने के उद्देश्य से आर्म्स लेकर अपने एक साथी भीम गगराई के साथ मोटरसाइकिल से हलुदबनी क्षेत्र में घूम रहा था। तभी गुप्त सूचना के आधार पर थानेदार ने छापेमारी दल का गठन करके दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। अनूप बंगाली उर्फ अनूप चक्रवर्ती की तलाशी लेने पर उसके पास से एक देशी लोडेड पिस्टल, दो मैगजीन एवं चार राउंड जिंदा कारतूस तथा एक बिना नंबर वाली काले रंग की हीरो स्प्लेंडर बाइक बरामद की गई है। अनूप बंगाली चक्रवर्ती की उम्र 40 वर्ष है और वह बागबेड़ा लाल बिल्डिंग साईं मंदिर के पास आनंद नगर का रहने वाला है। उसके साथ पकड़ाए भीम गगराई की उम्र 31 वर्ष है और वह कामायनी रोड हलुदबानी का रहने वाला है। इन दोनों को पुलिस ने नामो टोला हलुदबानी दुर्गा मंडप के पास से गिरफ्तार किया है। एसएसपी ने बताया कि अनूप चक्रवर्ती पर विभिन्न थानों में 8 मामले दर्ज है। एसएसपी प्रभात कुमार ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में गिरफ्तार अपराधियों को फसलों के साथ प्रेस के सामने प्रस्तुत किया उन्होंने इस गिरफ्तारी को पूर्ण करा दिया और कहा कि अगर गिरफ्तारी नहीं होती तो अपने प्रतिद्वंद्वी की हत्या करने में कामयाब हो जाता है।

गिरफ्तार अपराधियों को प्रेस के सामने पेश करते प्रभात कुमार।

एक नजर में

सावन सोमवारी पर शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु

बेरमो/फुसरो। सावन मास की पॉचवी सोमवारी के अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में प्रातः से ही श्रद्धालुओं की आपार भीड़ देखने को मिली। भगवान शिव को कोई बेल पत्र अर्पण कर रहा है तो कोई जलाभिषेक कर रहे थे। पांचवी सोमवारी के अवसर पर शिव मंदिरों के पुजारी क्रमवार श्रद्धालुओं को वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूजा-अर्चना करा रहे थे। क्षेत्र के फुसरो के मेन रोड फुसरो, रानी बाग, बेरमो ब्लॉक के समीप, मकोली, शारदा कॉलोनी, सेंट्रल कॉलोनी, करगली बाजार, पुराना वीडियो ऑफिस, करगली गेट, करगली बाजार, सुभाष नगर, जवाहर नगर, अमलो, ढोरी बस्ती के रेहवाघाट, बड़कीटांड़, सोतारडीह, कदमाडीह, बालुबैकर, सिंगारबेडा, पिछरी, चलकरी, अंगवाली आदि में श्रद्धालु प्रातः से दोपहर तक मंदिरो में आते रहे। फुसरो के भुतबंगला स्थित मंदिर के पुजारी अशोक पांडेय ने पूजन कराया।

मंजूरा में सोलर लिफ्ट इरिगेशन का शिलान्यास

सोलर लिफ्ट इरिगेशन निर्माण का शिलान्यास करते जिप सदस्य।

बोकारो/कसमार। कसमार प्रखंड के मंजूरा पंचायत के भूताही टोला में 15वें वित्त आयोग जिला परिषद द्वारा अनुशंसित लिफ्ट इरिगेशन कार्य का शिलान्यास जिप सदस्य अमरदीप महाराज व गोमिया विधायक प्रतिनिधि कौशल्या देवी द्वारा किया गया। इस दौरान जिप सदस्य अमरदीप महाराज ने कहा कि भुतही टोला के कृषकों की सिंचाई करने में सहुलियत होंगी। किसानों को सिंचाई के लिए लंबे समय तक पर्याप्त पानी मिलेगा जिससे वे साल भर खेती कर सकेंगे। उन्होंने लोगों से सवार्गीण विकास के प्रति सजग व जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्रखंड का एक भी गांव व टोला, विकास से अछूता नहीं रहेगा। मौके पर मानिक महतो, धनलाल कपरदार, सुमित कुमार, गंगाधर महतो, सरजू महतो, रास बिहारी महतो, विकास महतो, बैजनाथ महतो, सुरेश महतो, चमेली कुमारी, गायत्री देवी, आशा कुमारी, रेखा कुमारी मौजूद थीं।

अभाविप के सदस्यता अभियान का उद्घाटन

कतरास। सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यता अभियान का प्रारंभ पूरे झारखंड प्रदेश में बड़े जोर शोर से हुआ। इस सत्र के लिए सदस्यता अभियान को चार चरणों में संपन्न किया जाएगा। पहला चरण 07 से 14 अगस्त तक चलेगा । जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं की सदस्यता कराई जाएगी। कतरास नगर में भी सदस्यता अभियान का उद्घाटन बड़े जोर शोर से हुआ। कतरासगढ़ स्थित डीएवी प्लस टू स्कूल में सदस्यता अभियान हेतु उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदस्यता अभियान के प्रांत सह प्रमुख शिवम रवानी ने छात्र-छात्राओं को विद्यार्थी परिषद के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

आजीविका संसाधन केंद्र में पौधरोपण

बोकारो/कसमार। कसमार आजीविका संसाधन केंद्रए फार्म टांड़ में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत मड़ुआ की खेती को बढ़ावा देने के लिए श्री अन्न योजना के तहत डेढ़ एकड़ भूमि पर मडुआ का बिचड़ा रोपा गया। वहीं परंपरागत खेती के तहत मेडिसिनल पौधा मुनगा के भी लगभग 238 पौधे लगाए गये। कसमार बीडीओ विजय कुमार ने पौधरोपण कर शुरूआत किया। इस दौरान मनरेगा बीपीओ राकेश कुमार ने कहा कि मनरेगा और जेएसएलपीएस संयुक्त रूप से सखी मंडल व महिला समूह सदस्यों के साथ कृषि कार्य को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। मड़ुआ पारंपरिक अन्न है प्रोटीन से भरपूर है। वहीं मुनगा भी मेडिसिनल प्लांट है। जिसके फलए फूलए पतियां साग भी उपयोगी होता है। जिससे किसानों को मुनाफा होगा। जेएसएलपीएस बीपीएम संजीव कच्छप, आर्गेनिक बीपीएम दिलासाद अंसारी, एफटीसी राजकुमार सिंह, रेखा देवी, बैजंती देवी, उमा देवी, रजत मिश्रा, देवेंद्र महतो आदि मौजूद थे।

अपना हक लेने आज पटना साहिब जायेंग झारखंड के सिख

जमशेदपुर। पटना साहिब संचालन समिति द्वारा झारखण्ड के सिखों को दक्षिण बिहार निर्वाचन क्षेत्र से बाहर किये जाने पर सीजीपीसी चुप न बैठते हुए अगली रणनीति के तहत मंगलवार को पटना साहिब रवाना होगी और अपनी बात मौजूदा प्रबंध समिति सामने रखेगी। सोमवार को इस सिलसिले में सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी (सीजीपीसी) कार्यालय में कोल्हान के सभी गुरुद्वारों के प्रतिनिधियों संग इसी मुद्दे पर एक अहम बैठक रखी गयी थी। जिसकी अध्यक्षता सरदार भगवान सिंह ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मंगलवार को अहले सुबह सीजीपीसी सहित अन्य गुरुद्वारों के प्रतिनिधि तख्त श्री हरमंदिर साहिब, पटना के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां पहुंचकर तख्त श्री हरमंदिर साहिब, पटना के निवर्तमान अध्यक्ष सरदार जगजीत सिंह सोही से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा जायेगा। य

यह भी निर्णय लिया गया कि इस मुद्दे पर झारखण्ड राज्य गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के प्रधान सरदार शैलेन्द्र सिंह सीजीपीसी के प्रधान सरदार भगवान सिंह के सहयोग से पटना साहिब में झारखण्ड के सिखों की अगुवाई करेंगे। बैठक उपरांत सरदार भगवान सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस समस्या का कोई न कोई हल अवश्य निकलेगा यदि नहीं निकलता है तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

बैठक में चेयरमैन गुरमीत सिंह तोते, उपाध्यक्ष चंचल सिंह, महासचिव अमरजीत सिंह-गुरचरण सिंह बिल्ला, सुखदेव सिंह खालसा, रविंदर सिंह, कुलविंदर सिंह पन्नु, रविंदर सिंह, लखविंदर सिंह, दलबीर सिंह, गुरनाम सिंह बेदी, सुखदेव सिंह बिट्टू, रणजीत सिंह माथारू, प्रकाश सिंह, त्रिलोक सिंह, सलविंदर सिंह, सुजीत सिंह, परमजीत सिंह काले, जोगा सिंह, इंदरजीत सिंह, स हरभजन सिंह, परमजीत सिंह विक्की, जोगिंदर सिंह, सतनाम सिंह घुम्मन, ओंकार सिंह एवं हरविंदर सिंह शामिल हुए।

जदयू प्रदेश महासचिव बनने पर दीपनारायण सिंह सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

तोपचांची । सोमवार को यूथ फोर्स कार्यालय हीरापुर,तोपचांची में जदयू महिला प्रकोष्ठ द्वारा स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें दीपनारायण सिंह को पुनः जदयू झारखंड प्रदेश महासचिव बनाये जाने पर जदयू महिला प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव बिंदु देवी के नेतृत्व में महिलाओं ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। । स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए दीपनारायण सिंह ने कहा कि जदयू पार्टी ने मुझे झारखंड प्रदेश महासचिव मनोनीत किया है। मैं केन्द्रीय नेतृत्व के साथ साथ क्षेत्रवासियों को आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही साथ आशा करता हूं कि जदयू को पुरे गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र में मजबूत करने के लिए महिला प्रकोष्ठ के साथ मिलकर काम करुंगा। श्री सिंह ने कहा कि पुरे देश में सिर्फ और सिर्फ जदयू एक पार्टी है जो महिलाओं को उचित सम्मान देने का काम किया है। समारोह का संचालन तोपचांची के अध्यक्ष फूलचंद दास और धन्यवाद ज्ञापन बिंदु देवी ने किया।

चोरी का ट्रैक्टर जब्त, दो गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बीते रविवार के दिन जगेश्वर बिहार थाना क्षेत्र के मुरपा गांव से चोरी हुए ट्रैक्टर को पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में बोकारो से बरामद कर लिया है। बरामद ट्रैक्टर के साथ पुलिस ने हजारीबाग जिला के बरही थाना क्षेत्र के कोंडरा गांव निवासी पिंटू मल्हार और बिहार के गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र निवासी रामजी कुमार नाम के दो अप्राथमिकी अभियुक्त को भी गिरफ्तार किया है। दोनों अभियुक्तों को तेनुघाट जेल भेज दिया गया है। ट्रैक्टर चोरी में सम्मिलित चोरों को गठित टीम की ओर से बरही और फतेहपुर से पकड़ कर लाया गया है। साथ ही चोरी हुए ट्रैक्टर को भी बरामद कर लिया गया है। पकड़े गए चोरों को तेनुघाट जेल भेज दिया गयाण वहीं पुलिस ने ये खुलासा किया है कि दोनों अभियुक्त अंतराज्यीय गिरोह के सदस्य हैं। जानकारी के मुताबिक जगेश्वर बिहार थाना प्रभारी संदीप कृष्णा ने बताया कि जगेश्वर बिहार थाना में दर्ज कांड संख्या 16/23 धारा 379 में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है। इस क्रम में ये खुलासा हुआ है।

छात्राओं के बीच स्वास्थ्य जांच शिविर

कतरास। सोमवार को सीबीएसई के निदेर्शानुसार विद्यालय में स्वास्थ्य और कल्याण विषय पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी शीघ्र पूरी करें : डीसी

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी वरुण रंजन नेसोमवार को समाहरणालय के सभागार में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रणधीर वर्मा स्टेडियम (गोल्फ ग्राउंड) में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मुख्य समारोह की सारी तैयारियों को 13 अगस्त तक पूरा कर लेने, रणधीर वर्मा स्टेडियम में अग्निशमन वाहन के साथ एंबुलेंस व चिकित्सक की टीम रखने, स्कूली छात्रों एवं आम जनता से प्लास्टिक के बने राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग नहीं करने की अपील करने, प्लास्टिक के बने राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री पर रोक लगाने का निर्देश दिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरे जिले में ड्राई डे घोषित रहेगा।उपायुक्त ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह की विभिन्न तैयारियों के संपूर्ण प्रभार में उप विकास आयुक्त शशि प्रकाश सिंह रहेंगे। 13 अगस्त को उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार रणधीर वर्मा स्टेडियम में परेड के पूर्वाभ्यास व समारोह की तैयारियों का निरीक्षण करेंगे।

अधिकारियों के साथ बैठक करते धनबाद के डीसी

बैठक में उपायुक्त वरुण रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार, उप विकास आयुक्त शशि प्रकाश सिंह, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था कमलाकांत गुप्ता, अपर समाहर्ता नंदकिशोर गुप्ता, निदेशक डीआरडीए मुमताज अली अहमद, डीसीएलआर सतीश चंद्रा, अनुमंडल पदाधिकारी प्रेम कुमार तिवारी, जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह, एडीएम सप्लाई योगेन्द्र प्रसाद, डीएसपी समेत जिले के तमाम पदाधिकारी मौजूद थे।

बीआईटी सिंदरी के छात्रों ने लगाये 25 हजार पौधे

●बीआईटी सिंदरी ने चलाया एक छात्र एक पेड़ अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

सिंदरी। बीआईटी सिंदरी में मिशन मेरीलाइफ के तहत एआईसीटीई की पहल के रूप में सोमवार को एक छात्र एक पेड़ अभियान के तहत 25 हजार पौधों का रोपण किया गया। इस अभियान के तहत संस्थान के अंदर देशपांडे आडिटोरियम, प्रशासनिक भवन, विभिन्न अभियंत्रण विभागों सहित पुस्तकालय में पौधरोपण किया गया। पौधरोपण अभियान का नेतृत्व बीआईटी सिंदरी के प्रभार निदेशक प्रो घनश्याम द्वारा किया गया। उन्होंने पारिस्थितिकियों की पुनर्स्थापना और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में पेड़ लगाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह अभियान पृथ्वी की पारिस्थितिकियों की संरक्षण और पुनर्स्थापना को बढ़ावा देने के लिए पेड़ लगाने के पहल में भाग लेने की शपथ लेकर शुरू हुई है। विशाल पौधरोपण अभियान में संस्थान के अंदर 25000 पौधों का रोपण किया गया है। अभियान में जेनरल वार्डन प्रो आर. के. वर्मा, प्रो बी डी यादव, प्रो प्रकाश कुमार, प्रो मो अबुल कलाम, मीनाक्षी चौधरी, डॉ स्वाति तोमर, डॉ राजेंद्र मुर्मू, प्रो विश्वरंजन मिश्र और प्रो जितू कुजूर, ईको क्लब के छात्रों योगेश, रणबीर शामिल थे।

पौधरोपण अभियान में शामिल शिक्षक और विद्यार्थीगण।

खाली पड़ी जमीन पर लगाये गये ढाई लाख पौधे

चिरकुडा। ईसीएल मुगमा क्षेत्र व वन विभाग के संयुक्त तत्वाधान मे कुमारधुबी कोलियरी के खाली पड़े जमीन पर व सड़क किनारे पहली बारिश के बाद पौधरोपण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिसमें मुगमा क्षेत्र के तीन कोलियरियों के खाली पड़े जमीनो पर ढाई लाख पौधों का रोपन किया जाना है जिसको लेकर दोनों विभाग तैयारी पुर्ण कर कार्य प्रारंभ कर दिये है। हड़ियाजाम, कुमारधुबी व लखीमाता कोलियरी में पौधरोपण किया गया। वहीं सीसम, आम, जंगली लकड़ी वाले पौधो के साथ अन्य पौधे लगाये गये।

लियोनल मेसी ने जीता इंटर मियामी लीग कप का क्वार्टर फाइनल

एजेंसी

टेक्सास। अमेरिका में अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी का करिश्माई प्रदर्शन जारी है। मेसी ने अपनी कप्तानी में इंटर मियामी को लीग के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया है। इंटर मियामी टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार अंतिम-8 में पहुंची है। 2019 में शुरू हुए टूर्नामेंट का यह तीसरा संस्करण है। इंटर मियामी की टीम पहली बार ही लीग कप में हिस्सा ले रही हैं। मेसी ने टीम को खिताब के नजदीक पहुंचा दिया है। अब इंटर मियामी को फाइनल में पहुंचने के लिए दो और मैच जीतने हैं। टेक्सास के टोयोटा स्टेडियम में होम टीम एफसी डलास के खिलाफ इंटर मियामी ने पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की। निर्धारित 90 मिनट तक मैच 4-4 की बराबरी पर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में फैसला हुआ। वहां इंटर मियामी ने 5-3 से जीत हासिल की। क्वार्टर फाइनल में टीम का मुकाबला 11 अगस्त को ह्यूस्टन डायनेमो या चार्लोट एफसी से होगा।

मेसी ने छठे मिनट में ही किया था गोल : मैच की बात करें तो मेसी ने छठे मिनट में गोल कर इंटर मियामी को 1-0 से आगे कर दिया। डलास की टीम ने 37वें मिनट में वापसी की। उसके लिए फाकुंडो क्विकनॉन ने पहला गोल किया। हाफटाइम से ठीक पहले 45वें मिनट में बर्नार्ड कामुंगो ने डलास की टीम को 2-1 से आगे कर दिया। हाफटाइम के बाद दोनों टीमों के बीच जोरदार मुकाबला देखने को मिला। 63वें मिनट में डलास के लिए एलन वेलास्को ने गोल कर दिया और अब स्कोर 3-1 हो गया।

2-4 से पीछे हो गई थी इंटर मियामी : डलास की टीम जब मैच में 3-1 से आगे थी तो लगा कि लियोनल मेसी की टीम इंटर मियामी क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच पाएगी। 65वें मिनट में इंटर के लिए बेंजामिन क्रेमास्कि ने गोल कर स्कोर को 3-2 कर दिया, लेकिन रॉबर्ट टेलर ने आत्मघाती गोल कर दिया। अपने खिलाड़ी की गलती के कारण इंटर की टीम मैच में 2-4 से पीछे हो गई। अब उसकी हार लगभग तय हो गई थी। 80वें मिनट में डलास के खिलाड़ी मार्को फरफान ने रॉबर्ट टेलर जैसी गलती की। फरफान ने आत्मघाती गोल किया। यहां से इंटर मियामी को जीवनदान मिल गया। उसने आखिरी 10 मिनट में मैच को बराबरी करने के लिए कई प्रयास किए।

लियोनल मेसी ने 85वें मिनट में कमाल : 85वें मिनट में लियोनल मेसी का जादू देखने को मिला। इंटर मियामी को फ्री किक मिला। 85वें मिनट में फ्री-किक एक्सपर्ट कहे जाने वाले मेसी गेंद को बॉक्स के बाहर से मारने के लिए तैयार हुए तो इंटर मियामी के फैंस की नजरें उन पड़ थी। मेसी ऐसे मौकों को बर्बाद नहीं होने देते। यहां भी उन्होंने ऐसा ही किया। गेंद को सीधे गोलपोस्ट में मारकर इंटर की टीम को 4-4 की बराबरी पर ला दिया। निर्धारित 90 मिनट की समाप्ति के बाद स्कोर 4-4 रहा। मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंच गया।

स्पीड न्यूज

भूमि विवाद को ले मारपीट, दो घायल

रमना। थाना क्षेत्र के झुरहा-मंझिगांवा में सोमवार को दो पक्षों के बीच हुए भूमि विवाद में एक पक्ष के अमलेश कुमार व श्रवण कुमार घायल हो गए। घायल श्रवण को बेहतर इलाज के लिए गढ़वा स्थित सदर अस्पताल भेज दिया गया है। जबकि अमलेश का इलाज सामुदायिक स्वास्थ केंद्र रमना में किया गया। घायल पक्ष ने रमना थाना में आवेदन देकर पप्पु मेहता, सुखलाल मेहता, राम विचार मेहता सहित आधा दर्जन लोगों पर कार्रवाई की मांग किया है। रमना पुलिस को दिए आवेदन मे कहा है कि मारपीट के घटना में शामिल लोग हमारे जमीन को अपना कह कर जबरन ट्रैक्टर से खेत जुताई कर रहे थे। रोकने पर ट्रैक्टर से ध्क्का देकर गिराकर वे हथियार के साथ मारपीट करने लगे।

जंगली हाथियों ने फसल को किया बर्बाद

धुरकी। प्रखंड के राज्यपाल नगर उर्फ छुछी गांव में छत्तीसगढ़ से आये 22 हाथियो के झुंड ने बीती रात तीन एकड़ मे लगी मकई, तिल, रहर की फसल को बर्बाद कर दिया। जानकारी के अनुसार छुछी गांव मे ऐनातुल अंसारी, सुदी गोंड तथा सुराज गोंड के खेत में लगी रहर, तिल, मकई की फसल को नुकसान पहुंचाया है। घटना की सुचना पाकर वनपाल प्रमोद कुमार यादव ने प्रभावित लोगों से मिलकर सरकार के नियम के अनुसार मुआवजा दिलाने का भरोसा दिलाया है।

भाजपा नेताओं को किया गया सम्मानित

गढ़वा। भाजपा का स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम के दौरान बेहतर कार्य करने के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी आदि नेताओं को सम्मानित किया गया। सोमवार को पार्टी कार्यालय में स्वच्छ भारत अभियान के झारखंड प्रदेश के सहसंयोजक व पलामू प्रमंडल के प्रभारी रविंद्र नाथ उपाध्याय, पलामू जिला संयोजक शंभू शरण सिंह, गढ़वा जिला संयोजक मदन मोहन गुप्ता उर्फ टिंकू गुप्ता, सहसंयोजक जितेंद्र दीक्षित एवं दीपक चौहान ने पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी आदि को अंग वस्त्र एवं फलदार पौधा देकर सम्मानित किया।

पूजा मोबाइल दुकान का उद्घाटन

कान्हाचट्टी। राजपुर मुख्य बाजार स्थित पूजा मोबाइल दुकान का उद्घाटन ज़िप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने विधिवत फीता काट कर किया। उन्होंने दुकान के संचालक उदय दांगी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर दुकान के संचालक उदय दांगी ने बताया कि इस दुकान में सभी कंपनी के मोबाइल सेट उचित मूल्य पर ग्राहकों को उपलब्ध कराने का हमारा प्रयास रहेगा। साथ ही लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मैं सदैव तत्पर रहूंगा। मौके पर इन्द्रदेव दांगी, सुनील केशरी सहित कई लोग उपस्थित थे।

शहर में स्टूडेंट लाइब्रेरी की विशेष सुविधा

चतरा। शहर के नगंवा स्थित डीसी ऑफिस के बगल में स्टूडेंट लाइब्रेरी क्लासेस ने विशेष सुविधा लेकर आया है। जिसमें छात्र छात्राओं के प्रतियोगी परीक्षा इंजीनियर सीएचएसएल सैनिक की तैयारी कर रहे हैं छात्र एवं छात्रों को शहर में विशेष सुविधा उपलब्ध है निदेशक सुनील महतो ने बताया कि लाइब्रेरी में छात्र छात्रों को शुद्ध वातावरण के साथ 24 घंटे बिजली, छात्रों को चार्जिंग, वाईफाई की सुविध, पार्किंग की सुविधा मिनरल पानी के साथ प्रतियोगी पत्र-पत्रिकाओं एवं सभी सहायक पुस्तकों की सुविधा प्रदान कर रही है उन्होंने बताया कि लाइब्रेरी प्रत्येक दिन सुबह 6:00 बजे से लेकर रात्रि 10:00 बजे तक खुली रहती है।

फरार अभियुक्त को भेजा गया जेल

गिद्धौर। थाना कांड संख्या 49/23 में मामला दर्ज एनडीपीएस एक्ट के तहत फरार चल रहे अभियुक्त को रविवार संध्या इसके घर से गिरफ्तार कर सोमवार को सुबह न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थाना प्रभारी कन्हैया कुमार यादव ने बताए कि अभियुक्त सुनील कुमार दांगी पिता महेंद्र दांगी गांव+थाना गिद्धौर निवासी है।

कोको गॉ ने जीता डीसी ओपन का खिताब

वाशिंगटन। अमरीका की 19 वर्ष की कोको गॉ ने मारिया सक्कारी को 6.2, 6.3 से हराकर डीसी ओपन खिताब जीत लिया जो उनके डब्ल्यूटीए टूर कैरियर का चौथा एकल खिताब है। राजधानी में इस हार्डकोर्ट टूर्नामेंट के महिला वर्ग में गॉ सबसे युवा विजेता बनी। फ्रेंच ओपन 2022 उपविजेता गॉ ने एक भी सेट नहीं गंवाया। वहीं 33 वर्ष के डैन इवांस पुरूष वर्ग में 1988 के बाद सबसे उम्रदराज चैम्पियन बन गए। उन्होंने आंधी तूफान के कारण दो घंटे से अधिक विलंब से खेले गए फाइनल में टालोन ग्रीकस्पूर को 7.5, 6.3 से हराया। जिम्मी कोनोर्स ने 1988 में 35 वर्ष की उम्र में यह खिताब जीता था।

कोरिया को हराकर भारत सेमीफाइनल में

चेन्नई। भारत ने अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए सोमवार को यहां एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के राउंड रोबिन मैच में दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की। भारत की ओर से निलाकांता शर्मा (छठे मिनट), हरमनप्रीत सिंह (23वें मिनट) और मनदीप सिंह (33वें मिनट) ने गोल दागे।

जापान को 3-1 से हराकर मलेशिया सेमीफाइनल में

चेन्नई। मलेशिया ने जापान की आखिरी क्षणों में वापसी करने की कवायद को नाकाम करते हुए सोमवार को यहां 3-1 से जीत दर्ज की और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की। मलेशिया की तरफ से नजमी जाजलान (13वें मिनट, पेनल्टी कॉर्नर), अशरन हमसानी (37वें) और शेलो सिल्वरियस (59वें मिनट) ने गोल दागे। जापान ने गोल करने के कई मौके गंवाए। उसके लिए एकमात्र गोल निवा ताकुमा ने 59वें मिनट में किया।

राहुल की सदस्यता बहाल होने पर नीतीश ने जतायी प्रसन्नता

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल होने पर सीएम नीतीश कुमार ने सोमवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इसके लिए राहुल गांधी को बहुत-बहुत बधाई। सदस्यता खत्म होने पर सभी को खराब लगा था, लेकिन जब सदस्यता बहाल हो गई तो सभी में खुशी है। वहीं, विपक्षी एकता पर उन्होंने कहा कि इस देश में बहुत सी पार्टियां एक हो रही हैं तो केंद्र को परेशानी हो रही है। इसके बाद बाकी सब लोग एकजुट होकर देशहित में काम करेंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि राहुल गांधी के लिए अच्छा फैसला हुआ है। आगे उन्होंने कहा कि पूरे देश में सभी विपक्षी पार्टियां एक साथ एक जुट होकर आगामी लोकसभा लड़ेंगी। विपक्षी दल एक साथ आ रहे हैं इसलिए लोग केंद्र के लोग चिंतित हैं। इसकी शुरूआत पटना से हुई। इसके बाद मुंबई में बैठक होगी। मुंबई में होने वाली बैठक को लेकर सभी लगे हुए हैं। बता दें कि मानहानि मामले में गांधी को गुजरात की एक अदालत द्वारा सुनायी गयी सजा पर उच्चतम से स्थगन लगने के बाद सोमवार को गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल कर दी गई। संसद पहुंचने पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी सांसदों ने गांधी का गर्मजोशी से स्वागत किया। लोकसभा सचिवालय ने एक अधिसूचना जारी कर घोषणा की कि संसद सदस्य के तौर पर उनकी अयोग्यता को रद्द कर दिया गया है और उनकी सजा पर उच्चतम न्यायालय की रोक के बाद उनकी सदस्यता बहाल कर दी गई है। वहीं, इस फैसले के बाद बिहार सहित पूरे देश में राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है।

हाथों में मेहंदी और होठों पर कजरी ने रगों में दौड़ा दी उमंग की लहरें

खबर मन्त्र संवाददाता

हरे परिधान में कार्यक्रम में शामिल महिलाएं।

गढ़वा। सावन में तन-मन को गुदगुदाते वर्षा की फुहार के बीचमें को मोह लेने वाले लायंस क्लब ऑफ गढ़वा ग्रीन की हरितालिका श्रावणी उत्सव ने लोगों के जेहन में उत्साह एवं हर्षोल्लास की बड़ी सौगात डाल दी।

बन्धन मैरेज हॉल में आयोजित इस मनमोहक कार्यक्रम में महिलाएं हरे परिधान में सजधज कर शामिल हुईं। उनके हाथों में रची मेहंदी और होठों पर विखरते कजरी के गीत रगों में उमंग की लहरें दौड़ा रही थी। तक आयोजित किया गया। अंगड़ाई लेते मानसून और प्रकृति की सुंदरता की प्रशंसा से जुड़ी इस उल्लास पूर्ण कार्यक्रम में लायंस ग्रीन के सदस्यों उनके परिवार के सदस्य, बच्चे, गढ़वा शहर के प्रतिष्ठित लोगों के साथ रांची व सासाराम से आए लायंस के पदाधिकारी भी सम्मिलित थे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में बी एस के डी स्कूल की चेयरपर्सन शोभा सोनी तथा विशिष्ट अतिथि बी एस के डी स्कूल की प्रिंसिपल अन्नपूर्णा सिंह, नगर परिषद की अध्यक्षा पिंकी केसरी, पूर्व अध्यक्षा अनीता दत्त उपस्थित थी। क्लब के पदाधिकारी पीडीजी लायन राहुल वर्मा, पीडीजी लायन माधव लखोटिया, लायन दीपक चौबे, लायन नागेंद्र आदि उपस्थित थे। बीएसकेडी के डायरेक्टर लायन संजय सोनी, लायंस विशाल की अंजू देवी, कसौधन महिला समाज की अध्यक्ष शोभा कश्यप उपस्थित थी।

पारंपरिक हरे रंग की वेशभूषा में बड़ी संख्या में लाइन परिवार की महिलाएं समारोह में शामिल हुईं। इस समारोह के कई आकर्षण कार्यक्रम शामिल थे जिनमें से एक था 'सजा हुआ झूला' फोटोशूट यह सभी उपस्थित जनों को हरे भरे परिवेश और मानसूनी माहौल के बीच आनंददायक यादें संजोने का अवसर प्रदान कर रहा था। सांस्कृतिक गतिविधियां विशेषकर बच्चों का प्रदर्शन इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण था।

लायन परिवार के बच्चों ने अपनी प्रतिभा और कला का प्रदर्शन नृत्य व गायन के माध्यम से किया। बच्चों ने अपने नृत्य प्रदर्शन और भावपूर्ण गीतों से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर क्लब के द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। अपनी कलात्मक मेहंदी डिजाइन से बच्चियों ने दर्शकों को प्रभावित किया।

पुरुष महिलाएं व बच्चों ने सावन के गाने और झूले का भरपूर आनंद लिया, जिससे वहां के वातावरण में सौहार्दऔर आनंद की भावना भर गई।

बारिश ने उत्सव में एक जादुई स्पर्श जोड़ दिया जिससे यह उत्सव उपस्थित लोगों के लिए और भी खास हो गया। विजय कुमार सोनी ने कहा कि समय-समय पर सामाजिक सेवा के साथ-साथ लायंस क्लब ग्रीन इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन करता रहेगा क्योंकि इस तरह का उत्सव लायंस क्लब के सदस्यों और उनके परिवारों के बीच एकजुटता की भावना को बढ़ावा देते हुए बच्चों की प्रतिभा को प्रदर्शित करने और पोषित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

इस कार्यक्रम की चेयर पर्सन लायन दीपाली अग्रवाल ने कहा कि क्लब के द्वारा इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य समाज की सांस्कृतिक विरासत को कायम रखना वह एक स्वस्थ समाज के निर्माण में सकारात्मक सहयोग देने की भावना है यह कार्यक्रम सिर्फ मानसून के मौसम का जश्न ही नहीं बल्कि सभी के बीच दोस्ती के बंधन को मजबूत करने वाला है। इस कार्यक्रम का संचालन दीपाली अग्रवाल और श्रीमती विनीता आनंद ने किया।

गढ़वा में जायन्ट्स सहेली का सावन महोत्सव आयोजित

कार्यक्रम में जायन्ट्स सहेली सदस्य।

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। जायन्ट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा सहेली के तत्वावधान में शहर के ज्ञान निकेतन कान्वेंट स्कूल में सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नृत्य, गीत संगीत आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तत्पश्चात विजेताओं के बीच पुरस्कार का वितरण किया गया। मौके पर सहेली सदस्यों के कहा कि जीवन में हर खुशी के मौके को खुलकर जियें। हंसी खुशी के माहौल में रहने से मानसिक तनाव और कई तरह की बीमारियों से बचा जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहेली अध्यक्ष रितु जायसवाल ने की। मौके पर गढ़वा नगर परिषद अध्यक्ष पिंकी केशरी, अनिता दत्त, जायन्ट्स वेलफेयर फाउंडेशन के पदाधिकारी सीमा केशरी, जायन्ट्स सहेली के फाउंडर अध्यक्ष रश्मि कमलापुरी, रीता केशरी, माला केशरी, लता गुप्ता, सुषमा केशरी, रीना अग्रवाल, रंजना जायसवाल, वीणा केशरी, रीमा स्वरूप, पल्लवी पुंज, प्रियंका केशरी, संगीता गुप्ता, करुणा केशरी, वंदना सोनी, अंजू गुप्ता, विमला केशरी, वर्षा अग्रवाल, किरण कमलापुरी, रिंकी केशरी, नीतू सोनी, ज्योति अग्रवाल, सारिका केशरी आदि लोग उपस्थित थी।

चक्रधरपुर प्रखंड में भव्य रूप से आयोजित होगा मेरी माटी मेरा देश अभियान

देश के प्रति समर्पण एवं बलिदानियों के प्रति सम्मान को प्रदर्शित करने का है एक बेहतर अवसर : बीडीओ

खबर मन्त्र संवाददाता

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर प्रखंड में मेरी माटी मेरा देश अभियान भव्य रूप से आयोजित होगा। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आगामी 9 अगस्त से 15 अगस्त तक प्रखंड में 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान चलेगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार सिन्हा और पंचायत राज पदाधिकारी मनोज कुमार सिन्हा ने नेतृत्व संभाला है। इसे लेकर सोमवार को प्रखंड सभागार में पंचायत प्रतिनिधि, पंचायत सचिव एवं कर्मचारियों के साथ बैठक की। बीडीओ ने बताया कि इस अभियान के तहत प्रखंड के प्रत्येक ग्राम पंचायत पर शिला फलक स्थापना, पंच प्रण प्रतिज्ञा, अमृत वाटिका की स्थापना, वीरों का वंदन, हर घर तिरंगा फहराने जैसे कार्यक्रम आयोजित होने हैं। इसके अलावा मिट्टी यात्रा के तहत हर ग्राम व पंचायत से मिट्टी लेकर कर्तव्य पथ दिल्ली स्थित अमृत वाटिका में पहुंचाई जाएगी। बीडीओ कहा कि देश के प्रति समर्पण एवं बलिदानियों के प्रति सम्मान को प्रदर्शित करने का यह एक बेहतर अवसर है, जिसमें सभी लोगों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इसमें जन-प्रतिनिधियों का पूरा सहयोग लेकर इसे जन-अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। कहा कि सभी कर्मी परस्पर समन्वय बनाकर अभियान से जुड़ी जिम्मेदारियों का तत्परता से संपादन सुनिश्चित करे और इस अभियान में उल्लेखनीय भूमिका निभाए। अभियान की गतिविधियों को पंचायत की माइक्रो वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाना है। जिसके लिए केन्द्र सरकार हर पंचायत की माइक्रो वेबसाईट बनाई गई है। बताया कि अभियान के तहत गांव में शिलाफलक स्मारक की स्थापना की जाएगी। इस शिला फलक पर आजादी का अमृत महोत्सव का लोगो, प्रधानमंत्री का विजन 2047 का उद्धरण एवं स्थानीय वीर बलिदानी के नाम अंकित होंगे। बैठक में प्रखंड प्रमुख ज्योति सिजुई, उप प्रमुख विनय प्रधान, प्रखंड बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष ताराकांत सिजुई, मुखिया सेलाय मुंडा, श्याम सिंह मुंडा, सरिता गागराई, आंति सामाड, शांति देवी, जंगल सिंह गागराई आदि उपस्थित रहे।

एक नजर में

जीएन कॉन्वेंट में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के प्रमाण पत्र का वितरण

गढ़वा। शहर के ज्ञान निकेतन कॉन्वेंट स्कूल में सोमवार को भारत स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा प्रशिक्षित छात्र-छात्राओं के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इस दौरान राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में नेतरहाट गए 32 स्काउट-गाइड्स को विद्यालय के निदेशक मदन प्रसाद केशरी ने प्रमाण-पत्र प्रदान किया। मौके पर विद्यालय के निदेशक श्री केशरी ने कहा कि आज देश को त्याग और बलिदान करने वाले नवयुवकों की आवश्यकता है। जो अपने देश की, समाज की, हर समय और हर स्थिति में सेवा करने के लिए तत्पर रहें। भाड़े के सेवकों से कभी देश का भला नहीं हुआ। उसके लिए सच्चे समाजसेवी चाहिए, जो जनता के सुख-दुःख को पहचान सके और उसे अपना समझ सके। प्रशिक्षक विकास सिंह ने बच्चों के क्रियाकलापों एवं अनुशासन की भूरी-भूरी प्रशंसा की। मौके पर उपप्राचार्य बीके ठाकुर, संतोष प्रसाद, नीरा शर्मा आदि थे।

पेज 1 का शेष

136 दिन बाद संसद...

अविश्वास प्रस्ताव पर आज बोलेंगे राहुल : सांसद राहुल गांधी 8 अगस्त को लोकसभा में होने वाली अविश्वास प्रस्ताव चर्चा में अपनी बात रखेंगे। संभावना है कि वह कल सदन में कांग्रेस की ओर से बहस की शुरुआत करेंगे। सुप्रीम कोर्ट से मोदी सरनेम मामले में राहत मिलने के बाद संसद में राहुल गांधी को सभी सुनने के लिए इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस ने अपने नेता की सदस्यता बहाल होने का स्वागत किया और कहा कि वह चाहती है कि राहुल गांधी लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस में मुख्य वक्ता हों। **जिंदाबाद के नारे लगे :** लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्यसभा में पार्टी के उप नेता प्रमोद तिवारी, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन और कई अन्य विपक्षी सांसदों ने संसद भवन के प्रवेश द्वार पर राहुल गांधी का स्वागत किया। विपक्षी सांसदों ने राहुल गांधी संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं और राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाये। **निशिकांत का कटाक्ष, कहा- मनोरंजन वापस :** लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वापसी को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'मनोरंजन' वापस आ गया है। संसद के बाहर पत्रकारों से बातचीत के दौरान सांसद निशिकांत दुबे ने ये बात कही। वहीं लोकसभा में निशिकांत दुबे ने चाइनीज फंडिंग को लेकर विपक्ष को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस चीन के साथ मिलकर देश के खिलाफ माहौल तैयार कर रहा है।

ऐतिहासिक होगा झारखंड...

मौके पर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की, प्रकाश हंस, मुन्ना उरांव, अजीत उरांव,निकोलस एक्का, साइमन कच्छप, सोनू एक्का, अनीश अहमद, विजय बड़ाईक, जरिया उरांव, बबलू उरांव, धंजू नायक, सचिन कच्छप, मन्नू तिग्गा, विजय कच्छप, लाला कच्छप, सूरज मुंडा, मोनू राज, बिरलू तिर्की, करमा कमल लिंडा, शनि मिंज, पुरन टोप्पो, दिनेश कच्छप और श्री संजू कच्छप शामिल थे। **जनजातीय वाद्य यंत्रों की मधुर धुन पर थिरकेगा झारखंड :** जहां चलना नृत्य और बोलना संगीत हो, उस धरा में 32 जनजातीय के वाद्ययंत्रों की अविस्मरणीय गूंज के हम सभी साक्षी बनेंगे। रीझ रंग रसिका रैली में जब पारंपरिक वेशभूषा में मांदर की थाप पर कदम थिरकेंगे, तब पूरा झारखंड थिरकेगा और वाद्ययंत्रों का संगम झारखंड आदिवासी महोत्सव का आगाज करेगा। रीझ रंग रसिका रैली मुख्य आकर्षण का केंद्र होगी। नौ अगस्त को 12 बजे अपराह्न रैली धुमकुड़िया भवन, करमटोली चौक से जेल रोड स्थित बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान के लिए प्रस्थान करेगी। रैली में राज्य के 32 विभिन्न जन जातिय वाद्ययंत्रों का संगम होगा। रैली में असुर, बैंगा, बंजारा, बथुडी, बेदिया, बिंझिया, बिरहोर, बिरजिया, चेरो, चिक-बड़ाईक, गोंड, गोडाईल, हो, करमाली, खड़िया, कंवर, खरवार, खोंड, किसान, कोरा, कोरवा, लोहरा, महली, माल पहाड़िया, मुंडा, उरांव, परहईया, संथाल, सौरिया पहाड़िया, सवर,भूमिज एवं कोल जनजाति के कलाकार अपने वाद्ययंत्रों के साथ नजर आयेंगे। दो दिनो महोत्सव में अरुणाचल प्रदेश, असम, आंध्र प्रदेश, ओडिसा, राजस्थान के जनजातीय समुदाय के मेहमान अपनी परंपरा और संस्कृति से रूबरू कराएंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत नागपुरी, सरायकेला छऊ, डोमकच, पायका समेत अन्य नृत्य की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा की जायेगी।

जगरनाथ महतो के नाम...

राज्य की मजबूती के लिए गांव का मजबूत होना बेहद जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रही है। सीएम ने कहा कि कि झारखंड वीरों और शहीदों की भूमि रही है। अपने वीर-शहीदों और आंदोलनकारियों के सपनों का झारखंड बना रहे हैं। **इस साल भी सुखाड़ की आशंका :** सीएम ने कहा कि पिछले वर्ष भी सुखाड़ की स्थिति पैदा हुई। इस वर्ष भी अपेक्षा के अनुरूप बारिश अब तक नहीं हुई है। ऐसे में एक बार फिर सुखा की आशंका बन सकती है। ऐसे में राज्य में हो रही बारिश और फसलों की बुवाई का लगातार आकलन कर रहे हैं और जल्द ही किसानों के हित में ठोस निर्णय लिए जायेंगे। **कई योजनाओं की सौगात :** सीएम ने इस अवसर पर 292 करोड़ 54 लाख 23 हजार रुपये की 62 योजनाओं की सौगात बोकारो जिले वासियों को दी। इसमें 18 करोड़ 14 लाख 33 हजार रुपए की 37 योजनाओं का उद्घाटन और 274 करोड़ 39 लाख 90 हजार रुपये की 25 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। वहीं, 11186 लाभुकों के बीच 116 करोड़ 90 लाख 66 हजार रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। मौके पर मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, मंत्री बेबी देवी, योगेंद्र प्रसाद महतो, विधायक जयमंगल सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, डीआईजी कन्हैया लाल मयूर पटेल समेत जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद थे।

झारखंड में मानसून...

डालटेनगंज में तीन मिमी बारिश रिकार्ड की गयी। गिरिडीह में 22.5 एमएम बारिश हुई। सोमवार को गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार और रांची जिले में बारिश के बाद मॉनसून संथाल की ओर रुख कर गया। संथाल परगना और राज्य के कई जिलों में मॉनसून सक्रिय रहेगा। मंगलवार को संथाल परगना के तथा कुछ दूसरे जिलों में भारी बारिश होने की भी संभावना है। **रांची का तापमान गिरा :** कई दिनों की लगातार बारिश के बाद राजधानी रांची के तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है। सोमवार को अधिकतम तापमान 25.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री घटकर 23.4 डिग्री सेंटीग्रेड हो गया। रांची का अधिकतम तापमान अब सामान्य से 3.7 डिग्री कम हो गया है, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.7 डिग्री अधिक है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो इस दौरान तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस तक की कमी दर्ज की जायेगी।

सॉफ्ट लैंडिंग चुनौती...

उन्होंने कहा, हमारा प्रयास यह है कि जिस स्थान पर लैडिंग की योजना बनायी गयी है, उसी जगह लैंडिंग हो। उन्होंने कहा, भारत एक बड़ी उपलब्धि की ओर बढ़ रहा है। **इसरो ने भेजी चांद की तस्वीरें :** उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 से चांद की कुछ तस्वीरें भी ली गयी है। हर तस्वीर में बाये तरफ गोल्डेन रंग का एक यंत्र दिख रहा है। यह चंद्रयान-3 का सोलर पैनल है। तस्वीर में सामने चंद्रमा की सतह और उसके गड्ढे को देखा जा सकता है। हर तस्वीर में यह बढ़ता ही जा रहा है। ऑर्बिट में पहुंचने के बाद चांद की कुछ तस्वीरें भी भेजी हैं। इसरो अध्यक्ष का कहना है कि यान पूरी तरह सुरक्षित है और उम्मीद के मुताबिक आगे बढ़ रहा है। अगर चांद पर लैंडिंग के वक्त किसी तरह की कोई दिक्कत आती है तो हमारे पास प्लान-बी तैयार है। चंद्रयान-2 अभियान से मिली चंद्रमा की तस्वीरों का उपयोग चंद्रयान-3 की बेहतर अवस्थिति के लिए किया गया। हमने आकस्मिक स्थिति एवं गड़बड़ी से निपटने के लिए और अधिक सूचना जुटायी। हमने इन सभी चीजों पर व्यापक परीक्षण कार्यक्रम संचालित किया।

इसरो ने जारी की चंद्रयान-3 से भेजी गयी चंद्रमा की पहली तस्वीर

एजेंसी

बेंगलुरु। चंद्रयान-3 के चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश करने के एक दिन बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान द्वारा देखे गये चंद्रमा का एक वीडियो ट्विटर पर जारी किया। इसमें चंद्रमा को नीले-हरे रंग में कई गड्ढों के साथ दिखाया गया है।

अंतरिक्ष यान अपने प्रक्षेप पथ को और अधिक समायोजित करने और चंद्रमा की सतह के करीब पहुंचने के लिए कुछ दिनों तक चंद्रमा की सतह से 100 किमी ऊपर की गोलाकार कक्षा में परिक्रमा करता रहेगा। इस दौरान यह चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 के उतरने के लिए एक सही जगह सुनिश्चित किया जायेगा। इसरो 17 अगस्त को लैंडिंग मॉड्यूल को प्रोपल्शन मॉड्यूल से अलग करेगा। लैंडिंग मॉड्यूल का नाम विक्रम है, जो रोवर प्रज्ञान को ले गया है। इसके बाद लैंडिंग मॉड्यूल को 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग कराया जायेगा। सफल सॉफ्ट लैंडिंग के लगभग चार घंटे बाद, रोवर प्रज्ञान को लैंडर विक्रम से अलग किया जायेगा। इसके बाद विक्रम और प्रज्ञान दोनों चंद्रमा की सतह पर प्रयोग करेंगे। इस प्रयोग से चंद्र पर्यावरण, संरचना और अन्य वैज्ञानिक मापों के संबंध में मूल्यवान डाटा मिलेगा, जिससे चंद्रमा के बारे में हमारी समझ और भविष्य की खोज के लिए इसकी क्षमता का विस्तार करने में मदद मिलेगी। दूसरी ओर, प्रणोदन मॉड्यूल, अपने वैज्ञानिक उपकरणों की श्रृंखला के साथ, चंद्रमा की परिक्रमा जारी रखेगा। चंद्रमा की कक्षा में रहकर प्रणोदन मॉड्यूल मूल्यवान डाटा एकत्र करना और वैज्ञानिक परीक्षण करना जारी रखेगा।

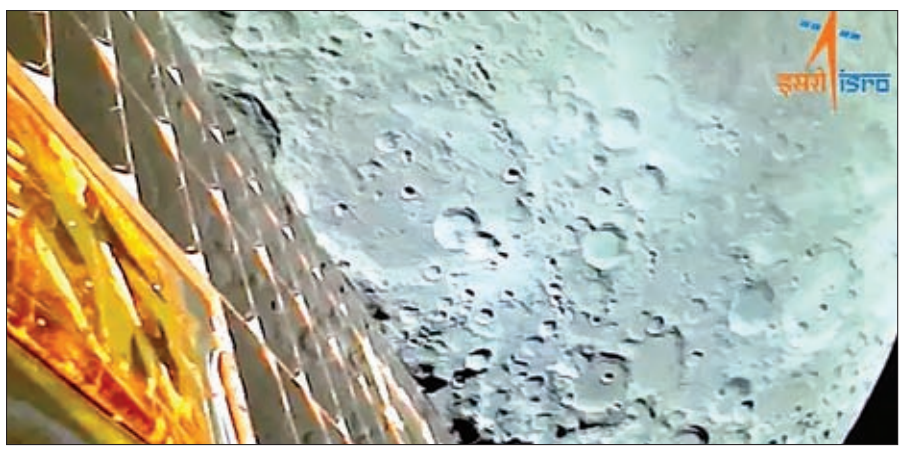

भारतीय अंतरिक्षयान चंद्रयान-3 से भजी गयी चंद्रमा की तस्वीर।

मणिपुर हिंसा की जांच को सुप्रीम कोर्ट ने बनायी तीन पूर्व न्यायाधीशों की कमेटी

नयी दिल्ली (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर में महिलाओं के साथ बर्बरता से जुड़े मामलों की जांच के लिए हाइकोर्ट की तीन रिटायर्ड महिला जजों की एक कमेटी गठित की है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने जम्मू-कश्मीर हाइकोर्ट की पूर्व चीफ जस्टिस गीता मित्तल की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया, जिसमें बांबे हाइकोर्ट की रिटायर जज जस्टिस शालिनी जोशी और दिल्ली हाइकोर्ट की पूर्व जज जस्टिस आशा मेनन शामिल होंगी। कोर्ट ने सीबीआइ जांच की निगरानी के लिए पूर्व आइपीएस अधिकारी दत्तात्रेय पडसालगिकर को नियुक्त किया है। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि वह तीन हाइकोर्ट के रिटायर जजों की कमेटी नियुक्त करेगा। हमारा प्रयास कानून के शासन में विश्वास की भावना बहाल करना है। यह कमेटी जांच के अलावा अन्य चीजों पर भी गौर करेगी, जिसमें राहत और उपचारात्मक उपाय आदि शामिल हैं। कोर्ट ने कहा कि महिलाओं से जुड़े अपराध वाली 11 एफआइआर की जांच सीबीआइ करेगी, लेकिन इनमें अलग-अलग राज्यों से 5 डीएसपी स्तर के अधिकारियों को शामिल किया जायेगा। सीजेआइ ने कहा कि 11 एफआइआर की जांच की निगरानी के लिए 5 डीसीपी लेवल के अधिकारियों को सीबीआइ में प्रतिनियुक्ति पर लाया जायेगा। ये अधिकारी सीबीआइ के प्रशासनिक ढांचे के चारों कोनों में भी काम करेंगे और इनकी निगरानी सीबीआइ के संयुक्त निदेशक करेंगे। चीफ जस्टिस ने कहा कि हमने अधिकारियों की पहचान कर ली है, जिन्हें तीन सदस्यीय न्यायिक जांच कमेटी में शामिल किया गया है।

स्पीड न्यूज

धूमधाम से निकली भगवान महाकाल की सवारी

उज्जैन। श्रावण-भादौ मास में निकाली जाने वाली सवारियों के क्रम में आज श्रावण मास के पांचवें सोमवार पर भगवान महाकालेश्वर की सवारी धूमधाम से निकाली गई। इस दौरान बाबा महाकाल ने पांच स्वरूपों में श्रद्धालुओं को दर्शन दिए। पालकी में श्री चन्द्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरूड़ रथ पर शिवतांडव और नन्दी रथ पर उमा-महेश, डोल रथ पर होल्कर स्टेट के मुखारविंद विराजित होकर अवंतिकानाथ ने नगर भ्रमण किया।

पाक ने ईरान के साथ गैस पाइपलाइन समझौते पर लगायी रोक

इस्लामाबाद। ईरान के साथ पाकिस्तान के रिश्तों में अमेरिकी दबाव का असर दिखने लगा है। पाकिस्तान ने ईरान के साथ गैस पाइपलाइन समझौते पर रोक लगा दी है। अरबों डॉलर की इस परियोजना से पाकिस्तान को सस्ती गैस मिलनी थी, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते पाकिस्तान इस परियोजना से फिलहाल पीछे हट गया है।

संजय अग्रवाल ने संभाला सीबीआइसी के अध्यक्ष का पदभार

नयी दिल्ली। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी संजय कुमार अग्रवाल ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) के अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया है। अग्रवाल ने विवेक जौहरी की जगह ली है, जो 31 मई को सेवानिवृत्त हो गये थे।

ट्रंप को निष्पक्ष सुनवाई की उम्मीद नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को वर्ष 2020 के चुनाव धोखाधड़ी मामले में निष्पक्ष सुनवाई की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि कि वह अपने ऊपर लगाये गये आपराधिक मुकदमे की निगरानी एक अलग न्यायाधीश से कराने और मामले को वाशिंगटन से बाहर स्थानांतरित करने के लिए याचिका दायर करेंगे।

स्वदेशी के उपयोग से नयी क्रांति का गवाह बन रहा भारत : मोदी

पीएम ने भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष पोर्टल किया लांच

नयी दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारत मंडपम में नौंवे राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत स्वदेशी के उपयोग से नयी क्रांति का गवाह बन रहा है। उन्होंने कहा कि आज का भारत सिर्फ 'वोकल फॉर लोकल' तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसे ग्लोबल प्लेटफॉर्म भी प्रदान कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष का ई-पोर्टल भी लांच किया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हम भारत मंडपम में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मना रहे हैं, जिसका हाल ही में उद्घाटन किया गया था। प्राचीन से आधुनिक का यह संगम आज के भारत को परिभाषित करता है। उन्होंने कहा कि भारत के जीवंत हथकरघा देश की विविधता के उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वदेशी आंदोलन आज ही के दिन 1905 में शुरू हुआ था। यह एक बड़ा कारण था कि हमारी सरकार ने आज के दिन को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। उल्लेखनीय है कि 2015 में पहला राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया था।

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर देशवासियों से आगामी त्योहारों में स्वदेशी उत्पादों की खरीद को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में रक्षाबंधन का पर्व आने वाला हैं, गणेश उत्सव आ रहा है, दशहरा, दीपावली, दुगार्पूजा इन पर्वों पर हमें अपने स्वदेशी के संकल्प को दोहराना ही है। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टीकरण को देश से बाहर खदेड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, देश कह रहा है भ्रष्टाचार भारत छोड़ो, वंशवाद भारत छोड़ो, तुष्टीकरण भारत छोड़ो।

उन्होंने कहा, 9 अगस्त को महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ था। बापू ने अंग्रेजों को साफ-साफ कह दिया था कि भारत छोड़ो और अंग्रेजों को इंडिया छोड़ना ही पड़ा था। जो मंत्र अंग्रेजों को खदेड़ सकता था, वह मंत्र हमारे यहां भी ऐसे तत्वों को खदेड़ने का कारण बन सकता है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह को संबोधित करते पीएम मोदी।

पंचायती राज व्यवस्था भारतीय लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ : पीएम

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पंचायती राज व्यवस्था भारतीय लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत के पास किसी भी क्षेत्र में बड़े बदलाव लाने की अपार शक्ति है। प्रधानमंत्री आज हरियाणा में आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

पुंछ के दिगवार सेक्टर में मारा गया खूंखार हिज्ब कमांडर मुनेसर

जम्मू। जम्मू संभाग के पुंछ जिले के दिगवार सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षा बलों ने सोमवार की सुबह घुसपैठ को नाकाम करके दो घुसपैठिये आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादियों में से एक खूंखार हिज्ब कमांडर था, जिसे राजौरी और पुंछ जिलों में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने का काम सौंपा गया था। पीआरओ (रक्षा) जम्मू लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने एक बयान कहा कि मारे गये आतंकी की पहचान हिज्ब-उल-मुजाहिदीन कमांडर मुनेसर हुसैन के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस रिकॉर्ड के आधार पर मारे गये आतंकवादी की पहचान मुनेसर हुसैन पुत्र सत्तार मोहम्मद निवासी बग्यालद्रा पुंछ के रूप में की गई है। उन्होंने कहा कि 1993 में हुसैन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर गया था और 1996 में वापस भारत आया। इसके बाद वह 1998 में एक बार फिर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर लौट गया। उसने सुरक्षा बलों पर कई हमलों की साजिश रची है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके परिवार में दो पत्नियां और बच्चे सुरनकोट, पुंछ के निवासी हैं।

ज्ञानवापी परिसर में चौथे दिन एएसआइ टीम का सर्वे पूरा

वाराणसी (हि.स.)। ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) टीम ने कड़ी सुरक्षा के बीच लगातार चौथे दिन सोमवार शाम को सर्वे की प्रक्रिया पूरी की। सर्वे के बाद एएसआइ टीम के साथ वादी और प्रतिवादी पक्ष के अधिवक्ता भी परिसर से कड़ी सुरक्षा के बीच लौट गये। मंगलवार सुबह से फिर एएसआइ की टीम सर्वेक्षण करेगी।

चौथे दिन सर्वे प्रक्रिया पूरी होने के बाद वादी हिंदू पक्ष के अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी ने मीडिया कर्मियों को बताया कि एएसआइ टीम मेहनत से काम कर रही है, कुछ भी नहीं छिपेगा। मसाजिद कमेटी भी सहयोग कर रही है। परिसर में हर जगह मशीन लगाकर काम हो रहा है। सारे साक्ष्य रिपोर्ट से मिलेंगे।

उन्होंने बताया कि परिसर के गुंबद पर सर्वे का कार्य आज भी जारी रहा। गुंबद के ऊपर सीढ़ियां हैं, कलश रखे हैं। पश्चिमी द्वार पर मशीन लगाकर टीम लेखा-जोखा कागज पर तैयार कर रही है। उधर, एएसआइ टीम के सर्वे को लेकर हो रहे बयानबाजी पर मुस्लिम पक्ष ने नाराजगी जतायी है। वहीं, एएसआइ टीम के अफसरों ने भी इस मामले में संयम बरतने की सलाह दी है। टीम के अफसरों ने प्रशासनिक अधिकारियों से सर्वे की गोपनीयता बनाये रखने के लिए सख्ती बरतने की मांग की है। टीम का मानना है कि सर्वे की गोपनीयता के लिए शपथ पत्र अदालत में दिया गया है। ऐसे में बयानबाजी से परेशानी बढ़ेगी।

मथुरा शाही ईदगाह मामले में याचिका की सुनवाई 23 को

प्रयागराज। मथुरा श्री कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह मस्जिद सहित पूरी भूमि का अधिग्रहण कर ट्रस्ट बनाकर हिंदुओं को पूजा का अधिकार देने की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका की सुनवाई हाइकोर्ट में 23 अगस्त को होगी। याची सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता महक महेश्वरी का कहना है कि एक समझौते के तहत कृष्ण जन्मभूमि की 13.37 एकड़ जमीन में से 11.37 एकड जन्मभूमि मंदिर तथा शेष 2.37 एकड भूमि शाही ईदगाह को सौंपा जाना गलत है। याचिका में एएसआइ से साइंटिफिक सर्वे कराने की भी मांग की गयी है। याचिका की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर तथा न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की खंडपीठ ने की।

राष्ट्र विरोधी गर्भनाल से जुड़े हुए हैं कांग्रेस, चीन व न्यूज क्लिक : अनुराग

नयी दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस, चीन और न्यूज क्लिक राष्ट्रविरोधी गर्भनाल से जुड़े हुए हैं। राहुल गांधी की नफरत की दुकान में चीनी सामान साफ देखा जा सकता है। चीन के प्रति उनका प्रेम देखा जा सकता है। वे भारत विरोधी अभियान के साथ खड़े हैं।

सोमवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि न्यूज क्लिक चाइना के नैरेटिव को बनाने में लगा हुआ है और इसके समर्थन में कांग्रेस पार्टी खड़ी हुई है। न्यूज क्लिक फ्री न्यूज के नाम पर फेक न्यूज बांटने का काम कर रही है। देश में झूठ फैलाने का काम कर रही थी, इसको चीन सहित कई माओवादी संगठन से फंडिंग मिल रही थी। अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस से सवाल पूछा कि पार्टी को देश को बताना चाहिए कि न्यूज क्लिक जैसे मीडिया संस्थान से जुड़ने की क्या मंशा थी, क्यों वे टुकड़े- टुकड़े गैंग के साथ खड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि साल 2021 में केंद्र सरकार ने न्यूज क्लिक को बेनकाब किया कि कैसे विदेशी दुष्प्रचार भारत के खिलाफ है। भारत विरोधी इस अभियान में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल उनके समर्थन में आये। चीनी कंपनियां मुगल नेविल रॉय सिंघम के माध्यम से न्यूज क्लिक को फंडिंग कर रही थीं, लेकिन उनके सेल्समैन भारत के कुछ लोग थे, जो उनके खिलाफ कार्रवाई होने पर उनके समर्थन में आ गये। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि न्यूज क्लिक जैसे मंचों और संयुक्त रूप से संचालित होने वाले अन्य मंचों पर वो ही नैरेटिव दोहराई जाती है, जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी विदेशी मंचों पर बोलते हैं।

न्यूज क्लिक फ्री न्यूज के नाम पर फेक न्यूज बांटने का काम कर रहा

एलजीबीटी समुदाय के लिए खुले हैं कैथोलिक चर्च : पोप फ्रांसिस

रोम। ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने कहा है कि समलैंगिकों समेत पूरे एलजीबीटी (लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल और ट्रांसजेंडर) समुदाय के लिए कैथोलिक चर्च खुले हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता के मार्ग पर उनका साथ देना हमारा कर्तव्य है, लेकिन यह नियमों के दायरे में रहकर ही हो सकता है। महिलाओं और समलैंगिकों को अन्य लोगों के मुकाबले अधिकार न मिलने संबंधी सवाल के जवाब में पोप फ्रांसिस ने कहा कि चर्च सभी के लिए खुले हैं। लेकिन, चर्च के अंदर के जीवन को नियंत्रित करने के लिए कुछ नियम हैं और इनका पालन करना जरूरी है। नियमों के मुताबिक ये लोग चर्च के कुछ संस्कारों में भाग नहीं ले सकते। इसका मतलब यह नहीं है कि उन पर प्रतिबंध है। चर्च के भीतर हर व्यक्ति को अपने तरीके से भगवान का सामना करना होता है।

दिल्ली सेवा विधेयक राज्यसभा से पास

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली सेवा विधेयक सोमवार को राज्यसभा से भी बहुमत के साथ पास हो गया। यह विधेयक लोकसभा में पहले ही पास कर दिया गया था। दिल्ली सेवा विधेयक को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार बहस हुई। लेकिन, मतदान होने पर 131 के भारी बहुमत से यह विधेयक राज्यसभा में पास हो गया। इस विधेयक के विरोध में विपक्ष के द्वारा 102 वोट पड़े।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार दोपहर में राज्यसभा में 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक' पेश किया। इस विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह विधेयक लाने का उद्देश्य केवल और केवल दिल्ली में सुचारू रूप से भ्रष्टाचार विहीन शासन देना है। गृह मंत्री ने कहा कि इस बिल के एक भी प्रावधान से, पहले जो व्यवस्था थी, उसमें कोई बदलाव नहीं होगा। यह विधेयक सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का किसी भी तरह से उल्लंघन नहीं करता है।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक से ट्रांसफर-पोस्टिंग की सेवाओं के अधिकारों का जो वर्णन किया गया है, प्रैक्टिस में यह सारे अधिकार ही चलते थे। उन्होंने कहा कि मदन लाल खुराना दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे. साहिब सिंह वर्मा मुख्यमंत्री और थोड़े समय के लिए सुषमा स्वराज मुख्यमंत्री बनीं। शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनीं, लेकिन, किसी का केंद्र सरकार से झगड़ा नहीं हुआ।

संसद का मानसून सत्र

रास सभापति ने टीएमसी सांसद के व्यवहार पर आपत्ति जतायी

नयी दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सोमवार को दिल्ली सर्विस बिल पर चर्चा के दौरान सदस्य डेरेक ओ ब्रायन के व्यवहार से नाराज हुए और उन्होंने उनका नाम लेकर उन्हें सदन से बाहर जाने को कहा। दिल्ली सर्विस बिल के दौरान अपनी बात रखते हुए डेरेक ओ ब्रायन सदन के बीचों-बीच आ गये। उनके इस व्यवहार से सभापति नाराज हुए और उन्होंने उन्हें चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि आपका आचरण खुद को नीचा दिखाने वाला है।

रंजन गोगोई ने दिल्ली सर्विस बिल का किया समर्थन

नयी दिल्ली। देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने भी सोमवार को दिल्ली सर्विस बिल पर अपना मत सदन में रखा। उन्होंने कहा कि सदस्य अपनी पार्टी के अनुसार अपना मत रख रहे हैं, लेकिन वे अपने मत से विधेयक का समर्थन कर रहे हैं। विधेयक संविधान सम्मत है और इसे किसी आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती।

जी सैट-24 उपग्रह ने शुरू किया काम करना

नयी दिल्ली। न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड ने जी सैट-24 को चालू करने के लिए टाटा प्ले के साथ साझेदारी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' दृष्टिकोण के अनुरूप जून, 2022 में जी सैट-24 उपग्रह लांच किया गया था। सोमवार को न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड ने टाटा प्ले के साथ साझेदारी करके इस उपग्रह के काम करने की शुरुआत की। नयी दिल्ली में टाटा प्ले के ब्रॉडकास्ट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद सूचना एवं प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्रा ने जीसैट-24 को सफलतापूर्वक चालू करने के लिए अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) और टाटा प्ले को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष, संचार के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और कदम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में टाटा प्ले के 600 चैनल हैं। इसरो उपग्रह के शामिल होने के साथ, यह आम जनता को लाभान्वित करने वाले 900 चैनलों को प्रसारित करने में सक्षम होगा।

मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार निवेशकों को 1.19 लाख करोड़ का फायदा

वाणिज्य की खबरें

नयी दिल्ली (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। बीच में कुछ देर के लिए बिकवाली का दबाव भी बनता नजर आया, लेकिन खरीदारी के सपोर्ट से बाजार ने अपनी तेजी बनाये रखी। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.35 प्रतिशत और निफ्टी 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज के कारोबार से शेयर बाजार के निवेशकों को करीब 1.19 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया।

बीएसइ का सेंसेक्स आज 90.15 अंक की तेजी के साथ 65,811.40 अंक के स्तर पर खुला। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 232.23 अंक की मजबूती के साथ 65,953.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसइ के निफ्टी ने आज 59.85 अंक की मजबूती के साथ 19,576.85 अंक के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। दिन भर के कारोबार के बाद निफ्टी 80.30 अंक की तेजी के साथ 19,597.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में आइटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल और रियल्टी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, मेटल, पावर और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों पर दबाव नजर आया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसइ का मिडकैप इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह, स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज के कारोबार में आयी तेजी के कारण बीएसइ में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 1.19 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद बीएसइ में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपीटलाइजेशन 305.35 लाख करोड़ रुपये हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को इन कंपनियों का मार्केट कैपीटलाइजेशन 304.16 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह, आज के कारोबार से शेयर बाजार के निवेशकों को करीब 1.19 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया।

एंटफिन से पेटीएम की 10.3 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेंगे विजय शर्मा

नयी दिल्ली। डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीइओ) विजय शेखर शर्मा एंटफिन (नीदरलैंड) होल्डिंग बीवी से पेटीएम में 10.30 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करेंगे। इस सौदे के बाद उनकी कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ कर 19.42 फीसदी हो जायेगी। पेटीएम ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि विजय शेखर शर्मा अपनी 100 फीसदी स्वामित्व वाली विदेशी इकाई रेजिलिएंट एसेट मैनेजमेंट बीवी के जरिए एंटफिन से पेटीएम में 10.3 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेंगे। इस सौदे की वैल्यू करीब 62.8 करोड़ डॉलर है। अधिग्रहण के लिए कोई नकद भुगतान नहीं किया जायेगा।

सावन में रिलीज हुआ अक्षरा सिंह का एक और गाना 'हमार जान महादेव'

नयी दिल्ली (हि.स.)। भोजपुरी अभिनेत्री और गायिका अक्षरा सिंह का जलवा सावन में सिर चढ़ कर बोल रहा है। अक्षरा एक के बाद एक सावन गीत लेकर आ रही हैं, जिसकी धुन पर उनके फैंस के साथ-साथ सावन मास में श्रद्धालु भी झूमते नजर आ जाते हैं। इस बीच, सोमवार (7 अगस्त) को अक्षरा सिंह ने एक और धमाकेदार गाना रिलीज कर दिया है। गाने के बोल हैं 'हमार जान महादेव', जो स्वर ओरिजनल भोजपुरी से रिलीज हुआ है। गाने को लोग पसंद कर रहे हैं। गाने के म्यूजिक वीडियो में अक्षरा सिंह शिवभक्ति में लीन नजर आयीं। अक्षरा सिंह के गाने के साथ उनकी भाव भंगिमा इस गाने को और भी आकर्षक बनाने वाला है। गाने को लेकर अक्षरा सिंह ने कहा कि सावन को लेकर मैं हर साल उत्साहित रहती हूं। भोले बाबा की पूजा-अर्चना तो मैं करती ही हूं, उनके लिए गाना गाना मेरे लिए प्रेरणा का काम करती है। उनकी श्रद्धा में गाने दिल की गहराइयों से निकलते हैं।

VERMA PRESS ®
वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 120	English Grammar– II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !